THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 257 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष कृ.9 2080 बुधवार, 6 दिसंबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

रेवंत रेड्डी होंगे तेलंगाना सीएम

* राहुल गांधी ने मुहर लगाई * 7 दिसंबर को शपथ लेंगे

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के चुनावी नतीजे आने के बाद से मुख्यमंत्री पद को लेकर लगातार कशमकश चल रही थी। हालांकि अब कांग्रेस आलाकमान ने रेवंत रेड्डी के नाम पर मुहर लगा दी है। वह राज्य के अगले मुख्यमंत्री होंगे। हैदराबाद में सीएलपी की बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला आलाकमान पर छोड़ दिया गया। सूत्रों का कहना है कि 7 दिसंबर को सुबह 11 बजे रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। उनके अलावा कई अन्य विधायक भी मंत्रीपद की शपथ ले सकते हैं।

हैदराबाद में हुआ प्रदर्शन :

तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष रेवंत रेड्डी के समर्थकों ने मंगलवार को हैदराबाद में प्रदर्शन किया और उन्हें मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। एक समर्थक ने कहा, हमारी कोई और मांग नहीं है। हमने इतने दिनों तक भाजपा और बीआरएस से लड़ाई लड़ी। एक रेवंत रेड्डी की वजह से 65 विधायक जीते। हम चाहते हैं कि रेवंत रेड्डी को सीएम बनाने के अलावा और कुछ नहीं बनाया जाए। बता दें कि रेवंत रेड्डी ने 8 साल पहले कसम खाई थी कि मेरे जीवन का उद्देश्य केसीआर (के.चंद्रशेखर राव) को गद्दी से उतारना और उनके परिवार को राजनीति से खत्म कर देने का है। अब हुए विधानसभा चुनावों में उन्होंने ये सच कर दिखाया है। राज्य में उनकी अगुवाई में कांग्रेस ने भारत राष्ट्र समिति को बड़े अंतर से उखाड़ फेंका है।

एबीवीपी से की राजनीति की शुरूआत :

रेवंत रेड्डी ने अपनी राजनीति की शुरूआत एबीवीपी से की। इसके बाद वह तेलुगू देशम पार्टी, टीडीपी में भी रहे और बाद में कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी की जीत के नायक बने। रेवंत रेड्डी ने 2019 में लोकसभा का चुनाव भी जीता था। वह साल 2017 में कांग्रेस में शामिल हुए थे लेकिन साल 2018 का विधानसभा चुनाव हार गए थे। इसके बाद साल 2019 में उन्होंने कांग्रेस से लोकसभा चुनाव में मलकाजगिरि से जीत हासिल की। 2020 में उन्हें मोहम्मद अजहरूद्दीन की जगह राज्य में कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया गया।

हिंद महासागर में सुरक्षा बढ़ाने के लिए भारत-केन्या ने किया रक्षा संबंधों को मजबूत

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्या के राष्ट्रपति विलियम रुटो ने मंगलवार को समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने और हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री डकैती, मादक पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद से संयुक्त रूप से निपटने के लिए दोनों देशों के बीच रक्षा संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा की।

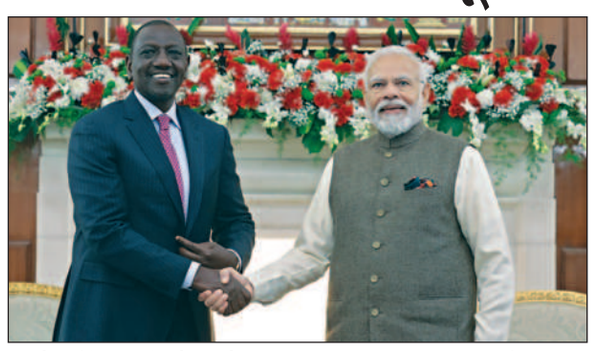

बैठक के बाद पीएम मोदी ने कहा, रक्षा के क्षेत्र में भारत और केन्या के बीच बढ़ता सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास और साझा हितों का प्रतीक है। मोदी ने कहा, आज की चर्चा में, हमने संयुक्त सैन्य अभ्यास, क्षमता निर्माण के साथ-साथ दोनों देशों के रक्षा उद्योगों को जोड़ने पर जोर दिया। हिंद महासागर से जुड़े होने के चलते समुद्री सुरक्षा, समुद्री डकैती से लड़ाई और मादक पदार्थों की तस्करी को रोकना हमारी साझा प्राथमिकता हैं। मोदी ने कहा, केन्या और भारत के बीच घनिष्ठ सहयोग हिंद-प्रशांत में हमारे सभी प्रयासों को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति रुटो की भारत यात्रा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगी बल्कि अफ्रीका के साथ हमारे जुड़ाव को एक नई गति देगी।

मोदी ने कहा, भारत और केन्या, दोनों देशों का मानना है कि आतंकवाद मानवता के सामने सबसे गंभीर चुनौती है और दोनों पक्षों ने आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने का फैसला किया है। मोदी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि स्वच्छ ऊर्जा दोनों देशों की मुख्य प्राथमिकता है और बताया कि केन्या ने अफ्रीका जलवायु शिखर सम्मेलन के आयोजन के लिए बहुत सराहनीय कदम उठाया है। उन्होंने कहा, यह सभी वैश्विक चुनौतियों से एकजुट होकर निपटने की राष्ट्रपति रूटो की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। पीएम मोदी ने कहा कि डिजिटल बुनियादी ढांचे में अपनी जानकारी और उपलब्धियों को केन्या के साथ साझा करने के लिए भारत तैयार है।

न्यायिक आदेश के बावजूद सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से संबंधित याचिका नहीं हुई लिस्ट

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम द्वारा सुझाए गए नामों को क्लीयर करने में कथित तौर पर सरकार की देरी के खिलाफ दायर याचिका मंगलवार को सुनवाई के लिए लिस्टेड नहीं हुई। इस पर याचिकाकर्ता ने हैरानी जताई है। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धुलिया ने 20 नवंबर को इस याचिका पर सुनवाई की थी और मंगलवार को फिर से सुनवाई करने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वकील ने पीठ को बताया कि याचिका मंगलवार को सुनवाई के लिए लिस्ट हुई थी लेकिन डिलीट हो गई।

इस मामले पर एक और याचिका दायर हुई है। दूसरे याचिकाकर्ता की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने याचिका के लिस्ट से डिलीट होने पर हैरानी जताई। प्रशांत भूषण ने कहा कि याचिका लिस्ट करने के लिए न्यायिक आदेश था, इसके बावजूद याचिका का लिस्ट से डिलीट होना जाना असामान्य है।

लोकसभा में जम्मू-कश्मीर आरक्षण संशोधन बिल पेश

ये पास हुआ तो कश्मीरी पंडितों को संसद में 2 और पीओके विस्थापितों को 1 सीट रिजर्व होगी

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र का मंगलवार (5 दिसंबर) को दूसरा दिन है। दूसरे दिन लोकसभा में गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर आरक्षण संशोधन बिल पेश किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बिल के पास होने पर संसद में कश्मीर पंडितों के लिए 2 और पीओके से विस्थापितों के लिए एक सीट रिजर्व होगी।

सत्र के दूसरे दिन महुआ मोइत्रा पर एथिक्स कमेटी की रिपोर्ट पेश की जा सकती है। इस मुद्दे पर सोमवार को जमकर हंगामा हुआ, लेकिन चर्चा नहीं हो सकी। हालांकि, सेंट्रल यूनिवर्सिटीज और एडवोकेट अमेंडमेंट बिल जरूर टेबल किए गए। उधर, इंडिया ब्लॉक पार्टियों के नेता राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे के चेंबर में मंगलवार सुबह मीटिंग

हुई। संसद का यह सत्र 22 दिसंबर तक चलने वाला है, जिसमें 15 बैठकों में करीब 21 बिल पेश किए जाने हैं। यह 17वीं लोकसभा का आखिरी सत्र है।

ईवीएम पर फारूक अब्दुल्ला : जब ये मशीन लाई गई थी, तब मैं मुख्यमंत्री था। तब मैंने चुनाव आयोग से पूछा था कि क्या इसे हैक किया जा सकता है। चुनाव आयोग ने कहा था- हां, यह संभव है। अगर ये सही है तो फिर लोगों का भरोसा कैसे बना रह सकता है। उनकी खुद की कोई पॉलिसी नहीं है।

वे खुद के फायदे के लिए एकजुट (इंडिया गठबंधन) हुए हैं। विधानसभा चुनावों में भाजपा को जो भारी जीत मिली है, ये लोग 2024 में होने वाले आम चुनावों को लेकर डरे हुए हैं। ये सच है कि महुआ मोइत्रा का हैरेसमेंट हुआ। उन पर लगाए आरोप साबित नहीं हुए।

एनआईए ने आठ जगहों पर की छापेमारी

श्रीनगर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर में आठ जगहों पर छापेमारी की। एनआईए के सूत्रों ने कहा कि ये छापे एजेंसी की आतंकी फंडिंग मामले में चल रही जांच का हिस्सा है। छापेमारी के दौरान घाटी में सात और जम्मू में एक जगह की तलाशी ली जा रही है। उन्होंने कहा, ये छापेमारी घाटी के बारामूला और शोपियां जिलों के अलावा अन्य स्थानों पर चल रही है।

बैठक में ममता के न आने पर भड़के अधीर रंजन

बोले-उन्होंने कभी हमें वोट देने की अपील नहीं की

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडिया गठबंधन पार्टियों की एक बैठक की घोषणा की थी। आज इंडिया गठबंधन पार्टियों के सांसदों के साथ मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक बुलाई। वहीं बुधवार को इंडिया गठबंधन के शीर्ष नेताओं के साथ कांग्रेस बैठक करेगी।

छह दिसंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने बताया कि उन्हें इस बैठक को लेकर किसी प्रकार की कोई जानकारी नहीं दी गई थी।

बंगाल की सीएम ने इस बैठक पर बात करते हुए कहा था, मुझे नहीं पता। मुझे इस बैठक के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई, इसलिए मैंने उत्तर बंगाल में अपना कार्यक्रम जारी रखा। अगर हमें इस बैठक की जानकारी होती तो हम यह कार्यक्रम नहीं रखते। हम उस बैठक में जरूर शामिल होते, लेकिन हमें इस बैठक की कोई जानकारी नहीं दी गई।

ममता बनर्जी के बैठक में शामिल होने से इनकार करने पर कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भड़क गए। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, उसका घमंड चुनाव से पहले भी ऐसा ही था।

विशाखापट्टनम में चक्रवात से हवाई सेवाएं प्रभावित, 23 उड़ानें रद्द

विशाखापट्टनम, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में आए भीषण चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण मंगलवार को विशाखापट्टनम हवाईअड्डे पर परिचालन प्रभावित हुआ और 23 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हवाईअड्डे के निदेशक ने कहा कि खराब मौसम के कारण उड़ानें रद्द की गई हैं।

हैदराबाद, दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, विजयवाड़ा, तिरुपति और चेन्नई जैसे गंतव्यों से आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। यात्रियों से आगे की जानकारी के लिए एयरलाइंस से संपर्क करने का अनुरोध किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि हवाईअड्डे पर आपातकालीन सेवाएं चालू हैं। फिलहाल विस्तार कार्य को देखते हुए रनवे रात 8 बजे तक ही चालू रहता है।

चक्रवात मिचौंग : 12 की मौत, सड़कें और सबवे जलमग्न

चेन्नई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु में भीषण चक्रवाती तूफान मिचौंग के कारण कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई है। चेन्नई और राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में मुख्य सड़कें और सबवे जलमग्न हो गए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि परिवारों को प्रभावित क्षेत्रों से हटा दिया गया है, जबकि गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को खतरे वाले क्षेत्रों से बचाया गया है। मंगलवार सुबह मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने चक्रवात प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया, बचाव कार्यों और प्रभावित लोगों को दी जाने वाली सुविधाओं की निगरानी की। उन्होंने कहा कि एहतियाती उपायों, व्यवस्थित सुधारों और व्यापक संरचनात्मक तैयारियों के कारण जीवन के नुकसान को काफी हद तक कम किया गया है।

उन्होंने चेन्नई के कन्नप्पार थिडल में स्थापित एक राहत शिविर का भी दौरा किया। बचाव एवं राहत कार्य युद्ध स्तर पर चलाए जा रहे हैं। द्रमुक सरकार द्वारा कार्यान्वित तूफानी जल निकासी परियोजनाओं के कारण चेन्नई को बड़े पैमाने पर नुकसान होने से बचाया गया। स्टालिन के मुताबिक, भारी बारिश के बावजूद पिछली बार की तुलना में नुकसान कम है।

राहत कार्य चलाने के लिए तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों से लगभग 5,000 श्रमिकों को चेन्नई में तैनात किया गया है। वर्तमान में राज्य भर में कम से कम 162 राहत केंद्र चल रहे हैं, जिनमें से 43 चेन्नई में हैं। राज्य की राजधानी में संचालित 20 किचेन से भोजन की आपूर्ति की जा रही है। इस बीच, चक्रवात के प्रभाव के कारण सोमवार को निलंबित रहने के बाद चेन्नई हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। हालांकि, हवाई अड्डे के कर्मचारियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

तेलंगाना में भारी बारिश की चेतावनी

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग ने बंगाल की खाड़ी में आए भीषण चक्रवाती तूफान मिचौंग के प्रभाव के कारण भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। उत्तर और दक्षिण तेलंगाना के कुछ जिलों में मंगलवार को अलर्ट जारी किया गया है। तूफान आंध्र प्रदेश में तट को पार कर गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मुलुगु और भद्राद्रि कोठागुडेम जिलों में 'रेड अलर्ट', सूर्यापेट, महबूबाबाद, वारंगल और हनमकोंडा जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। करीमनगर, पेद्दापल्ली, नलगोंडा, जनगांव, यदाद्री, भूपालपल्ली और नगर कुर्नूल जिलों में 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। इन जिलों में सोमवार रात से मध्यम से भारी बारिश हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि भद्राद्रि कोठागुडेम और मुलुगु जिलों में एनडीआरएफ की एक-एक टीम भेजी गई है। हैदराबाद और उसके उपनगरों में मंगलवार तड़के से बारिश हो रही है। कुछ स्थानों पर सड़कों पर पानी जमा होने से वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ। खम्मम जिले में भद्राचलम, अस्वरावपेटा, येल्लांदु, अल्लापल्ली और सथुपल्ली जैसी जगहों पर बारिश हो रही है।

>14

गोमूत्र राज्यों में चुनाव जीतती है बीजेपी

डीएमके सांसद सेंथिल की टिप्पणी पर विवाद

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। हिंदी पट्टी के तीन राज्यों राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने जबरदस्त जीत हासिल की है। इस जीत ने जहां कांग्रेस को कड़ी पटखनी दी है तो वहीं इंडिया गठबंधन के दलों को सोचने पर मजबूर कर दिया। यही वजह है कि इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं के अजीबो-गरीब बयान सामने आ रहे हैं, लेकिन इसी कड़ी में हद तो तब हो गई, जब डीएमके सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार ने इस मुद्दे पर आपत्तिजनक टिप्पणी करके विवाद खड़ा कर दिया। जिसको लेकर बीजेपी ने माफी मांगने के लिए कहा है।

द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के सांसद डीएनवी सेंथिलकुमार एस ने मंगलवार को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में अपनी टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया। सेंथिलकुमार ने बीजेपी पर हमलावर होते हुए कहा कि भाजपा की ताकत मुख्य रूप से हिंदी भाषी राज्यों या जिन्हें हम गोमूत्र राज्य कहते हैं, वहां चुनाव जीतने में है। आप दक्षिण भारत में नहीं जीत सकते।

सेंथिलकुमार की टिप्पणी राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा को भारी जीत मिलने के कुछ दिनों बाद आई है। उनकी टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा सांसद अन्नपूर्णा देवी ने कहा, राज्य के लोगों ने भाजपा को वोट दिया है और उन्हें पीएम मोदी पर भरोसा है।

जो लोग ऐसे बयान देते हैं, यह उनकी ओछी मानसिकता है और वे दुनियाभर में पीएम मोदी की लोकप्रियता से ईर्ष्या करते हैं।

जानिए किस नेता ने क्या कहा :

सेंथिल की इस टिप्पणी के बाद कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि वो गाय माता का सम्मान करते हैं। बीजेपी सांसद मिनाक्षी लेखी ने कहा कि वो इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेंगी। मिलिंद देबड़ा ने कहा कि सेंथिल का बयान अपमानजनक है। बीजेपी नेता खुशबू सुंदर ने कहा कि सेंथिल को तुरंत माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम ने भी सेंथिल कुमार के बयान को गलत करार दिया।

>14

वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी नौसेना के उपाध्यक्ष होंगे

मुंबई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पश्चिमी नौसेना के कमांडर रहे वाइस एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी को भारतीय नौसेना का अगले उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वर्तमान में वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी मुंबई में भारतीय नौसेना की पश्चिमी कमान का नेतृत्व कर रहे हैं। वह नौसेना उपाध्यक्ष का पद अगले महीने 4 जनवरी को अपनी नई नियुक्ति ग्रहण करेंगे।

पश्चिमी नौसेना कमांडर का जिम्मा वाइस एडमिरल एसजे सिंह संभालेंगे। वह वाइस एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की जगह लेंगे।

कांग्रेस तय करे राहुल गांधी को भाजपा से लड़ना चाहिए या वाम दलों से : केरल सीएम

तिरुवनंतपुरम, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मंगलवार को कहा कि यह कांग्रेस को तय करना है कि राहुल गांधी को भाजपा या वाम दलों के खिलाफ चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं। सीएम विजयन ने राहुल गांधी के वायनाड से दोबारा चुनाव लड़ने की खबरों पर एक सवाल का जवाब देते हुए यह बयान दिया। सीएम विजयन ने अपनी राज्यव्यापी यात्रा के दैनिक कार्यक्रम के तहत त्रिशूर में पत्रकारों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा, यह कांग्रेस को तय करना है कि राहुल गांधी को कहां से चुनाव लड़ना चाहिए और यह भी तय कहना है कि क्या उन्हें भाजपा या वाम दलों से लड़ना है। माकपा भी अप्रत्यक्ष रूप से इंडिया गठबंधन का हिस्सा है। लेकिन उन्होंने अभी तक इसका निर्णय लेने के लिए निकाय में एक भी प्रतिनिधि नहीं भेजा है क्योंकि यह केवल केरल में है जहां माकपा और कांग्रेस एक कड़वी राजनीतिक लड़ाई में लगे हुए हैं। साल 2019 में राहुल गांधी ने वायनाड में माकपा उम्मीदवार को हराकर 4.31 लाख वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी, जो सत्तारूढ़ विजयन सरकार की दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी है। सीएम विजयन ने कहा, किसी को संदेह करने की जरूरत नहीं है, वायनाड में हमारा उम्मीदवार होगा।

लगातार तीसरे साल सबसे सुरक्षित शहर बना कोलकाता

हैदराबाद में 299.2 मामले दर्ज हुए

कोलकाता, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार कोलकाता भारत का सबसे सुरक्षित शहर है। इसी के साथ कोलकाता को लगातार तीसरे वर्ष सबसे सुरक्षित शहर बताया गया है, जहां प्रति लाख जनसंख्या पर सबसे कम संज्ञेय अपराध दर्ज किया गया है।

एनसीआरबी के डेटा के अनुसार 2022 में प्रति लाख आबादी में 86.5 संज्ञेय अपराध के मामले दर्ज किए गए थे। वहीं पुणे में 280.7 तो हैदराबाद में 299.2 मामले दर्ज हुए। संज्ञेय अपराध वह है, जिसपर भारतीय दंड संहिता और विशेष और स्थानीय नियम के तहत मामला दर्ज किया जाता है।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में कोलकाता में प्रति लाख आबादी पर 103.4 संज्ञेय अपराध दर्ज किया गया था। वहीं पुणे में 256.8 और हैदराबाद में 259.9 संज्ञेय अपराध दर्ज हुआ था। यह रैंकिग 20 लाख आबादी वाले 19 शहरों की तुलना करने के बाद जारी की गई। रिपोर्ट में बताया गया कि कोलकाता में महिलाओं के साथ होने वाले अपराध में वृद्धि हुई है।

तेलंगाना में 15 डॉक्टर चुनाव जीत कर बने नेता : हड्डी रोग से लेकर नेत्र रोग विशेषज्ञ तक शामिल

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस ने प्रचंड जीत हासिल की है, लेकिन राज्य के विधानसभा चुनाव में जिन लोगों ने फतह हासिल की है। उनमें 15 डॉक्टर भी हैं। यह वहीं डॉक्टर हैं, जो अभी तक अस्पताल में मरीजों को इलाज करते थे, लेकिन उनकी इस जीत के बाद अब वो नागरिकों के मुद्दे उठाने के लिए तेलंगाना विधानसभा में प्रवेश के लिए तैयार हैं। लेकिन एक दिलचस्प बात यह भी है कि विजयी डॉक्टरों में शहर से कोई नहीं है, बल्कि यह सभी डॉक्टर राज्य के विभिन्न इलाकों से ताल्लुक रखते हैं।

जीते हुए डॉक्टरों में तीन हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विधायक बने हैं। डॉ. पलवई हरीश बाबू (भाजपा) सिरपुर में जीते और एक आर्थोपेडिक सर्जन हैं। एक अन्य सर्जन, डॉ. टेलम वेंकट राव (बीआरएस) को भद्राचलम से चुना गया था। निज़ामाबाद ग्रामीण क्षेत्र से जीतने वाले डॉ. आर भूपति रेड्डी (कांग्रेस) भी एक प्रसिद्ध आर्थोपेडिक डॉक्टर हैं।

विजयी होने वालों में जनरल सर्जन में डॉ. राम चंदर नाइक (दोर्नाकल), डॉ. वामशी कृष्णा (अचामपेट), डॉ. मुरली नाइक (महबूबाबाद), डॉ.के. सत्यनारायण (मानकोंडुरू) शामिल हैं। यह सभी कांग्रेस से हैं। मेदक से निर्वाचित डॉ. मयनामपल्ली रोहित हैं। जिन्होंने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा। वहीं कांग्रेस के डॉ. विवेक वेंकटस्वामी ने चेन्नूर से जीत हासिल की।

जनरल फिजिशियन डॉ. पर्णिका रेड्डी (कांग्रेस) नारायणपेट का प्रतिनिधित्व करेंगी और बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.पी. संजीव रेड्डी (कांग्रेस) नारायणखेड़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। न्यूरोसर्जन डॉ. कल्वाकुंटला संजय कोरुटला विधानसभा क्षेत्र से चुने गए। जीतने वाले अन्य विशेषज्ञता वाले चिकित्सकों में डॉ.एम. संजय कुमार जो एक नेत्र रोग विशेषज्ञ (बीआरएस-जगतियाल), एम रागमयी, पल्मोनोलॉजिस्ट (कांग्रेस-सत्तुपल्ली), डॉ. कुचुकुल्ला राजेश रेड्डी, डेंटल सर्जन (कांग्रेस-नगरकुर्नूल) शामिल हैं। जैसे ही यह सभी डॉक्टर तेलंगाना विधानसभा में कदम रखेंगे। सभी की निगाहें इस बात पर जरूर रहेंगी कि कांग्रेस सरकार में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री किसको बनाया जाता है।

सीट बेल्ट में फंसाकर चचेरे भाई को कार से बाहर फेंका, फिर फोरलेन हाइवे पर 25 किमी तक घसीटा, शव के उड़ गए परखच्चे

सीहोर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सीहोर जिले में कार की सीट बेल्ट में फंसाकर एक युवक की 25 किलोमीटर तक सड़क पर घसीट कर निर्मम हत्या कर दी। पुलिस ने सनसनीखेज वारदात को अंजाम देने वाले दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। भोपाल के सिक्योरिटी लाइन निवासी संदीप नकवाल (35 साल) तेहरवीं के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 29 नवंबर को भोपाल से ट्रेन में सवार होकर नसीराबाद गया था। उसी कार्यक्रम में संदीप का चचेरा भाई संजीव भी गया हुआ था। हालांकि, संजीव भोपाल से राजेश चढ़ार (उम्र 28) की टैक्सी किराए पर लेकर नसीराबाद पहुंचा था।

आत्महत्या को लेकर उकसाया तो कब होगी सजा? कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम मामले में फैसला सुनाया है। आत्महत्या के लिए उकसाने से जुड़ा यह मामला था। कोर्ट ने इस मामले में कहा है कि किसी व्यक्ति को आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी तभी ठहराया जा सकता है जब उकसावा ऐसा हो कि पीड़ित के पास कोई दूसरा रास्ता ही न बचे और उकसावे की घटना के फौरन बाद ही उस शख्स ने आत्महत्या कर लिया हो। कोर्ट ने पहले कहा था कि सिर्फ चुभने वाली भाषा को आधार बनाकर आत्महत्या के लिए उकसाने का दोषी नहीं माना जा सकता। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ

इस मामले को सुन रही थी। ये मामला अशोक कुमार की पत्नी से जुड़ा था जो अब दुनिया में नहीं हैं। अशोक की पत्नी ने 40 हजार के करीब रुपये संदीप बंसल नाम के शख़्स से उधार लिया था। पैसा न चुका पाने की सूरत में अशोक ने संदीप से समय मांगा। कहते हैं जिसने कर्ज दिया था, उस संदीप ने अशोक के साथ बुरा बर्ताव किया। बाद में अशोक की पत्नी ने अपनी जान ले ली।

15 दिनों के बाद महिला ने की थी आत्महत्या

सवाल था कि इसे आत्महत्या के लिए उकसाना माना जाएगा या नहीं? कोर्ट ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कि मृतक महिला की ओर से कर्ज नहीं चुकाये जाने पर उसके पति के साथ जो मारपीट हुई और धमकी दी गई, उसके करीब 15 दिनों के बाद महिला ने आत्महत्या का कदम उठाया था।

आत्महत्या के दूसरे मामले में कोर्ट का तर्क

कोटा सुसाइड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अभी हाल ही में कहा था कि इसके लिए बच्चों के माता पिता जिम्मेदार हैं। उस समय कोर्ट ने कोचिंग सेंटर्स पर लगाम लगाने से इनकार करते हुए पैरेंट्स ही से इसकी जिम्मेदारी तय करने की बात की थी। कोटा में अकेले इस साल कम से कम 24 बच्चे आत्महत्या कर चुके हैं।

क्या ममता बनर्जी ने बोला झूठ?

संजय राउत के बयान से इंडिया गठबंधन में दरार की बात आई सामने

मुंबई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। इंडिया अलायंस मीटिंग पांच राज्यों के चुनावों में कांग्रेस की करारी हार के बाद विपक्षी खेमे में दरार आती दिख रही है। पहले अखिलेश, फिर ममता तो अब नीतीश कुमार अपनी अलग राह अपनाते दिखाई दे रहे हैं। इस बीच विपक्षी गठबंधन इंडिया की अगली बैठक को लेकर सियासत तेज है।

ममता के बयान पर उठे सवाल

दरअसल, बीते दिन ममता ने कहा था कि वो 6 दिसंबर को होने वाली विपक्ष की बैठक में नहीं जा रही, क्योंकि उन्हें इसके बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि अगर पता होता तो वो अपना कार्यक्रम बदल लेतीं। इस बयान के बाद अब शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत का बयान आया है, जिससे ममता के बयान पर सवाल खड़े हो गए हैं।

संजय राउत ने क्या कहा

संजय राउत से जब पूछा गया कि इंडिया गठबंधन की बैठक में ममता नहीं आ रही, क्योंकि उन्हें पता नहीं था। इसका जवाब देते हुए राउत ने कहा कि बैठक जल्दबाजी में नहीं बुलाई गई और विधानसभा चुनाव परिणामों की घोषणा से पहले ही इसकी योजना बनाई गई थी।

उद्धव ठाकरे लेंगे बैठक में भाग

राउत ने आगे कहा कि यह बैठक जल्दबाजी में बुलाई ही नहीं गई। उन्होंने बताया कि पांचों राज्यों के चुनाव नतीजे घोषित होने से पहले ही इस बैठक की योजना बनाई जा रही थी और नतीजों से 2 दिन पहले मल्लिकार्जुन खरगे ने उद्धव ठाकरे से बैठक के बारे में बात की थी। राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे कल दिल्ली जाएंगे और बैठक में भाग लेंगें।

अरब सागर में 40 मछुआरों वाली नाव लापता, तलाश शुरू

उत्तर कन्नड़, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। अरब सागर में 40 मछुआरों को ले जा रही एक मछली पकड़ने वाली नाव लापता हो गई है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना राज्य के उत्तर कन्नड़ जिले के कारवार की है। सूत्रों के अनुसार, नाव पिछले सप्ताह कर्नाटक के अधिकार क्षेत्र में अरब सागर में मौसम की विपरीत स्थिति के बीच लापता हो गई थी। गोवा में पंजीकृत क्रिस्टोरी नाम की नाव के इंजन में तकनीकी समस्याओं का सामना करने और तेज़ हवाओं के कारण नाव के बह जाने का संदेह है। सूत्रों के मुताबिक, यह गोवा के पणजी से रवाना हुआ था और आखिरी जीपीएस सिग्नल उत्तर कन्नड़ जिले के अंकोला में बेलिकेरी के पास रिकॉर्ड किया गया था।

मनीषा पाढ़ी ने रचा इतिहास, बनी देश की पहली महिला एडीसी

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना की एक महिला अधिकारी तब सुर्खियों में आ गईं, जब उन्होंने महिलाओं के प्रति बांधी गई एक लैंगिक सीमा को तोड़ते हुए इतिहास अपने नाम कर लिया। हम बात कर रहे हैं वायु सेना की एक महिला अधिकारी स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाढ़ी की। मनीषा पाढ़ी को हाल ही में महिला सहायक-डी-कैंप यानी एडीसी के रूप में नियुक्त किया गया है। मनीषा देश की पहली महिला एडीसी बन गई हैं। मिजोरम के राज्यपाल डॉ हरि बाबू कुंभपति ने साल 2015 बैच की वायु सेना अधिकारी रहीं मनीषा पाढ़ी को पहली महिला एडीसी के रूप में नियुक्त किया हैं।

राज्यपाल ने जताई खुशी

इस खास मौके पर राज्यपाल डॉ हरि बाबू कुंभपति ने बधाई देते हुए लिखा, "स्क्वाड्रन लीडर मनीषा पाधी को एड-डी-कैंप के रूप में उनकी नियुक्ति पर हार्दिक बधाई।" उन्होंने आगे शुभकामनाऐं देते हुए लिखा कि मैं इस क्षेत्र में मनीषा की अच्छे भविष्य की कामना करता हूं।

महिला सशक्तिकरण का समर्थन जारी रखें

राज्यपाल ने महिलाओं के समर्थन पर जोर देते हुए आगे कहा, "मनीषा की नियुक्ति न सिर्फ एक मील का पत्थर है, बल्कि महिलाओं के प्रति लैंगिक मानदंडो को तोड़ने और अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाने का जश्न है तो आइए इस ऐतिहासिक उपलब्धि का जश्न मनाएं और हर क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण का समर्थन करना जारी रखें।"

मनीषा पाढ़ी ने ग्रहण किया अपना पद

स्क्वाड्रन लीडरमनीषा ने बुधवार को अपना पद ग्रहण किया और राज्यपाल को रिपोर्ट किया। बता दें यहां उन्हें राजभवन में राज्य के अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों से मिलवाया गया। सभी अधिकारियों ने पहली एडीसी का जोरदार स्वागत भी किया।

कहां की रहने वाली हैं मनीषा और किन-किन पदों पर रही हैं कार्यरत?

इससे पहले मनीषा पाढ़ी एयरफोर्स, वायु सेना स्टेशन, पुणे, बिदर और भटिंडा में कई अलग-अलग पदों पर काम कर चुकी हैं। मनीषा का घर ओडिशा के बहरामपुर शहर में है। उनका परिवार भुवनेश्वर में रहता है। मनीषा की इस उपलब्धि के बाद पूरे गांव में खुशी की लहर है। गौरतलब हैं कि भारत में एड-डी-कैंप एक ऐसे सम्मान की उपाधि है, जिसे पोस्ट-नॉमिनल लेटर एडीसी से सम्मानित किया जाता हैं। बताते चलें कि भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के प्रमुख सहित सेवा प्रमुखों के पास आमतौर पर तीन सहायक डे-कैंप होते हैं और राष्ट्रपति के पास पांच सहायक डे-कैंप होते हैं।

पंजाब में 15 साल की लड़की से सामूहिक दुष्कर्म, मामला दर्ज

चंडीगढ़, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब के फिरोजपुर जिले में चार युवकों ने 15 वर्षीय एक लड़की के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। एक पुलिस अधिकारी के मुताबिक, उभरती हुई एथलीट यह लड़की 30 नवंबर की शाम को दौड़ने के लिए अपने घर से निकली थी, तभी यह घटना घटी। अधिकारी ने बताया कि लड़की को उसी के गांव के कुछ युवकों ने रोक लिया और कथित तौर पर उसे मादक पदार्थ खाने के लिए मजबूर किया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया।

संसद में उठा सनातन का मुद्दा

बीजेपी ने की उदयनिधि स्टालिन पर मुकदमे की मांग

बेंगलूरू, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान राज्यसभा में बीजेपी ने उदयनिधि स्टालिन को राज्य सरकार से बर्खास्त करने और उनके खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की। बीजेपी नेता जी वी एल नरसिम्हा राव ने राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि उदयनिधि ने सनातन धर्म को लेकर विवादित टिप्पणी की। डीएमके के नेता ने सनातन और हिन्दू धर्म के खिलाफ नफरती भाषण दिया है। जी वी एल नरसिम्हा राव इंडिया गठबंधन पर भी निशाना साधा। बीजेपी नेता ने कहा कि इंडिया गठबंधन का उद्देश्य सनातन धर्म को खत्म करना है। इस गठबंधन का उद्देश्य भारत विरोधी एजेंडा चलाना है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस पर कोई आपत्ति नहीं जताई बल्कि अपने बेटे के टिप्पणियों का समर्थन किया है। उदयनिधि ने समाज में नफरत फैलाने वाला काम किया। सनातन धर्म के खिलाफ टिप्पणी करने के चलते हमने तमिलनाडु सरकार से उदयनिधि की बर्खास्तगी की मांग की है। तमिलनाडु सीएम के बेटे ने सामाजिक सौहार्द को तोड़ने के काम किया है। हालांकि, राज्यसभा में डीएमके के अन्य सदस्यों ने बीजेपी नेता का विरोध किया और कहा कि बीजेपी नेता बयानों को तोड़मरोड़कर पेश रहे हैं। बता दें कि उदयनिधि ने सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही थी।

उदयनिधि ने डेंगू-मलेरिया से की थी सनातन धर्म की तुलना

बता दें कि डीएमके नेता और तमिलनाडु सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कुछ दिनों पहले सनातन धर्म पर विवादित टिप्पणी की थी। उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया से की थी। इसके बाद से ही उनके खिलाफ विरोध के स्वर सुनाई देते रहे हैं। पीएम मोदी ने भी मध्य प्रदेश में आयोजित एक जनसभा में विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा था कि वह सनातन धर्म को मिटाना चाहता है।

लोकायुक्त ने कर्नाटक में की 63 जगहों पर छापेमारी

बेंगलुरु, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकायुक्त की टीम ने कर्नाटक में बड़ी कार्रवाई कर रही है। यहां टीम ने 63 जगहों पर छापेमारी की। 13 सरकारी अधिकारियों ने मिलकर रेड की जिसमें 6 लाख रुपये की नकदी, 3 किलो सोना, 25 लाख रुपये के हीरे, 5 लाख रुपये की प्राचीन वस्तुएं बरामद हुईं। इस छापेमारी के बाद हड़कंप मचा हुआ है। इसे लेकर कई तरह की आशंका जताई जा रही है। रेड राजधानी बेंगलुरु समेत कई जगहों पर की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की रैली में शामिल होने वाले छह आयोजकों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। इन सभी पर निर्धारित समयसीमा के बाद भी कार्यक्रम जारी रखने का आरोप है। रैली के लिए रात 10 बजे तक ही अनुमति मिली थी लेकिन यह 12 बजे के बाद तक चली। इसमें लाउडस्पीकर के इस्तेमाल को लेकर भी शिकायत की गई है और बताया गया है कि इससे पुलिस को परेशानी हुई। मनोज जरांगे इस समय मराठा आरक्षण की मांग को लेकर काफी चर्चा में हैं। वे इसे लेकर राज्य के अलग-अलग स्थानों का दौरा कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस छापेमारी में करोड़ों रुपए के कीमती सामान और प्रॉपर्टी के दस्तावेज बरामद हुए हैं। राज्य की राजधानी बेंगलुरु में तीन जगहों पर छापेमारी शुरू की गई। बल्लारी, कोप्पल, चिक्काबल्लापुरा, मैसूरु, कोलार जिला और धारवाड़ शहर में भी छापेमारी की गई।

इलाहाबाद हाईकोर्ट से अखिलेश यादव को बड़ी राहत

चार्जशीट पर रोक; दादरी थाने में दर्ज हुआ था मुकदमा

प्रयागराज, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को इलाहाबाद हाईकोर्ट से मंगलवार को बड़ी राहत मिली। फरवरी 2022 में अखिलेश यादव समेत अन्य के खिलाफ नोएडा के दादरी थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था। कोर्ट ने चार्जशीट और अपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी है। अखिलेश यादव समेत अन्य के खिलाफ बगैर अनुमति भारी भीड़ के साथ जुलूस निकालने का आरोप लगा था। आचार संहिता उल्लंघन और कोविड 19 के नियमों के उल्लघंन के आरोप में मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने जांच के बाद चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने पुलिस चार्जशीट मामले पर संज्ञान लिया था। जिसके बाद अखिलेश यादव ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर चार्जशीट को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने अखिलेश यादव की याचिका पर

सुनवाई करते हुए चार्जशीट और अपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी।

आचार संहिता उल्लंघन मामला

आचार संहिता के उल्लंघन मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और जयंत चौधरी समेत 400 कार्यकर्ताओं के खिलाफ दादरी में मुकदमा दर्ज हुआ था। अखिलेश-जयंत पर आरोप था उन्होंने अपने कार्यक्रम के दौरान चुनाव आचार संहिता का उल्लघंन किया था। नाइट कर्फ्यू में विजय यात्रा निकालकर आचार संहिता और कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने पर दादरी कोतवाली पुलिस ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी समेत 400 अन्य लोगों पर पुलिस ने केस दर्ज किया था। नामजद किए गए लोगों में सपा-रालोद गठबंधन के दादरी विधानसभा प्रत्याशी राजकुमार भाटी और सपा जिलाध्यक्ष इंदर प्रधान समेत दस से अधिक नेता भी शामिल थे। वहीं विजय यात्रा के वीडियो की जांचकर शामिल लोगों की पहचान की गई थी। मामले में आईपीसी की धारा-188, 269, 270 और 3/4 महामारी एक्ट के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की गई थी।

बता दें कि विजय यात्रा पर निकले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और जयंत चौधरी पहले लुहारली टोल प्लाजा और फिर दादरी पहुंचे थे। तय कार्यक्रम के अनुसार, विजय यात्रा को पहुंचने में काफी देर हो गई थी। पुलिस ने बताया था कि रात आठ बजे से सुबह आठ बजे तक चुनाव प्रचार पर रोक थी। वहीं, नाइट कर्फ्यू भी लागू हो चुका था। इसके बावजूद बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय निवासी विजय यात्रा और वरिष्ठ नेताओं का इंतजार कर रहे थे। विजय यात्रा के पहुंचते ही सैकड़ों लोग उमड़ पड़े। मिहिर भोज कॉलेज, सपा के स्थानीय कार्यालय के पास काफी देर विजय यात्रा रुकी रही थी। इस दौरान कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन हुआ था। यात्रा में शामिल लोग सामाजिक दूरी का पालन नहीं कर रहे थे।

केरल में महिलाओं के अपमान और पतियों द्वारा क्रूरता के मामले बढ़ रहे हैं: एनसीआरबी

तिरुवनंतपुरम, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल में महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में वर्ष 2020 से 2022 के बीच वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक अपराध के अधिकतर मामले महिलाओं की गरिमा को आहत करने तथा उनके पतियों या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के थे। आंकड़ों के मुताबिक, केरल में महिलाओं के खिलाफ 2020 में अपराध के 10,139 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2022 में बढ़कर 15,213 हो गए। इसमें कहा गया है कि 15,213 मामलों में से 4,998 मामले भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए के तहत पति या उसके रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के थे

राजस्थान-हरियाणा में लॉरेंस बिश्नोई के करीबियों पर ईडी की दबिश

एक दर्जन से ज्यादा लोकेशन पर चल रही छापेमारी

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। ईडी ने हरियाणा और राजस्थान में बिश्नोई से जुड़े करीबियों के एक दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है। पिछले कुछ महीनों में ईडी पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में बैठे गैंगस्टर्स के खिलाफ एक्टिव हो चुकी है। इन गैंगस्टर्स पर मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामलों में कार्रवाई की गई है। इनमें से कुछ गैंगस्टर्स के संबंध खालिस्तानी आतंकियों से भी मिले हैं। फिलहाल ईडी लारेंस बिश्नोई के सहयोगियों सुरेंद्र चीकू और अन्य के ठिकानो पर छापेमारी कर रही है। ये छापेमारी राजस्थान और हरियाणा में 13 ठिकानों पर चल रही है। सुरेंद्र चीकू और उसके

सहयोगियों पर हरियाणा पुलिस ने अपहरण, हत्या, रंगदारी, आर्म्स एक्ट के केस दर्ज किए है। प्रवर्तन निदेशालय के अलावा एनआईए भी उसके खिलाफ जांच कर रही है। सुरेंद्र चीकू के संबंध लॉरेंस बिश्नोई के साथ-साथ खालिस्तानी आतंकी समूहों से भी है।

ईडी ने दर्ज किया पीएमएलए के तहत केस

सुरेंद्र चीकू का काम अपराध के जरिए होने वाली कमाई के पैसे को संभालना है। वह इस पैसे को खनन, शराब के बिजनेस और टोल में इंवेस्ट करने का काम भी करता है। बिश्नोई गैंग पर खालिस्तानी संगठनों से सांठगांठ और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप भी है। तभी एनआईए भी उनके खिलाफ जांच में जुटी हुई है। अब ईडी ने सुरेंद्र चीकू और लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर पीएमएलए के तहत केस दर्ज किया है। इस मामले में ही कार्रवाई की जा रही है। भले ही लॉरेंस बिश्नोई जेल में बंद है, मगर वह भीतर से बैठकर ही अपने गुर्गों के जरिए अपराध का व्यापार चलाने की कोशिश करता रहता है। यही वजह है कि ईडी और एनआईए दोनों ही उसके खिलाफ दबिश की कोशिश में जुटी हुई हैं।

बच्चों से भरी स्कूल बस की पेड़ से जोरदार टक्कर, मची-चीख पुकार

पुणे, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र: पुणे के वाघोली परिसर में एक स्कूल की बस पेड़ से टकराकर भीषण दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में बस में सवार कुछ छात्र घायल हो गए। घायल छात्र राइजिंग स्टार स्कूल के हैं। फिलहाल घायल छात्रों का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रह है। इस हादसे से छात्रों की सुरक्षा पर सवाल खड़ा हो गया है। मामले को लेकर लोनीकंद थाने में मामला दर्ज कराया गया है। अभिभावकों का आरोप है कि आरटीओ का अवैध रूप से बस चलाने वालों पर नियंत्रण नहीं है। लोनिकंद पुलिस मामला दर्ज कर आगे की जांच कर रही है। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि तेज रफ्तार बस एक पेड़ से टकरा जाती है, जिससे छात्र घबराकर चिल्लाने लगते हैं। इस दौरान वहां मौजूद लोग बस में बैठे बच्चे की मदद के लिए दौड़ पड़ते हैं।

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता रैली के आयोजकों के खिलाफ केस दर्ज

अब आगे क्या करेंगे मनोज जरांगे?

मुंबई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे की एक रैली के छह आयोजकों के खिलाफ, अनुमेय समय सीमा से अधिक समय तक कार्यक्रम आयोजित करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। आयोजकों ने दो दिसंबर को यहां कन्नड़ शहर में जरांगे की रैली के लिए पुलिस से अनुमति मांगी थी। रैली शाम छह बजे से रात दस बजे तक निर्धारित थी। अधिकारी ने बताया कि रविवार को दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, रैली रात 11 बजे शुरू हुई और यह आधी रात 12 बजकर 40 मिनट तक चली। प्राथमिकी के अनुसार, यह आयोजकों की ओर से, रैली के लिए तय की गई समय सीमा का उल्लंघन है।

लाउडस्पीकर के इस्तेमाल से लोगों को हुई परेशानी

इसमें कहा गया है कि रैली में लाउडस्पीकरों का भी इस्तेमाल किया गया, जिससे आसपास के स्थानीय लोगों को परेशानी हुई। एक अधिकारी ने कहा कि आयोजकों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 188 (एक लोक सेवक द्वारा दिए गए कानूनी आदेश की अवज्ञा करना), 268 (सार्वजनिक असुविधा) और 291 (बंद करने के आदेश के बाद भी हंगामा जारी रखना) और महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जरांगे लोगों के बीच इस तरह बढ़ा रहे जागरूकता

जरांगे मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की अपनी मांग को लेकर जागरूकता बढ़ाने के वास्ते महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों का दौरा कर रहे हैं। कन्नड़ के दौरे के बाद, जरांगे ने सोमवार को जलगांव और बुलढाणा जिलों का दौरा किया। उनके दौरों के एक आयोजक ने विज्ञप्ति में कहा कि जरांगे अकोला और वाशिम जिलों में मराठा समुदाय के सदस्यों से मुलाकात के बाद मंगलवार रात मराठवाड़ा क्षेत्र के हिंगोली जिले में रुकेंगे

सिलीगुड़ी में मां-बेटी की मौत मामले में आया नया मोड़, लगे नए आरोप

सिलीगुड़ी, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। शहर के शांति नगर में मां-बेटी की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। दिवंगत लता सरकार के बड़े भाई बादल दास ने आशीघर पुलिस थाने में दमाद साधन सरकार के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराया है। इस घटना में पहले मृतक के पति साधन सरकार ने तृणमूल कांग्रेस नेता प्रसेनजीत राय के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया था। बादल दास नदिया जिले के कल्याणी में रहते है। उन्होंने दावा किया है कि भले ही मेरी बहन और भांजी की मौत हो गई है, लेकिन परिवार ने हमें दोनों की मौत की सूचना नहीं दी। मेरी बहन को प्रताड़ित किया गया था। इस मौत के लिए साधन जिम्मेदार है। हालांकि साधन ने कहा कि मुझे नहीं पता कि उन्होंने मेरे नाम पर शिकायत क्यों दर्ज कराया है। उल्लेखनीय है कि लता सरकार का लटकता हुआ शव रविवार को सिलीगुड़ी नगर निगम के 36 नंबर वार्ड स्थित शांति नगर से उनके घर से बरामद किया गया था।

सुविचार
अपनी उर्जा को चिंता करने में खत्म करने से बेहतर है, इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया जाए।

कीसरा में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को कीसारा में लापरवाही से चलाए जा रहे एक ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पीड़ित, कोटैया (40) और त्रिनाद (35), दोनों चिरयाला गांव के दिहाड़ी मजदूर थे, बाइक पर चिरयाला से कीसरा जंक्शन की ओर जा रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने बताया कि जब वे चिरयाला मुख्य मार्ग पर पहुंचे; हैदराबाद की ओर जा रहा ट्रक नियंत्रण से बाहर हो गया और बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया और ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भेज दिया गया।

राज्य में भाजपा की हार पर किशन सौंपेंगे आलाकमान को रिपोर्ट

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। यह सर्वविदित है कि भाजपा ने तेलंगाना में आठ विधानसभा सीटें जीती हैं। उसे 147 वोट भी मिले। पिछले तीन साल से बीजेपी ने बीआरएस पार्टी के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। नतीजों और पार्टी की मेहनत के बीच एकरूपता की कमी को लेकर पार्टी में अंदरूनी बहस चल रही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किशन रेड्डी ने हाल के विधानसभा चुनावों में पार्टी की विफलताओं का गहन विश्लेषण किया और एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की। रेड्डी अपनी रिपोर्ट पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को सौंपेंगे। किशन रेड्डी द्वारा दी गई रिपोर्ट में क्या है, इस पर पार्टी नेताओं के बीच व्यापक बहस चल रही है।

सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में बताया गया है कि तेलंगाना विधानसभा चुनाव में पार्टी की रणनीतियां जमीन पर किस हद तक काम आईं। एससी आरक्षण के वर्गीकरण के मुद्दे पर और बीसी सीएम नारे से कितनी मदद मिली है, इस मुद्दे पर पार्टी में बहस चल रही है। जबकि बीजेपी ने 36 बीसी नेताओं को टिकट दिया था, लेकिन उनमें से केवल तीन ही चुनाव जीत पाए हैं, जिन 12 महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया गया उनमें से एक भी महिला उम्मीदवार सफल नहीं हो पाईं।

एससी/एसटी आरक्षित सीटों पर 'मिशन 31' के रूप में समितियों का गठन किया गया है. हालाँकि, पार्टी ने निज़ामाबाद और आदिलाबाद जिलों में एक भी आरक्षित सीट नहीं जीती है। उत्तरी तेलंगाना ने बीजेपी को छह विधानसभा सीटें दी थीं. ग्रेटर हैदराबाद में, भाजपा के पास 48 नगरसेवक और एक एमएलसी होने के बावजूद, पार्टी उनकी सेवाओं का उपयोग करने में विफल रही है। वह जीएचएमसी क्षेत्र में केवल गोशामहल विधानसभा सीट जीतने में सफल रही।

पार्टी नेताओं के मुताबिक, ग्रेटर हैदराबाद में बीजेपी की जीती हुई सीटों पर असर पड़ा क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने बड़े पैमाने पर वोटों का बंटवारा किया। भाजपा को अपेक्षित परिणाम नहीं मिले क्योंकि वह कांग्रेस पार्टी की ताकत का आकलन करने में विफल रही।

बीजेपी आलाकमान को करीमनगर, हुजूराबाद, कोरुटला और बोधन विधानसभा सीटों से काफी उम्मीदें थीं क्योंकि पार्टी के मौजूदा सांसद और विधायक यहां से चुनाव लड़ रहे थे। पार्टी के नेता इस बात को पचा नहीं पा रहे हैं कि उन सीटों पर पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बंदी संजय कुमार समेत पार्टी के प्रदेश नेता और सांसद हार गये। पार्टी सांसदों का अति आत्मविश्वास, जीएचएमसी में नगरसेवकों का असहयोग और पार्टी नेताओं के बीच सत्ता संघर्ष जैसे मुद्दों को राज्य में पार्टी की अपमानजनक हार का प्रमुख कारण माना जाता है।

टीएसआरटीसी ने अत्याधुनिक ईआरपी परियोजना लागू की

वीसी और एमडी वी.सी. सज्जनार ने प्रोजेक्ट की शुरुआत की

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसआरटीसी यात्रियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए नवीनतम तकनीक का उपयोग कर रहा है। इस हद तक, एंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) परियोजना के कार्यान्वयन के साथ, प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण की दिशा में एक कदम आगे बढ़ी है। 9000 से अधिक बसें, 50000 कर्मचारी, लगभग 10000 गाँवों को जोड़कर और प्रतिदिन 35 लाख किलोमीटर चलकर लगभग 45 लाख यात्रियों को परिवहन सेवाएँ प्रदान करते हैं। इतने व्यापक नेटवर्क वाली कंपनी ने सभी सेवाओं को एक छतरी के नीचे ला दिया है। डिजिटलीकरण की आवश्यकता को पहचानते हुए, इसने ईआरपी परियोजना के हिस्से के रूप में केंद्रीकृत एकीकृत समाधान (सीआईएस) को चुना है और अपनी सेवाएं उपलब्ध कराई हैं। इसके लिए कंपनी ने नाल्सॉफ्ट प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। टीएस आरटीसी के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनर, आईपीएस ने मंगलवार को हैदराबाद बस भवन में औपचारिक रूप से ईआरपी सेवाओं का शुभारंभ किया। हम कंपनी की सेवाओं को एक छतरी के नीचे लाने के इरादे से ईआरपी परियोजना लागू कर रहे हैं। हमने दस महीने के रिकॉर्ड समय में कंपनी की ईआरपी परियोजना को लागू किया। सीआईएस परियोजना प्रभावी राजस्व प्रबंधन और लागत नियंत्रण के लिए समय पर उपायों को बढ़ावा देती है। इसके अलावा, ईआरपी संचालन के केंद्रीकरण, मार्गों के मार्ग, ईंधन प्रबंधन, व्यक्तिगत स्टोर, कार्यशालाओं, राजस्व प्रबंधन, पे रोल जैसी गतिविधियों के प्रबंधन में राज्य के सभी डिपो, ज़ोन और मुख्य कार्यालय के साथ सभी विभिन्न विभागों को एकीकृत करता है। टीएस आरटीसी इन सेवाओं का उपयोग करने वाला देश का पहला आरटीसी है। कंपनी के वीसी एवं एमडी वी.सी. सज्जनार, आईपीएस ने कहा कि हमने भविष्य की आवश्यकताओं के अनुसार बिना किसी समस्या के नेटवर्क को अपग्रेड किया है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना नवीनतम तकनीक के साथ आंतरिक क्षमता में सुधार लाने के उद्देश्य से उपलब्ध करायी गयी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह प्रभावी प्रणाली संगठन के विकास में योगदान देगी। इस अवसर पर सीओओ डॉ. वी रविंदर, आईटी सलाहकार श्रीमती दीपा कोदुर, कार्यकारी निदेशक पीवी मुनि शेखर, एस. कृष्णकांत, श्री वी वेंकटेश्वरलू, ए. पुरूषोत्तम, वित्तीय सलाहकार सुश्री विजया पुष्पा, मुख्य अभियंता (आईटी) श्री एम. राजा शेखर, अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

PUBLIC NOTICE

FORM NO.2 -SUMMONS FOR SETTLEMENT OF ISSUES
IN THE COURT OF THE HON'BLE III JUNIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURT, AT :: HYDERABAD.
O.S.No. 4457 of 2023

Between:-
SRI. BHARATH SINGH and Another ....Plaintiffs
AND
1)THE TAHSILDHAR, (Mandal Revenue Officer Nampally Mandal, &
2) ALL CONCERNED .....Defendants

Whereas the Plaintiffs have instituted a suit to declare that the Plaintiffs are the first-Class Legal heirs of deceased Late Smt. Munni Bai, you are hereby summoned to in this court in person or by pleader duly instructed and able to answer all material questions relating to the suit or who shall be accompanied by some person able to answer all such question on the **26th Day of December 2023** at 10.30 clock.

Take notice that in default of your appearance on the day before mentioned the suit will be heard and determined in your absence.

By order of Court
THAKUR JASWANTH SINGH, ADVOCATE,
H.No.14-2-152, Chandanwad Hyderabad - T.S.Pin Code : 500012, M-7093107030

चिकन बिरयानी में निकली छिपकली

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक ग्राहक द्वारा शहर के आरटीसी क्रॉस रोड स्थित एक प्रसिद्ध रेस्तरां से खरीदी गई चिकन बिरयानी में छिपकली मिलने की सूचना के बाद ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने नमूना लिया। ज़ोमैटो के माध्यम से चिकन बिरयानी का ऑर्डर देने वाले डीडी कॉलोनी, अंबरपेट के विश्व आदित्य द्वारा दर्ज की गई शिकायत के बाद, जीएचएमसी अधिकारियों ने सोमवार को रेस्तरां परिसर का निरीक्षण किया। आगे के विश्लेषण के लिए नमूने एकत्र किए गए, जैसा कि जीएचएमसी के एक सहायक खाद्य नियंत्रक ने ट्विटर पर पुष्टि की। विश्व आदित्य के परिवार वालों का आरोप है कि जोमैटो डिलीवरी करने वाले व्यक्ति द्वारा दी गई चिकन बिरयानी में छिपकली थी। घटना के संबंध में आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रतिवेदन समर्पित कर दिया गया है।

जिलाधीश आशीष सांगवान ने धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण किया

निर्मल, 5 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को जिला प्रशासक द्वारा लक्ष्मण चंदा मंडल वडयाला, रचापुर, पोटलापल्ली, नर्सरी और आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर उन्होंने वड्याल, रचापुर, पोटलापल्ली में धान खरीदी केंद्रों का निरीक्षण कर कहा कि केंद्र पर धान का दाना प्राप्त करने वाले किसान का नाम दर्ज किया जाए तथा नमी की मात्रा रजिस्टर में दर्ज की जाए। बैंक एसी, पट्टा पासबुक ज़ेरॉक्स प्रतियों को बैग को लॉरी में लोड करने के बाद टीएबी में बिना देरी किए दर्ज किया जाना चाहिए। टीएबी में दर्शाए गए चावल मिलों को भेजे गए चावल मिलों को भेजे जाएं और बिना शीट लिए मिल पर उतार दिए जाएं। वर्षा के कारण धान के दानों पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए किसानों को तिरपाल कवर उपलब्ध कराए जाएं। चावल मिलर्स लॉरियों को पीपीसी केंद्रों से ओपीएमएस में उतारने के बाद पंजीकृत करना चाहिए। पीपीसी एचओडी, निगरानी अधिकारियों ने कई सुझाव दिए हैं कि प्रत्येक पीपीसी केंद्र को प्रत्येक पीपीसी केंद्र की सत्यता की जांच करनी चाहिए और प्रत्येक पीपीसी केंद्र को रजिस्टर में दिन और किसान की खरीद का विवरण दर्ज करना चाहिए।

बाद में उन्होंने मंडल प्राइमरी स्कूल के आंगनबाडी केंद्र का निरीक्षण कर रजिस्टर, उपस्थिति प्रतिशत और कोडिग्रूड की जांच की। उन्हें नर्सरी का भ्रमण कर लक्ष्य पूरा करने का निर्देश दिया गया। इस कार्यक्रम में डीएम श्रीकला, एमआरओ श्रीलता, एमपीओ नसीरुद्दीन, पंचायत सचिव व अन्य शामिल हुए।

शिक्षकों ने प्रिंसिपल को बदलने की मांग की

निर्मल, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को निर्मल जिले के मुधोल मंडल के समाज कल्याण गुरुकुल स्कूल के प्रिंसिपल को बदलने की मांग को लेकर शिक्षकों ने मुख्य द्वार के सामने धरना दिया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि उन पर मानसिक दबाव डाला जा रहा है और अभद्र भाषा से अपमानित किया जा रहा है, जिससे वे गहरे भावनात्मक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने मांग की कि या तो प्रिंसिपल बदल जाएं या फिर खुद बदल जाएं।

सी. प्रभाकर ने हथकरघा निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया

संगारेड्डी, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हथकरघा निगम के अध्यक्ष चिंता प्रभाकर ने उस पद से इस्तीफा दे दिया, जो वह सितंबर 2022 से संभाल रहे थे। प्रभाकर को हाल के चुनावों में संगारेड्डी के विधायक के रूप में चुना गया है। उन्होंने मंगलवार को मुख्य सचिव ए शांति कुमारी को अपना इस्तीफा भेज दिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

खुली ई-निविदा सूचना सं. सी/इ.221/इएलएस/एलजीडी/आरसी/370/23-24/22, दि.04/12/2023 PUB/1311

अधोहस्ताक्षरी व्दारा निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं. 1. निविदा सं. व तिथिः सी/इ.221/इएलएस/एलजीडी/आरसी/370/23-24/22, दि.04/12/2023,

कार्य विवरणः 3 फेज लोकोमोटिव्ज के एमएसयु की मरम्मत/पुनर्वास या रेहाबिलिटेशन कार्य। मात्रा -60 नग अनुमानित मूल्य रू. 2,73,93,228.00, बोली सुरक्षा राशि रू.2,8%,000/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य रू. शून्य, ठेका अवधिः 24 महिने, बंद करने व खुलने की तिथि व समयः 02-01-2024, 15.00 बजे, 02-01-2024, 15.15 बजे

आफर की वैधताः निविदा खुलने की तिथि से लेकर 63 दिन,

निविदा दस्तावेज की प्रस्तुतिः आयआरइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in के माध्यम से।

निविदा दस्तावेज से जुडे,निविदा शर्तें/अन्य विवरण हमारे वेबसाइट आयआऱइपीएस वेबसाइटः www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, इएलएस, लालागुडा, सिकंदराबाद

निविदा सूचना सं. जी/इ.29/टीआर./टेंडर नोटिस/19/2023-24, दि.04/12/2023 PUB/1312

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, निर्वहनकर्ता वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता/ट्रैक्शन/गुंटकल व्दारा निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित है।

निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-33-2023-24, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-वन्दे भारत रेल के मध्देनजर मंत्रालयम रोड (एमएएलएम) एवं नागरूर(एनआरआर) तल्ली सैदा साहू रेलवे स्टेशनों(टीएसएस) के लोकेशनों का स्थानान्तरण या शिफ्टिंग करना।

अनुमानित मूल्यः रू.91,25,485/-

पूधरा रू.1,82,500/-

निविदा सं. जीटीएल-टीआरडी-29-इटीएन-34-2023-24, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-रेणीगुन्टा -नन्दलूर सेक्शन के 33 केवी ओवरहेड पावर लाइन क्रासिन्स का अन्डरग्राउन्ड केबुल क्रासिन्स मे परिवर्तन या कन्वर्शन करना।

अनुमानित मूल्य रू.1,01,61,400/-

पूधरा रू.2,00,800/-,

बंद करने की तिथि व समयः 1-1-2024 के 15.00 बजे

टिप्पणीः 1. निविदाकर्ताओं व्दारा निविदा दस्तावेज को www.ireps.gov.in से मुफ्त में डाउनलोड किया जा सकता है।

टेंडर बिड्डिंग व अन्य विवरण हेतु http://www.ireps.gov.in से लागिन करें। तत्संबंधित सुध्दिपत्रों को केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ मंडल बिजली अभियंता, ट्रैक्शन, गुन्टकल
A1803

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

कैंसर की नकली दवा बनाने वाली कंपनी का भंडाफोड़

4.35 करोड़ रुपये की दवाएं जब्त, निदेशक सतीश रेड्डी फरार

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के माचा बोल्लाराम में ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों ने कैंसर की नकली दवा बनाने वाली एक कंपनी का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान 4.35 करोड़ रुपये की दवाएं जब्त की गईं है। एक गुप्त सूचना पर, औषधि नियंत्रण प्रशासन के सतर्कता कक्ष के अधिकारियों ने 'एस्ट्रिका हेल्थकेयर' कंपनी पर अचानक छापा मारा, जहां नकली/नकली दवाओं का निर्माण किया जा रहा था। पी. रामू, सहायक निदेशक और औषधि निरीक्षक जी. श्रीकांत, के. अन्वेष, एम. चन्द्रशेखर, वी. अजय और एस. विनय सुशमी के नेतृत्व में औषधि नियंत्रण प्रशासन की एक विशेष टीम ने शहर के विभिन्न स्थानों पर बीते 2 दिसंबर को छापेमारी की। डीसीए अधिकारियों ने डीसीए द्वारा एकत्र किए गए चालान पर उल्लिखित स्थान का पता लगाने के लिए अलवाल में डाक अधिकारियों की सहायता ली और जांच करने पर यह एक फर्जी पता पाया गया। इसके बाद विशेष टीम ने दवा की खेप भेजने के लिए फर्म 'एस्ट्रिका हेल्थकेयर' द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले कूरियर कार्यालयों पर छापेमारी की। डीसीए के अधिकारी दो टीमों में विभाजित हो गए और एक टीम ने आईडीए चेरलापल्ली, नाचराम और मेडचल में कूरियर कार्यालयों पर छापा मारा और दूसरी टीम ने कीसरा में 'एस्ट्रिका हेल्थकेयर' के परिसर पर छापा मारा। डीसीए अधिकारियों ने उस कूरियर लड़के की पहचान की, जो एस्ट्रिका हेल्थकेयर के दवा स्टॉक को वितरित कर रहा था और नकली/नकली दवा निर्माण इकाई के स्थान का पता लगाया, जिसने माचा बोलाराम में एक बिना लाइसेंस वाले परिसर में तीन शटर में दवा का स्टॉक किया था और उस पर नजर रखी थी। 4 दिसंबर को संदिग्ध गतिविधि का पता चलने पर, डीसीए अधिकारियों ने बिना लाइसेंस वाले परिसर पर छापा मारा और 36 प्रकार की कैंसर रोधी दवाएं जब्त कीं। 'एस्ट्रा जेनेरिक्स प्रा. लिमिटेड के लाइसेंस जुलाई 2021 में रद्द कर दिए गए, लेकिन जब्त दवाओं पर उक्त रद्द कंपनी के नाम पर निर्माण तिथि मार्च 2023 अंकित है। वी.बी. कमलासन रेड्डी, महानिदेशक, ने कहा कि नकली दवाएं सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा हैं। नकली दवाएँ न केवल बीमारी को ठीक करने में विफल रहती हैं, बल्कि समय के साथ रोगी के लिए विनाशकारी परिणाम भी पैदा करती हैं। नकली जीवन रक्षक कैंसर रोधी दवाओं के संबंध में गुप्त गतिविधि का पता लगाना एक बड़ी सफलता है और ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा 4 दिसंबर को की गई जब्ती राज्य में सबसे बड़ी जब्ती है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी एस्ट्रिका हेल्थकेयर का निदेशक के. सतीश रेड्डी फरार हैं और कानूनी कार्रवाई करने के लिए उनका पता लगाने के प्रयास किए जा रहे है।

रेवंत रेड्डी का अधिकारियों से चक्रवात मिचौंग पर सतर्क रहने का आग्रह

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नवनियुक्त सीएलपी नेता और टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने आज अधिकारियों से राज्य के विभिन्न जिलों पर चक्रवात मिचौंग के प्रभाव पर सतर्क रहने का आग्रह किया।

आज एक बयान में, रेवंत रेड्डी ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के लिए ध्यान रखा जाना चाहिए कि लोगों का जीवन बाधित न हो, खासकर निचले और एजेंसी क्षेत्रों में। यह कहते हुए कि कई क्षेत्रों में बारिश के कारण धान के दाने नष्ट हो जाएंगे, उन्होंने किसानों से किसानों के साथ खड़े होने और उनकी फसल की सुरक्षा के लिए उन्हें कई सुझाव देने का आग्रह किया।

यह कहते हुए कि मौसम विभाग ने चक्रवात के प्रभाव के कारण उत्तरपूर्वी जिलों मुलुगु, भद्राद्रि और खमन जिलों में भारी से बहुत भारी वर्षा की भविष्यवाणी की है, उन्होंने कहा कि इन तीन जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि करीमनगर, पेद्दापल्ली, जनगांव, नलगोंडा, यदाद्री, जयशंकर भूपालपल्ले, सिद्दिपेट, नागरकुर्नूल, वनपर्ती, नारायणपेट, हैदराबाद और मेडचल जिलों के अलावा महबूबाबाद और वारंगल जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को आईएमडी के अलर्ट के अनुसार सावधानी बरतनी चाहिए।

एनटीपीसी ने सरकारी स्कूलों में छात्रों को सामाग्री वितरित की

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। छात्रों के बीच स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए, एनटीपीसी दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय, सिकंदराबाद ने आज हैदराबाद के स्कूल कवाडीगुडा स्थित अपने कार्यालय में सरकारी स्कूल के छात्रों के बीच उच्च दबाव वाले टॉयलेट वॉशर वितरित किए। देबाशीष चट्टोपाध्याय, आरईडी (दक्षिण) मुख्य अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट होने के अलावा, एनटीपीसी सामुदायिक विकास के लिए विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता के क्षेत्र में विभिन्न पहल भी करता है। पहले चरण में कुल 80 स्कूलों में टॉयलेट वॉशर वितरित किये गये। ये हाई प्रेशर टॉयलेट वॉशर स्कूलों में स्वच्छता और उचित स्वच्छता बनाए रखने में मदद करेंगे। एसएन पाणिग्रही, जीएम (एचआर) ने राष्ट्र निर्माण में एनटीपीसी की भूमिका पर प्रकाश डाला और स्कूली बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य देखभाल और सीखने के माहौल में सक्षम बनाने के लिए उचित स्वच्छता और स्वच्छता की आवश्यकता पर जोर दिया। स्कूल प्रबंधन और अधिकारियों ने शिक्षा के क्षेत्र में एनटीपीसी के प्रयासों और समर्थन की सराहना की। बैठक में एनटीपीसी एसआरएचक्यू के सभी वरिष्ठजनों ने भाग लिया।

मंचेरियल में 18 बाइक व ऑटो-रिक्शा जब्त किए गए

मंचेरियल, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने प्रतिबंधित माओवादी पार्टी की एक शाखा, पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी द्वारा मनाए जा रहे साप्ताहिक के संबंध में मंगलवार को नेलवाई पुलिस स्टेशन सीमा के अंतर्गत कल्लमपल्ली गांव में आयोजित एक सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम के दौरान अठारह मोटरसाइकिल और एक ऑटो-रिक्शा जब्त कर लिया। चेन्नूर ग्रामीण इंस्पेक्टर विद्यासागर ने कहा कि दोपहिया और तिपहिया वाहनों को तब जब्त कर लिया गया जब उनके मालिक कार्यक्रम के समय पंजीकरण के दस्तावेज दिखाने में विफल रहे। उन्होंने स्थानीय लोगों से अनुरोध किया कि अगर वे अजनबियों को देखें तो पुलिस को सूचित करें और अपराधों की रिपोर्ट करने के लिए डायल 100 सेवा से संपर्क करें। उन्होंने उनसे असामाजिक तत्वों का सहयोग न करने को कहा। नेलवाई उप-निरीक्षक सुब्बाराव, आरएसआई वेंकट और एक विशेष दल और टीएसएसपी के कर्मचारियों ने अभियान में भाग लिया।

गुत्ता सुखेंदर रेड्डी ने केसीआर से मुलाकात की

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी ने अपने बेटे अमित रेड्डी के साथ मंगलवार को सिद्दीपेट जिले के गजवेल विधानसभा क्षेत्र में एर्रावेली कृषि फार्महाउस में पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से शिष्टाचार मुलाकात की।

इससे पहले, आलमपुर विधायक विजयुडु ने भी बीआरएस प्रमुख चंद्रशेखर राव से मुलाकात की और पार्टी अध्यक्ष का आशीर्वाद लिया।

इस अवसर पर केसीआर ने विजयुडु को विधायक चुने जाने पर बधाई दी और शुभकामनाएं दीं। केसीआर से मिलने से पहले, आलमपुर विधायक ने हैदराबाद में बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव से मुलाकात की और बीआरएस पार्टी की ओर से चुनाव लड़ने का मौका देने के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। एमएलसी चल्ला वेंकटरामी रेड्डी और अन्य बीआरएस नेताओं ने भी शहर में केटी रामा राव से मुलाकात की।

MICRO & SMALL ENTERPRISES FACILITATION COUNCIL
C.G. (Estd. Under MSMED Act 2006)
Directorate of Industries, Chattisgarh Udyog Bhawan, Ring Road No. 1, Telebhanda, Raipur(C.G)
RAN-24/MSEFC/2017/ Raipur, Dated: 30-11-2023
Speed Post

NOTICE

Supplier / Applicant:
M/s. Harsiddhi Engineering
59/A, Sector-C, Industrial Area, Sirgitti, Bilasur, (C.G) 495001
-V/s-
Buyer /Non-Applicant:
Arkaype Projects Executors
2, 7-1-32/4, Leela Nagar, Ameerpet Hyderabad, Telangana -500016

The applicant has supplied / provided material / services to Non-applicant whereas Non-applicant has not paid the balance amount of Rs. 6,02,478/-, The applicant has submitted application / reference under section 18(1) of the MSMEE Act, 2006 before Micro and Small Enterprises Facilation Council, Chhatisgarh, The case is fixed for 15-12-2023 at 11.30 am, CSIDC, 1st Floor, Udyog Bhawan Ring Road No.1, Telibandha Raipur (C.G) for hearing. The Non-applicant is hereby intimated to appear on said date for hearing along with necessary documents/reply. If Non-applicant fails to appear before council on said date for hearing, the council may pass ex-parte award / order for which the Non-applicant would be responsible himself.

Dy. Director of Industries
MSEFC

हरि ॐ चतुर्थ पुण्यतिथि हरि ॐ

स्व. श्री अशोकजी चोयल
सुपुत्र: श्री गमनारामजी चौधरी; स्वर्गवास: 06-12-2019
मरुधर मे पनोता (मारवाड़)

हृदय की गहराइयो से आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते है हम।
आपकी सरलता, सद्व्यवहार को कभी न भुला पाँएगे हम।।

: श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता : झमकुदेवी-गमनारामजी (माता-पिता), मांगीलाल (बडे पिताजी), छोगाराम, पेमाराम (काकाजी), दिनेश, शेषाराम, विकास, भावेश, दुर्गेश (भाई), द्वियांशी, निशांत एवं समस्त चोयल परिवार

:फर्म: जय भवानी हार्डवेयर, शापुरनगर, जीडिमेटला
9866855619, 9603757700

P.Solankey

इंडिया गठबंधन की बैठक में नहीं जाएंगे नीतीश

ममता ने भी किया किनारा, कांग्रेस की हार से टूट रही विपक्षी एकता!

पटना, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली सफलता पर कांग्रेस ने विपक्षी दलों का ध्यान अपनी ओर खींचा था। विपक्षी एकता की बुनियाद भी उसी वक्त पड़ी थी। हालांकि इसकी सुगबुगाहट तो 2022 में बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने के बाद ही शुरू हो गई थी। बदले हालात में कांग्रेस को हालिया संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में मिली शिकस्त से विपक्षी एकता का सारा खेल गड़बड़ होता दिख रहा है। विपक्षी दलों का कांग्रेस के प्रति बढ़ा आकर्षण एक ही झटके में खत्म होता दिख रहा है।

ममता-अभिषेक को बैठक की जानकारी नहीं

कांग्रेस ने बाबरी विध्वंस की बरसी के दिन 6 दिसंबर को दिल्ली में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के सभी 28 घटक दलों की बैठक बुलाई है। कांग्रेस नेताओं की मानें तो बैठक का न्यौता सभी दलों को भेजा जा चुका है। हालांकि विपक्षी गठबंधन की प्रमुख घटक पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कहा है कि उसे अभी तक बैठक की कोई जानकारी नहीं मिली है। टीएमसी के शासन वाले बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी का कहना है कि उन्हें अभी तक बैठक के लिए बुलावे की कोई सूचना नहीं है। ममता ने पहले से ही उत्तर बंगाल दौरे का कार्यक्रम बना रखा है। अभी तक की सूचनाओं के मुताबिक टीएमसी विपक्षी दलों की बैठक से दूर रह सकती है या बहुत हुआ तो अपने किसी नुमाइंदे को बैठक में शिरकत करने की इजाजत दे सकती है। वैसे भी ममता बनर्जी ने जिस तरह कर्नाटक में कांग्रेस की जीत पर बिना इसका श्रेय उसके नेताओं को दिए बगैर कहा था कि यह जनता की जीत है। ठीक उसी तर्ज पर चार राज्यों में कांग्रेस की हार पर ममता ने कहा है कि जनता जीती और कांग्रेस हारी है। टीएमसी नेताओं के बोल भी सीधे नहीं निकल रहे।

टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा है कि ममता माडल से ही विपक्ष को कामयाबी मिल सकती है।

ममता को विपक्षी नेतृत्व देने की हो रही मांग

जब से विपक्षी एकता की कवायद शुरू हुई है, टीएमसी समर्थक ममता बनर्जी को नेतृत्व सौंपने की मांग करते रहे हैं। हालांकि बिहार के सीएम नीतीश कुमार के आग्रह पर ममता विपक्षी गठबंधन की बैठक में शामिल होती रही हैं। बंगाल विधानसभा चुनाव में हैट्रिक लगाने के बाद ममता ने भाजपा के खिलाफ विपक्ष को गोलबंद करने की कोशिश भी की थी, लेकिन वे कांग्रेस रहित विपक्षी एकता की बात कर रही थीं। इसके लिए उन्होंने दिल्ली, मुंबई समेत कई जगहों पर जाकर विपक्षी नेताओं से मुलाकात भी की थी। पर, इसके लिए कोई तैयार नहीं हुआ। हार-थक कर ममता खामोश हो गई थीं। नीतीश कुमार के आग्रह पर वे कांग्रेस के साथ बैठक के लिए तैयार तो हुईं, पर कांग्रेस का वर्चस्व खत्म करने के लिए उन्होंने बैठक पटना में आयोजित करने का प्रस्ताव रखा। पटना में इसी साल जून में हुई बैठक में वे शामिल भी हुई थीं। लेकिन उनके मन में कांग्रेस के प्रति नफरत कहीं से कम नहीं हुई। अब तो उन्हें खुल कर कांग्रेस की आलोचना का मौका मिल गया है।

नीतीश कुमार बीमार, गैरहाजिर रह सकते हैं

विपक्षी एकता के सूत्रधार नीतीश कुमार हफ्ते भर से बीमार हैं। उन्हें क्या बीमारी है, इस बारे में अभी तक कोई पुख्ता सूचना बाहर नहीं आई है, लेकिन जिस तरह सरकारी कामों से उन्होंने फिलवक्त किनारा कर लिया है, उससे लगता है कि वे शायद ही बैठक में शामिल हो पाएं। डाक्टरों ने भी उन्हें इलाज और आराम की सलाह दी है। नीतीश कल (सोमवार) को होने वाले जनता दरबार में भी शामिल नहीं हुए थे। उससे अनुमान लगाया जाता है कि वे शायद ही विपक्षी बैठक में शिरकत करें। वैसे भी कांग्रेस के रुख से नीतीश आहत हैं। उनके मन की भंड़ास उस दिन बाहर आ गई थी, जब कहा था कि कांग्रेस को विपक्षी एकता की चिंता नहीं है। उसे तो विधानसभा चुनावों की पड़ी है। उन्होंने यह बात तब कही थी, जब पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया था कि विपक्षी एकता की कोई भी बैठक या काम विधानसभाओं के चुनाव परिणाम आने के बाद ही होंगे।

क्या 2019 की तरह ही होगा विपक्ष का हश्र

बीजेपी को सत्ता से बेदखल करने के लिए विपक्षी एकजुटता का जिस तरह का प्रयास अभी तक दिखता रहा है, ठीक उसी तरह की कोशिश 2019 में भी हुई थी। तब नीतीश की तरह ही सीएम रहे चंद्रबाबू नायडू ने विपक्षी एकता की अगुआई की थी। चुनाव आते-आते विपक्षी एकता बिखर गई थी। चंद्रबाबू तब से हाशिये पर पड़े हैं। अब तो वे एनडी के साथ आने की जुगत मनें लगे हैं। इस बार भी वैसी ही स्थिति बनती दिख रही है। विपक्षी एकता की शुरुआत करने वाले नीतीश कुमार को कांग्रेस ने हाशिये पर डाल दिया है।

बुर्का पहन कर आने वाली छात्राओं की एंट्री पर लगाई रोक

शेखपुरा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के शेखपुरा जिले के शेखोपुरसराय नगर पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय चारूआवां में बुर्का पहनने वाली छात्राओं पर प्रतिबंध लगाया गया। कुछ छात्राओं को एचएम सत्येंद्र चौधरी ने बुर्का न पहन कर आने की हिदायत दी। इस बात पर छात्राओं ने अपने परिजनों से शिकायत की। शिकायत के बाद अभिभावक उग्र हो गए और अन्य ग्रामीणों के साथ विद्यालय आकर प्रधानाध्यापक को खरी खोटी सुनाई।

साथ ही कहा कि बुर्का पहहनन उनकी धार्मिक आस्थाओं से जुड़ा है और स्कूल आने से ऐसी छात्राएं को कोई नहीं रोक सकता। इस पर स्कूल के एचएम का कहना है कि छात्राएं प्रगति के दौर में हैं और हर सेक्टर में उपलब्धि हासिल कर रही हैं। ऐसे में उन्हें धार्मिक कट्टरता में रखने से उनका संपूर्ण विकास नहीं हो सकता। स्कूल आने वाले सभी बच्चे उसके छात्र-छात्राएं हैं। उनमें किसी तरह का धार्मिक भेदभाव नहीं किया जाता है लेकिन बुर्का पहन कर स्कूल आने की अनुमति नहीं है।

अगले चार दिन में बदलेगा प्रयागराज का मौसम

बढ़ेगी ठिठुरन; तूफान 'मिचौंग' से बढ़ेगी मुसीबत ?

प्रयागराज, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पहाड़ों पर बर्फबारी का असर अगले तीन से चार दिनों में प्रयागराज पर दिखाई पड़ेगा। साथ ही बंगाल की खाड़ी में उठे तूफान मिचौंग का असर भी कुछ दिनों में दिखेगा। इसकी वजह से प्रयागराज में तापमान कम होने और बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार सोमवार को चली तेज हवाओं पर बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान मिचौंग का प्रभाव हो सकता है। ऐसे में मंगलवार से गुरुवार के बीच बारिश की संभावना है। मौसम विज्ञानियों के अनुसार सुबह से ही बादलों की घेराबंदी शुरू हो जाएगी और शाम तक हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। साथ ही इसकी वजह से तापमान में भी गिरावट का दौर शुरू हो जाएगा।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन का भी पड़ेगा असर

मौसम विभाग की मानें तो ठंड बढ़ने के साथ-साथ अब कोहरा भी पड़ सकता है। साथ ही दस दिसंबर के आसपास अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कमी आनी शुरू होगी। इवि भूगोल विभाग के प्रो। एआर सिद्दीकी के अनुसार नए साइक्लोनिक सर्कुलेशन के अनुसार बारिश और बूंदाबांदी सात दिसंबर तक हो सकती है। तूफान का बाहरी घेरा विस्तृत होता है। हालांकि इसका प्रचंड असर दक्षिण भारत में पड़ेगा।

तेज हवा और हल्की बारिश से तापमान में गिरावट

उत्तर भारत में तूफान का असर मात्र तेज हवाओं और हल्की मध्यम बारिश के रूप में दिखाएगा। सोमवार को दिन का तापमान एक डिग्री सेल्सियस बढ़कर 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक है, वहीं न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से छह डिग्री ज्यादा था। अधिकतम और न्यूनतम तापमान के बीच 10 डिग्री सेल्सियस का अंतर चल रहा है।

कोहरा ज्यादा हुआ तो ढाबे पर बस खड़ी कर देंगे चालक

रात में चलने वाली बसों के चालक कोहरा अधिक होने पर बीच रास्ते में भी बस को खड़ी कर सकेंगे। किसी ढाबे या सड़क किनारे किसी सुरक्षित स्थान पर उन्हें बस खड़ी करने की अनुमति दी गई है। इसके अलावा परिवहन निगम ने ठंड में रोडवेज बसों की गति सीमा निर्धारित कर दी है। गति अधिकतम 60 किलोमीटर प्रति घंटा तक हो सकेगी। ठंड व कोहरे में यात्रियों का सुरक्षित संचालन हो इसके लिए इस नियम को सख्ती से लागू करने को कहा गया है।

कंट्रोल रुम में सूचना देना अनिवार्य

क्षेत्रीय प्रबंधक एमके त्रिवेदी ने बताया कि सभी बस चालक, परिचालक, एआरएम को निर्देशित कर दिया गया है कि बिना ऑल वेदर बल्ब के गाड़ी बस अड्डे से बाहर न भेजें। यात्रा शुरू होने से पहले गाड़ी को अच्छे से चेक करने के बाद ही रवाना करें। अगर कोहरे के कारण बस कहीं खड़ी की जाती है तो अधिकारी व कंट्रोल रूम को इसकी सूचना अनिवार्य रूप से चालक परिचालक भेजें। सुरक्षित यात्रा ही प्राथमिकता होगी।

मंत्री जमा खां की एस्कॉर्ट गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त

चालक होमगार्ड जवान की मौत; चार पुलिस कर्मी घायल

रोहतास, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के रोहतास जिले के परसथुआ थाना क्षेत्र के रूपीबांध गांव के पास मोहनिया आरा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 30 पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खां के साथ चल रहे पुलिस स्कॉट वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने से चालाक होम गार्ड जवान की मौत हो गई तथा चार पुलिस कर्मी जख्मी हैं। जख्मी पुलिस कर्मियों को पीएचसी कोचस में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद सदर अस्पताल, सासाराम रेफर कर दिया गया। सभी का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक चालक 50 वर्षीय जमालुद्दीन खान नोखा थाना के मेयारी बजार निवासी ताजुद्दीन खान के पुत्र थे।

प्राथमिक इलाज के बाद सदर अस्पताल रेफर

घायलों में पुलिस के जवान रमेश कुमार, मनोज कुमार, अर्चना

कुमारी व रानी कुमारी को भी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोचस में इलाज के लिए ले जाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद चिकित्सकों ने सदर अस्पताल, सासाराम रेफर कर दिया। एसपी विनीत कुमार ने बताया कि मंत्री जमा खां कैमूर से पटना जा रहे थे। इसी क्रम में उन्हें रोहतास जिला की सीमा परसथुआ से मालियाबाग तक के लिए पुलिस एस्कॉर्ट कराई जा रही थी। एस्कॉर्ट वाहन दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण एक होमगार्ड जवान की मौत हो गई।

सभी खतरे से बाहर

जख्मी चार पुलिसकर्मियों का इलाज सदर अस्पताल सासाराम में कराया जा रहा है और सभी खतरे से बाहर हैं। घायल पुलिस कर्मियों से डीआइजी नवीन चंद्र झा और एसपी नवीन कुमार मिल उनकी स्थिति से अवगत हुए। मंत्री या मंत्री के वाहन को कोई क्षति नहीं पहुंची है। मंत्री पटना के लिए रवाना हो गए। एसपी ने कहा कि घटना की जांच सासाराम एसडीपीओ कर रहे हैं।

जय श्रीराम लिखा तो चेहरे पर डाला फ्लूड, मिशनरी स्कूल में एक घंटे तक रोता रहा, थिनर से टीचर ने धुलवाया

गाजियाबाद, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजधानी से सटे गाजियाबाद में एक मिशनरी स्कूल में टीचर की शर्मनाक करतूत सामने आई है। छात्र द्वारा अपने टेबल पर जय श्रीराम लिखने से गुस्साए इस टीचर ने ना केवल उसके मुंह पर फ्लूड डाल दिया, बल्कि करीब एक घंटे बाद ज्वलनशील पदार्थ थिनर उसके चेहरे पर डालकर फ्लूड को मिटाने की कोशिश की। मामले की जानकारी होने पर सोमवार को हिंदू संगठनों ने जमकर हंगामा किया।

कांग्रेस से गठबंधन पर अखिलेश यादव का एलान, चाचा शिवपाल ने भी मिलाए सुर

लखनऊ, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। विपक्ष के मध्य प्रदेश में भाजपा को चुनाव जीतने से रोकने में विफल रहने पर समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कई मुद्दों पर खुलकर जवाब दिया है। उन्होंने भविष्य में इंडिया गठबंधन को लेकर भी बड़ा एलान किया। वहीं चाचा शिवपाल यादव भी सुर में सुर मिलाते नजर आ रहे थे। कांग्रेस के साथ गठबंधन पर सपा प्रमुख ने कहा कि मध्यप्रदेश में गठबंधन को लेकर बात बन नहीं पायी क्योंकि मध्यप्रदेश की परिस्थितियां अलग थी, लेकिन लोकसभा चुनाव में क्या स्थिति बनेगी यह आने वाला वक्त ही बताएगा। उधर, बलिया में समाजवादी पार्टी के महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने तीन राज्यों के चुनाव परिणाम को लेकर सोमवार को कहा है कि चुनाव परिणाम से कांग्रेस को सबक लेना चाहिए

शिवपाल यादव ने दिया साथ

शिवपाल यादव ने तीन राज्यों के चुनाव परिणाम को लेकर कहा ,''इससे कांग्रेस को सबक लेना चाहिए । सभी को सबक लेना चाहिए। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए इंडिया गठबंधन को मजबूत करके ही चुनाव लड़ना चाहिए। हमारे सभी लोग समीक्षा करेंगे।'' सपा नेता ने इसके साथ ही कहा है कि जो भी परिणाम आया है , जनादेश है, उसे सबको स्वीकार करना पड़ेगा।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दो छात्रावासों के अंतेवासी भिड़े, पथराव के बाद रातभर बमबाजी

प्रयागराज, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के दो छात्रावास एसएसएल और जीएन झा के अंतेवासियों के बीच देर रात भिड़ंत हो गई। इसमें अंतेवासियों ने जमकर पथराव और बमबाजी की। इससे आसपास के क्षेत्रों में दहशत फैल गई। बमबाजी का सिलसिला सुबह चार बजे तक चला।पुलिस ने दारोगा की तहरीर पर कर्नलगंज थाने में मुकदमा दर्ज किया है।वहीं छात्रावास प्रशासन द्वारा भी पुलिस को तहरीर दी जा रही है और उपद्रवी छात्रों को चिन्हित कर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसएसल और जीएन झा छात्रावास के छात्रों के बीच कई दिनों से विवाद चल रहा था। दोपहर दोनों छात्रावासों के छात्र आमने सामने आ गए थे, हालांकि कोई बड़ा विवाद नहीं हुआ पर शाम को एसएसएल छात्रावास के बाहर बमबाजी शुरू हो गई। इसके बाद एसएसएल के छात्रों ने भी जवाबी बमबाजी की। पूछताछ में ऐसे कई छात्रों के नाम सामने आए हैं। उनके निष्कासन की कार्रवाई छात्रावास प्रशासन द्वारा शुरू कर दी गई है। वहीं पुलिस ने भी मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

हार को लेकर विपक्षी दलों के आरोप पर सुशील मोदी का तंज, कहा- ईवीएम सहित हर चीज पर सवाल उठाएंगे

पटना, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान और तेलंगाना विधानसभा चुनाव में से तीन राज्यों में बीजेपी के स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद विपक्ष ईवीएम को लेकर सवाल उठाने लगे हैं। वहीं, इस पर पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने मंगलवार को जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि अपनी हार के बाद वे (विपक्ष) ईवीएम सहित हर चीज पर सवाल उठाएंगे। अन्य विपक्षी दल हार के लिए कांग्रेस पर आरोप लगा रहा है, लेकिन कांग्रेस, जेडीयू और

समाजवादी पार्टी वैसे भी मध्य प्रदेश चुनाव हार जातीं, भले ही उन्होंने एक साथ चुनाव लड़ा होता। साथ लड़ने पर कांग्रेस की सीट और कम ही हो जाती। विपक्षी पार्टियों द्वारा ईवीएम को लेकर उठाए सवाल पर सुशील कुमार मोदी ने कहा कि तेलंगाना और कर्नाटक चुनाव में कैसे जीत हुई? अपने कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखने के लिए वो इस प्रकार की बाते बोलते हैं। कांग्रेस ईवीएम पर पहले तो सवाल नहीं उठाया। काउंटिंग के तीन दिन बाद सवाल उठा रहे हैं। अब चुनाव आयोग और सरकारी मशीनरी पर आरोप लगाएंगे। कांग्रेस का इतिहास रहा है कि जब-जब चुनाव हारते हैं तो हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ देते हैं। समीक्षा करने के बजाए इस तरह की बाते करते हैं।

'मेरे पापा का हंसता-मुस्कुराता चेहरा, वो युग-प्रवर्तक', रोहिणी ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट

पटना, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने एक बहुत ही भावुक कर देने वाला पोस्ट सोशल मीडिया साइट एक्स पर शेयर किया है। उन्होंने लालू यादव को किडनी डोनेट करने के उस दिन को याद किया है जब वे अस्पताल में भर्ती थीं और लालू को उनकी जरूरत थी। रोहिणी ने लिखा है कि उन्हें उसी स्वस्थ रूप में देखने की कामना थी, जिस रूप में उन्हें बचपन से देखती आई थी। मेरे पापा का हंसता-खिलखिलाता मुस्कुराता चेहरा। वो युग-प्रवर्तक। रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखा कि, 5 दिसंबर 2022 का दिन मेरे लिए मुश्किलों से ज्यादा खुशियों का दिन था। आज फिर 5 दिसंबर (2023) है। एक साल ऐसे बीता जैसे कल ही की बात हो। हमेशा की तरह बीते पूरे साल भी परमपिता परमेश्वर से

मेरी बस यही विनती रही कि जब तक मेरे इस नश्वर शरीर में प्राण रहे, मेरे पापा का मेरे सिर पर हाथ, उनका स्नेहिल आशीष रहे। आज के ही दिन 2022 को दिल में मेरे समुद्री लहरों के जैसे जज्बात थे। मगर इरादे चट्टानों के जैसे मजबूत।

'जीवन जीने का हक और अधिकार दिलाया'

उन्होंने कहा कि, आखिर हो भी क्यों न मेरे पापा की जिंदगी से जुड़े सवाल जो तमाम थे। उन्हें उसी स्वस्थ रूप में देखने की कामना थी, जिस रूप में उन्हें बचपन से देखती आई थी। मेरे पापा का हंसता-खिलखिलाता मुस्कुराता चेहरा। वो युग-प्रवर्तक, जिन्होंने लाखों-करोड़ों लोगों को स्वाभिमान से जीवन जीने का हक और अधिकार दिलाया। सदियों से चली आ रही सामंती-गुलामी की जंजीरों से मुक्त कराया, जाति-धर्म, छुआ-छूत, ऊच-नीच का भेद-विद्वेष मिटाया। गाय चराने वालों, भैंस चराने वालों, बकरी चराने वालों, सूअर चराने वालों को 'पढ़ना-लिखना सीखो' जैसे नारों से प्रेरित कर जन-जन में शिक्षा के अलख को जगाया।

'एक किडनी तो क्या अपनी सौ जिंदगियां न्यौछावर'

रोहिणी ने लिखा कि, मेरे पापा ने दबी आवाज को मंच विशाल दिलाया। पापा आप के साथ तो सारे जहान की नेमतें तमाम और मेरी पूजा, मेरी प्रार्थना में सिर्फ और सिर्फ आपका ही नाम। ऐसे महापुरुष के लिए एक किडनी तो क्या अपनी सौ जिंदगियां न्यौछावर करने से पीछे नहीं हटती मैं। अहोभाग्य मेरा। मैं उस देवतुल्य इंसान की जैविक संतान, जो हाशिए की जिंदगी जी रहे करोड़ों के भगवान व समावेशी सोच रखने वाले हरेक विवेकशील इंसान के लिए न कभी डिगने वाले हिमालय के समान हैं।

मेरठ की युवती ने होटल में बुलाकर दुष्कर्म का लगाया आरोप, पुलिस ने खंगाले सीसीटीवी फुटेज

हापुड़, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। जिला मेरठ की एक युवती ने नगर कोतवाली क्षेत्र के एक युवक पर उसे होटल में बुलाकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। सूचना पर पुलिस जांच के लिए रेलवे रोड स्थित एक होटल में पहुंची। युवती से हुई प्रारंभिक पूछताछ के आधार पर पुलिस घटना को संदिग्ध बता रही है। उधर, मामला हनी ट्रेप के होने का अंदेशा भी जताया जा रहा है। मेरठ निवासी युवती ने शाम कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि नगर के एक मोहल्ले के युवक से उसकी जान पहचान थी। युवक ने उसे धोखे से हापुड़ बुलाया। इसके बाद वह उसे रेलवे रोड स्थित एक होटल में ले गया। जहां युवक ने उसे साथ दुष्कर्म किया है। मामले की जानकारी के बाद पुलिस होटल पहुंची और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाली। जिसमें युवती एक युवक के साथ होटल में जाती व बाहर निकलती दिख रही है।

'मुख्तार अंसारी की जान को खतरा

जेल में रची जा रही हत्या की साजिश'- उमर अंसारी का दावा, एससी में याचिका दायर

लखनऊ, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। गैंगस्टर एवं पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने पिता को उत्तर प्रदेश के बाहर किसी अन्य जेल में स्थानांतरित करने का आग्रह करते हुए उच्चतम न्यायालय का रुख किया है। उसने दावा किया है कि उसके पिता की 'जान को खतरा' है। इसके लिए उमर अंसारी ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है। उमर अंसारी ने अपनी याचिका में कहा है कि उसके पिता एक राजनीतिक दल से जुड़े हैं, जो राज्य की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का 'राजनीतिक और वैचारिक रूप से' विरोध करती है, इसलिए उनका परिवार राज्य के ''उत्पीड़न'' का शिकार रहा है। याचिका में शीर्ष अदालत से अनुरोध किया गया है कि मुख्तार अंसारी को बांदा जेल से किसी गैर भाजपा शासित राज्य की जेल में स्थानांतरित करने का निर्देश दिया जाए।

हत्या की साजिश रचने का दावा

इसमें दावा किया गया, ''राज्य सरकार लगातार याचिकाकर्ता के परिवार, विशेष रूप से उसके पिता के खिलाफ व्यक्तिगत रूप से शत्रुतापूर्ण रुख अपना रही है, लेकिन अब याचिकाकर्ता के पिता को विश्वसनीय जानकारी मिली है कि उसकी जान को खतरा है और बांदा जेल में उसकी हत्या के लिए कई किरदार मिलकर साजिश रच रहे हैं।'' याचिका में यह निर्देश देने का अनुरोध भी किया गया है कि मुख्तार अंसारी को केवल वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालतों के समक्ष पेश किया जाए। मुख्तार अंसारी ने मऊ निर्वाचन क्षेत्र से कई बार उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में जीत हासिल की। मुख्तार अंसारी इस समय उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में बंद है। उमर अंसारी मुख्तार अंसारी का छोटा बेटा है। वहीं मुख्तार अंसारी का एक और बेटा अब्बास अंसारी वर्तमान में सुभासपा से विधायक है। अब्बास अंसारी वर्तमान में मऊ से ही विधायक है, लेकिन अभी कासगंज जेल में बंद है। उसके ऊपर आर्म्स एक्ट समेत कई मामले दर्ज हैं।

वोटिंग पैटर्न को लेकर दिग्विजय ने उठाए सवाल

कहा- जिस मशीन में चिप हो, वो हो सकती है हैक

भोपाल, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने एक बार फिर ईवीएम को लेकर सवाल खड़े किए हैं। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद उन्होंने ये सवाल उठाए हैं। उन्होंने 199 विधान सभा सीटों पर पोस्टल बैलेट में मिले कांग्रेस को वोट और ईवीएम में मिले कांग्रेस के वोटों का आकलन करने की बात कही है। सिंह का कहना है वोटिंग पेटर्न में इतना बदलाब कैसे हो सकता है। जिन सीटों पर पोस्टल बैलेट में कांग्रेस जीत रही है वहां ईवीएम में हार रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर पोस्ट कर ईवीएम का ये राग छेड़ा है। उन्होंने कई देशों में ईवीएम पर रोक होने का भी हवाला दिया है।

दिग्विजय सिंह पोस्ट

पोस्टल बैलेट के ज़रिए कांग्रेस को वोट देने वाले और हम पर भरोसा जताने वाले सभी मतदाताओं का धन्यवाद! तस्वीरों के आँकड़ों में एक प्रमाण है जो यह बताता है कि पोस्टल बैलेट के ज़रिए हमें यानी कांग्रेस को 199 सीटों पर बढ़त है। जबकि इनमें से अधिकांश सीटों पर ईवीएम काउंटिंग में हमें मतदाताओं का पूर्ण विश्वास न मिल सका। यह भी कहा जा सकता है कि जब तंत्र जीतता है तो जनता (यानी लोक) हार जाती है। हमें गर्व है कि हमारे ज़मीनी कार्यकर्ताओं ने जी जान से कांग्रेस के लिए काम किया और लोकतंत्र के प्रति अपने विश्वास को पुख़्ता किया। अब कुल 230 सीटों के आँकड़े आपके पास हैं। पोस्टल बैलेट के ज़रिए कांग्रेस और बीजेपी को पड़े वोटों की संख्या विश्लेषण के लिए प्रस्तुत है, सोचने की बात यह है कि जब जनता वही है तो वोटिंग पैटर्न इतना कैसे बदल गया?,

किया जा सकता है हैक

सिंह का कहना है कि चिप वाली किसी भी मशीन को हैक किया जा सकता है। मैंने 2003 से ही ईवीएम द्वारा मतदान का विरोध किया है। क्या हम अपने भारतीय लोकतंत्र को पेशेवर हैकरों द्वारा नियंत्रित करने की अनुमति दे सकते हैं! यह मौलिक प्रश्न है, जिसका समाधान सभी राजनीतिक दलों को करना होगा। माननीय चुनाव आयोग और माननीय सर्वोच्च न्यायालय क्या आप कृपया हमारे भारतीय लोकतंत्र की रक्षा करेंगे?

डॉक्टर गोविंद सिंह बोले ईवीएम हैक करके बदले गए परिणाम

इधर, लहार विधानसभा से हार का मुंह देखने वाले पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविंद सिंह ने भी ईवीएम पर सवाल खड़े किये हैं। उनका आरोप है कि ईवीएम में गड़बड़ी की गई है। उन्होंने कहा कि जनता रो रही है। बीजेपी खुशियां मना रही है। ईवीएम हैक करके परिणाम बदले गए हैं।

बीजेपी का काउंटर

ईवीएम पर उठाए गए सवालों पर बीजेपी प्रवक्ता नरेंद्र सलूजा ने पलटवार करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह यह भी बता दीजिये कि जयवर्धन सिंह चुनाव ईवीएम की गड़बड़ी से जीते है क्या। इतना ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना का चुनाव ईवीएम की गड़बड़ी से जीती है क्या। समझा जा सकता है कि लक्ष्मण सिंह , प्रियव्रत सिंह, केपी सिंह हार गये है और जयवर्धन सिंह जीत गये है, तो पारिवारिक नाराजगी दूर करने के लिये आपको ईवीएम पर दोष देना ही पड़ेगा।

ईवीएम के मुद्दे पर कांग्रेस में दो फाड़

ईवीएम के मुद्दे पर कांग्रेस में दो फाड़ हो गई है। कांग्रेस का एक धड़ा जहां ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगा रहा है, वहीं दूसरा भाग इसे सिरे से नकार रहा है। दिग्विजय सिंह को अपने भाई लक्ष्मण सिंह का ही साथ इस मामले में नहीं मिला है। लक्ष्मण सिंह का कहना है कि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं हुई, मैं खुद कई बूथों पर जीता हूं। राजेंद्र भारती, नितेंद्र राठौर, अजय सिंह जैसे कई अन्य प्रत्याशियों ने भी ईवीएम पर भरोसा जताया है।

कमलनाथ के गुलदस्ता लाने पर मध्यप्रदेश बीजेपी अध्यक्ष ने ली चुटकी, जानिए सीएम पद को लेकर क्या बोले

भोपाल, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में बीजेपी के सिर जीत का सेहरा बंध चुका है। बीजेपी ने मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 की 230 सीटों में से 163 सीटों पर बहुमत से जीत दर्ज की है। अब मध्यप्रदेश में सीएम को लेकर सुगबुगाहट शुरू हो गई है। इन सभी मुद्दों पर मध्यप्रदेश के बीजेपी अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा से बात की। मध्यप्रदेश बीजेपी अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने सीएम पद से लेकर कई सवालों के जवाब दिए हैं। मध्यप्रदेश बीजेपी अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने प्रदेश की जीत को लेकर कहा, बीजेपी को एमपी में प्रचंड बहुमत का श्रेय प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी की सोच और मेहनत को जाता है,

सीमा हैदर के बाद एक और पाकिस्तानी लड़की पहुंची भारत

समीर से होगी शादी, 45 दिन का मिला वीजा

अमृतसर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। (पंजाब)सीमा हैदर के बाद भारत की बहू बनने के लिए पाकिस्तान के कराची की बेटी जावरिया खानम मंगलवार को वाघा सीमा के रास्ते भारत पहुंची। भावी पति समीर खान और सास-ससुर ने जावरिया खानम का ज्वाइंट चेक पोस्ट (जेसीपी) अटारी पहुंचने पर भव्य स्वागत किया। पाकिस्तान की बेटी खानम 45 दिनों के वीजे पर भारत पहुंची है। समीर खान अपनी भावी पत्नी जावरिया खानम को अपने पिता युसुफजई व अन्य के साथ अटारी से श्री गुरु रामदास जी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लेकर पहुंचे, जहां से वे कोलकता के लिए फ्लाइट लेंगे। गौर हो कि कराची निवासी अजमद इस्माइल खान की 21 वर्षीय बेटी जावरिया खानम ने दो बार भारत के वीजा के लिए आवेदन दिया था। दोनों बार वीजा अस्वीकार होने के बाद उसने पाकिस्तान में सोशल एक्टिविस्ट व पत्रकार मकबूल अहमद वसी कादियान के साथ संपर्क में आए। सोशल एक्टिविस्ट व पत्रकार कादियान की मदद के बाद भारत सरकार ने समीर खान की मंगेतर को अंततः 45 दिनों का वीजा मंजूर कर दिया। कादियां निवासी मकबूल अहमद का विवाह फैसलाबाद की रहने वाली ताहिरा मकबूल से 2003 में हुआ था। उनका विवाह काफी सुर्खियों में रहा था। इसके बाद अनेक पाकिस्तानी दुल्हनें उनसे संपर्क करके वीजा के लिए मदद मांगती रहती हैं। वह एक दर्जन से भी अधिक पाकिस्तानी विवाहिताओं को भारत का वीजा दिलवा चुके हैं। कोलकाता के रहने वाले समीर खां ने भारत सरकार से अपनी मंगेतर के वीजा की अपील की थी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस। जयशंकर से भी वीजा देने की मांग की थी।

पुणे नगर निकाय ने राष्ट्रीय स्मारक बनाने के लिए भिडे वाडा को ढहाया

पुणे, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पुणे नगर निगम (पीएमसी) ने अदालत के आदेश के एक महीने बाद भिडे वाडा के जर्जर ढांचे को मंगलवार तड़के ढहा दिया। समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले ने 1848 में इस स्थान पर लड़कियों के लिए पहला स्कूल शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि नगर निकाय इस स्थल पर समाज सुधारक दंपति को समर्पित एक राष्ट्रीय स्मारक बनाने की योजना बना रहा है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने इस जगह को खाली करने से इनकार कर दिया था और वे अदालत चले गए थे। बंबई उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय ने इस स्थान पर राष्ट्रीय स्मारक बनाने का रास्ता हाल में साफ कर दिया था और जर्जर ढांचे के दुकान मालिकों और किरायेदारों को परिसर खाली करने का आदेश दिया था। पीएमसी के अतिरिक्त आयुक्त विकास ढाकने ने कहा, "यह ढांचा 2,700 वर्ग फुट से अधिक इलाके में फैला था और इसे मंगलवार तड़के ढहा दिया गया। अदालत ने किरायेदारों और दुकानदारों को एक महीने का समय दिया था, जो दो दिसंबर को ही समाप्त हो गया। उन्होंने कहा, "उन्हें चार दिसंबर को फिर से नोटिस जारी किया गया और सोमवार को आधी रात को बलपूर्वक कार्रवाई की गई और जर्जर ढांचे को ढहा दिया गया। उन्होंने कहा, "हम तीन अलग-अलग वास्तुकारों से तीन डिजाइन पीएमसी आयुक्त को सौंपेंगे। अंतिम निर्णय लिया जाएगा और राष्ट्रीय स्मारक का काम शुरू होगा।"

चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस बदलने की जरूरत

3 राज्यों में हार के बाद गुलाम नबी आजाद ने दिया पार्टी को जीत का फॉर्मूला

जम्मू, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। बीजेपी ने एक बार फिर से साबित कर दिया है कि हिंदी हार्टलैंड के लोगों के बीच उसकी पकड़ कितनी मजबूत है। रविवार (3 दिसंबर) को आए चुनावी नतीजों में बीजेपी को राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में बंपर सीटें मिली हैं। इन चुनावों में कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है। वहीं, अब डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) ने बताया है कि आखिर चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस को क्या करने की जरूरत है। दरअसल, हिंदी हार्टलैंड में जिस तरह की बीजेपी ने जीत हासिल की है। उसे देखकर ऐसा लगने लगा है कि छह महीने बाद

जब 2024 में लोकसभा चुनाव होंगे, तो बीजेपी के लिए उसे जीतना ज्यादा मुश्किल नहीं होने वाला है। भले ही दक्षिण में बीजेपी को हार का मुंह देखना पड़ा है। मगर उत्तर भारत में उसकी पकड़ बेहद ही मजबूत है। वहीं, अब कांग्रेस भले ही दक्षिण के दो राज्यों में सरकार में है, मगर बिना उत्तर भारत में जीत के वह 2024 में कोई बड़ा बड़ा कमाल नहीं कर सकती है।

कांग्रेस को क्या मंत्र दिया?

रिपोर्ट के मुताबिक, बीजेपी के तीन राज्यों में जीत को लेकर जब गुलाम नबी आजाद से सवाल किया गया, तो उन्होंने इसका जवाब भी दिया और बताया कि किस तरह कांग्रेस आगे के चुनाव में जीत सकती है। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी के चीफ गुलाम नबी आजाद ने कहा, 'कांग्रेस को कई सारी चीजें बदलने की जरूरत है। जब तक पार्टी ऐसा नहीं करती है, वह बीजेपी को हरा नहीं पाएगी।' आजाद ने कहा, 'जब मैंने कांग्रेस पार्टी छोड़ी थी, तभी मैंने इस बात की भविष्यवाणी कर दी थी।' विपक्ष के इंडिया गठबंधन को लेकर आजाद ने कहा कि अगर ऐसा होता है, तो बहुत ही अच्छी बात है। लेकिन अभी मैं ये नहीं कह सकता हूं कि ये कितने दिनों तक चलने वाला है।

पिछले साल अगस्त में गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस पार्टी का दामन छोड़ दिया था। उन्होंने सोनिया गांधी को पांच पन्नों की चिट्ठी लिखते हुए अपने पार्टी छोड़ने का ऐलान किया था। वह कांग्रेस के अंदरूनी गुटों से नाराज चल रहे थे। पार्टी छोड़ने के अगले ही महीने उन्होंने डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी की स्थापना की थी।

केयूके पहुंचा संकटग्रस्त प्रजाति का रेड ब्रेस्टेड पैराकीट पक्षी

हरियाणा में पहली बार देखा गया

कुरुक्षेत्र, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का हरा-भरा परिसर अब दुर्लभ पक्षियों को भी भाने लगा है। जैव विविधता से परिपूर्ण इस परिसर में अब संकटग्रस्त प्रजाति का रेड ब्रेस्टेड पैराकीट पक्षी भी पहुंचने लगे हैं। विश्वविद्यालय परिसर में पहली बार यह पक्षी 23 नवंबर को दिखाई दिया, जिसे प्राणी शास्त्र विभाग की शोधार्थी अरूणा यादव ने रिकार्ड किया।

दावा किया जा रहा है कि प्रदेश में यह पक्षी पहली बार ही देखा गया है। इस पक्षी के आगमन व इसे रिकार्ड करने पर कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा ने शोधार्थी अरूणा यादव व उनके अनुसंधान पर्यवेक्षक डॉ. दीपक राय बब्बर को बधाई दी है। शोधार्थी अरूणा यादव ने बताया कि चार दिसंबर को भी रेड ब्रेस्टेड पैराकीट पक्षी को देखा गया व उसके घोंसले की भी पहचान की गई। उपस्थित लिट्रेचर और विशेषज्ञों से चर्चा करके यह पता चला है कि पहले राज्य में यह पक्षी नहीं देखा गया। शोधार्थी अरूणा यादव केयू के जूलॉजी विभाग में डॉ. दीपक राय बब्बर के निर्देशन में पक्षियों की विविधता पर अपना शोध कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि इस पक्षी पर पूरा सर्वे करके इसके निष्कर्ष को प्रकाशित किया जाएगा।

अरूणा यादव के पर्यवेक्षक डॉ. दीपक राय बब्बर ने बताया कि ऐसी दुर्लभ पक्षी की प्रजाति का हरियाणा व विश्वविद्यालय में दिखाई देना बहुत ही सुखद है। इस प्रजाति के पक्षी प्रवासी पक्षी नहीं होते हैं बल्कि एक स्थिर भौगोलिक क्षेत्र में रहते हैं। इस तरह हरियाणा में इस पक्षी का मिलना इसकी भूगौलिक क्षेत्र सीमा के बढ़ने को दर्शाता है या फिर ये एक फैरल पक्षी का भी उदाहरण हो सकता है। निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए अधिक सर्वे की जरूरत है तथा आगे भी इस पक्षी के घोंसले व उपस्थिति के डेटा को रिकॉर्ड किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रैड ब्रैस्टिड पैराकिट परिसर में एकमात्र पक्षी मिला है और वो भी मादा पक्षी है।

पैथोलॉजी लैब के मालिक ने बाथरूम में लगाया था कैमरा, पता चलने पर दर्ज हुई एफआईआर

उज्जैन, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। शाजापुर निवासी युवती बीते चार माह से मक्सी रोड स्थित आरती डायग्नोस्टिक लैब पर किराए से रह रही है। सोमवार को युवती बाथरूम में नहा रही थी, उसी समय अचानक उसका हाथ बाथरूम में लगे कांच के बॉक्स पर गलती से चला गया, जिससे बॉक्स खुल गया और अंदर छुपा कैमरा नजर आया। जिस पर युवती ने तुरंत आरती डायग्नोस्टिक लैब के संचालक अंकुर पुत्र राजेश गोलस को जब इस बारे में बताया तो वह कैमरे वाली बात मानने को तैयार ही नहीं हुआ। इस दौरान युवती इस इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का वीडियो बनाकर अपने जीजा को भेज चुकी थी। जिन्होंने युवती को बताया कि यह हिडन कैमरा ही है। जिसके बाद युवती तुरंत थाना माधवनगर पहुंची और उसने इस बात की शिकायत पुलिस को दी।

अपने ही बना रहे महिलाओं को शिकार, साइबर क्राइम के 24.4% मामले बढ़े, एनसीआरबी की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। हर साल की तरह इस बार भी नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने अपने आंकड़े जारी कर दिए हैं। इन आंकड़ों की अगर हम बात करें तो जहां कल दर्ज मामलों में भले ही कमी आई हो लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपराध में कोई कमी नहीं आई है। यहां तक की अलग-अलग वजह से खुदकुशी करने वालों की संख्या में भी बढ़ोतरी देखी गई है। नई चुनौती बनकर सामने खड़ा साइबर अपराध भी बेहद तेजी से बढ़ रहा है।

शायद इसीलिए देश भर के अलग-अलग हिस्सों में साइबर थाने खोले जा रहे हैं लोगों को साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी जा रही है ताकि साइबर ठगों के जाल में फंसने से लोग खुद को बचा सके। एनसीआरबी ने साल 2022 में

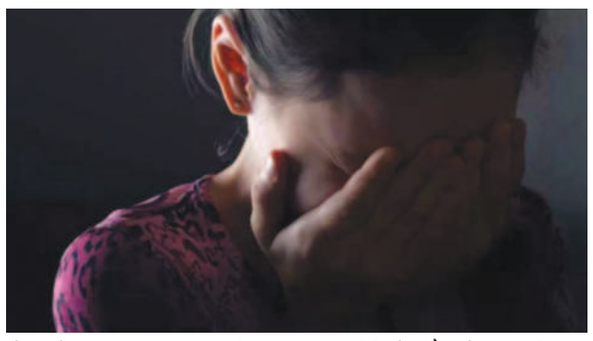

देश मे हुए क्राइम का आंकड़ा जारी कर दिया है। इन आंकड़ों के मुताबिक देश में आत्महत्या, सड़क दुर्घटना और महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं। इतना ही नही बात अगर बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध की करें तो इसमें भी वृद्धि दर्ज की गई है। इतना ही एनसीआरबी के अकड़ों को देखने से पता लगा की अचानक होने वाली मौत के आंकड़े भी बढ़े हैं। इस साल ऐसे कई वीडियो और मोबाइल क्लिप सामने आए जिसमे कोई डांस कर रहा और अचानक से गिर जाता और उसकी मौत हो जाती है। अगर कोई किसी प्रोग्राम शामिल है या लोगों के बीच है या फिर अचानक भीड़ में से एक शख्स गिरता और मर जाता है। ऐसी कई वीडियो इस साल वायरल हुई। 2021 के मुकाबले 2022 में अचानक मौत की संख्या में 11.6 की बढ़ोतरी हुई है, जो बेहद चौकाने वाली है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक 2022 में 56653 अचानक मौत हुई। जिसमे 32410 मौतें दिल का दौरा पड़ने से, जबकि 24243 मौतें दूसरे कारणों से हुई। अचानक मरने वालों में सबसे अधिक मौतें 19456 , 45 से 60 आयु वर्ग के लोग थे। साल 2022 में 65893 मामले साइबर क्राइम के देश भर में दर्ज किए गए।

2021 में देश भर में 52974 मामले साइबर अपराध से जुड़े हुए दर्ज किए गए थे। यानी एक साल में 24.4% की वृद्धि। इनमें करीब 65 परसेंट मामले धोखाधड़ी के है। यानी 65893 मामलों में 42710 धोखाधड़ी के मामले हैं। जबकि 3648 मामले जबरन उगाही के है। साइबर क्राइम से निपटने के लिए कई जगहों पर साइबर क्राइम के लिए अलग यूनिट बनाई गई है। राजधानी दिल्ली में हर जिले में अलग साइबर थाने खोले गए हैं इसके अलावा स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट एक्सपर्ट मामलों की जांच करती है।

महिलाओं के आरोपी अपने

वहीं महिलाओं के आरोपी कोई और नहीं बल्कि अपने ही है। 2021 जहां महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध की संख्या 428278 थी, वो 2022 में बढ़कर 445256 पहुंच गई। ये 2021 के मुकाबले चार प्रतिशत ज्यादा है। अब इसमें अगर हम बात करें तो 31 प्रतिशत अपराध के या तो पति शामिल था या फिर उसके रिश्तेदार। जबकि 19.2 प्रतिशत मामले महिलाओं के अपहरण और उन पर होने वाले हमले के हैं, और 18.1 प्रतिशत लज्जा भंग के, जबकि बलात्कार के 7.1 मामले हैं।

एमपी में शिवराज का 'राज', राजस्थान की रेस में कई नाम, छत्तीसगढ़ में गोमती साय फ्रंट रनर

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के बाद भारतीय जनता पार्टी में मुख्यमंत्री के पद को लेकर गहन चर्चा जारी है। इस बीच सूत्रों से जानकारी मिली है कि मध्य प्रदेश में सीएम शिवराज सिंह चौहान को ही राज्य की कमान मिल सकती है। वहीं छत्तीसगढ़ में सीएम पद की रेस में गोमती साय का नाम सबसे आगे है। इसके अलावा अरुण साव, ओपी चौधरी और विष्णु देव साल का नाम भी सीएम पद के लिए चर्चा में है। वहीं राजस्थान में मुख्यमंत्री पद के लिए वसुंधरा राजे का नाम सबसे आगे चल रहा है। जबकि ओम माथुर, ओम बिरला और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल का भी नाम चर्चा में है। बता दें कि 17 नवंबर को मध्य प्रदेश के 230 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ, जिसके नतीजे 3 दिसंबर को सामने आए। जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने 160 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं कांग्रेस पार्टी महज 65 सीटों पर सिमट कर रह गई। मध्य प्रदेश में बीजेपी की जीत के बाद अब पार्टी के भीतर सीएम पद को लेकर मंथन शुरू हो गया है। इस दौरान कई नामों की चर्चा तेजी से हो रही है। जिसमें शिवराज सिंह चौहान का नाम सबसे आगे है। वहीं 25 नवंबर को राजस्थान के 199 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था, जिसका रिजस्ट 3 दिसंबर को घोषित किया गया। इस दौरान बीजेपी ने 115 सीटों पर जीत हासिल की। जबकि कांग्रेस केवल 69 सीटों पर रह गई।

मेरे करियर को भी बर्बाद किया क्यों हाईकोर्ट में राखी सावंत ने दी यह दलील? क्या है पूरा बवाल

मुंबई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। मॉडल और सेलिब्रिटी राखी सावंत ने एक अन्य मॉडल द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि और शीलभंग के मामले को रद्द करने की मांग करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। राखी सावंत ने हाईकोर्ट में दाखिल याचिका में दावा किया कि शिकायतकर्ता ने बदला लेने की इच्छा से प्रेरित होकर मेरे खिलाफ झूठी एफआईआर दर्ज करवाई है। राखी सावंत ने याचिका में दावा किया है कि शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए झूठे आरोप और अपमानजनक बयान न केवल व्यक्तिगत संकट का कारण बनते हैं, बल्कि मेरे सफल करियर को भी बर्बाद करते हैं। यह स्पष्ट है कि शिकायतकर्ता ने द्वेष रखकर और बदले की कार्रवाई के रूप में झूठी एफआईआर दर्ज करवाई है। हाईकोर्ट में राखी सावंत ने यह याचिका वकील अली काशिफ

खान के जरिए दायर की है। मॉडल ने शिकायत दर्ज कर आरोप लगाया था कि 31 अक्टूबर 2022 को राखी सावंत ने शिकायतकर्ता के कुछ वीडियो दिखाए और उनके सम्मान को हानि देने वाले बयान दिए। शिकायतकर्ता ने यह भी दावा किया कि मीडिया को दिखाया गया वीडियो यौन उत्पीड़न वाला था। सावंत पर (आईपीसी) की धारा 354 (ए) (एक महिला की विनम्रता को अपमानित करना), 500 (मानहानि), 504 (आपराधिक धमकी), 509 (उकसाने का इरादा) और 34 (सामान्य इरादा) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। इसके साथ एफआईआर में सूचना और प्रौद्योगिकी अधिनियम (आईटी अधिनियम) की धारा 67 (ए) को भी जोड़ा गया है। राखी सावंत ने दावा किया कि अगर एफआईआर की सावधानीपूर्वक जांच की जाए तो संकेत मिल जाएगा कि जो आरोप लगाए गए है वह सच नहीं है। राखी ने यह भी कहा कि मैंने और शिकायतकर्ता ने सभी विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया था, हालांकि एफआईआर का लंबित रहना शिकायतकर्ता द्वारा अदालत का समय बर्बाद करने की एक रणनीति के अलावा कुछ नहीं था। सावंत ने याचिका में दावा किया कि आईपीसी की धारा 354ए के तहत शील भंग करने का अपराध किसी महिला के खिलाफ नहीं लगाया जा सकता।

हिंदू राव अस्पताल में घोर लापरवाही सामने आने पर एक्शन में मेयर, एमएस संस्पेंड, मचा हड़कंप

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली नगर निगम की मेयर डॉ। शैली ओबेरॉय ने सोमवार को कथित तौर पर ढांचागत खामियों को लेकर दिल्ली नगर निगर (एमसीडी) के हिंदू राव अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को निलंबित करने का आदेश दिया। एमसीडी के अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है। मेयर के इस फैसले के बाद अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। एमसीडी के एक अधिकारी के अनुसार महापौर के सोमवार को अस्पताल का औचक दौरा करने के बाद निलंबन का आदेश आया। महापौर ने इस दौरान कोनों और गलियारों में अंधेरा, बुनियादी स्वच्छता की कमी, कूड़े के ढेर और अंधेरे तथा गंदे शौचालय जैसी कई बुनियादी ढांचागत कमियां पाईं। एमसीडी अधिकारी के मुताबिक महापौर ने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि ढांचागत खामियों को जल्द से जल्द दूर किया जाए। उन्होंने कहा कि वह जल्द ही उनके निर्देश पर की गई कार्रवाई की स्थिति का पता लगाने के लिए फिर से अस्पताल का दौरा करेंगी। बता दें कि नवंबर 2023 में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली नगर निगम के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक बारा हिंदू राव अस्पताल में कथित लापरवाही के मामले में गंभीरता से लिया था। यह कार्रवाई उस समय हुई जब एक शख्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सीएम आफिस को यह शिकायत मिली की मुंह पर कपड़ा बांधकर शौचालय से गुजरना पड़ता है। अस्पताल में सफाई व्यवस्था जीरो है। आप कार्यकर्ता ने अपने सोशल मीडिया ऐप हैंडल पर साझा की गई तस्वीर में अस्पताल गंदगी, गीले फर्श और धूल से सनी दीवारें दिखाई दे रही हैं। इस पोस्ट का जवाब देते हुए दिल्ली के सीएम ने कहा था कि मैंने, स्वास्थ्य मंत्री को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आज अस्पताल का दौरा करने और शिकायत सही पाये जाने पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 6 दिसंबर - 2023

खतरनाक सड़कें

आए दिन हो रहे सडक हादसों में लाखों लोग अपनी जान गंवा रहे हैं, जो सरकार को लिए भी किसी चुनौती से कम नहीं है। हालांकि सरकारें समय-समय पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए जागरूकता अभियान चलाकर यातायात नियमों में कड़ाई से पालन करने व भारी जुर्माने के प्रावधान किया है। इसके अलावा सड़कों पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी व्यवस्था को भी दुरुस्त किया गया है। इतने इंतजामों के बावजूद सडक दुर्घटनाओं में हर वर्ष घायल होने तथा मरने वालों की संख्या में वृद्धि होती जा रही है। इन दुर्घटनाओं के पीछे आमतौर पर यही माना जा रहा है कि नशे की हालत में तय सीमा से अधिक रफ्तार में वाहन चलाना, यातायात नियमों का पालन न करना प्रमुख कारक है। लेकिन खुद केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण सड़कों को बनाने में गलत अभियांत्रिकी को माना है। भारतीय सड़क कांग्रेस के वार्षिक सम्मेलन में उन्होंने कहा कि हर वर्ष करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें करीब डेढ़ लाख लोगों की मौत हो जाती है और साढ़े तीन लाख लोग घायल हो जाते हैं। इस तरह देश के सकल घरेलू उत्पाद का तीन फीसद नुकसान होता है। खास बात यह है कि दुर्घटनाग्रस्त होने वालों में पैंतीस साल से कम उम्र के युवा ज्यादा होते हैं। परिवहन मंत्री ने सम्मेलन में मौजूद इंजीनियरों से अपील की कि वे सड़क निर्माण में सही अभियांत्रिकी का उपयोग कर इस तरह देश के जन-धन के नुकसान को रोक सकते हैं। बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने की दृष्टि से देखा जाए तो सबसे अधिक सड़कों के निर्माण पर जोर दिया जाता है। इसमें तेज रफ्तार और भारी वाहनों को ध्यान में रखते हुए सड़कों के विस्तार की योजनाएं बनाई जाती हैं। निश्चित रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों और 'एक्सप्रेस-वे' के निर्माण तथा विस्तार से यातायात की सुविधा बढ़ी है। लोगों के आवागमन और माल ढुलाई आदि में सुविधाजनक तेजी आई है। सडक निर्माण से काफी समय और पैसा बचने लगा है। लेकिन तेज रफ्तार चलने की सुविधा के कारण सबसे अधिक दुर्घटनाएं भी इन्हीं मार्गों पर दर्ज हो रही हैं। लंबे समय से यह बात रेखांकित की जाती रही है कि राजमार्गों पर सुरक्षा के अपेक्षित इंतजाम न होने की वजह से हादसों में मरने और घायल होने वालों की संख्या बढ़ रही है। अब तो खुद परिवहन मंत्री ने ही बडी साफगोई और ईमानदारी से सड़क निर्माण में इस्तेमाल होने वाली अभियांत्रिकी पर अंगुली उठाई है। बता दें कि उद्योगपति साइरस मिस्त्री की सड़क दुर्घटना में हुई मौत के वक्त भी उन्होंने इसे रेखांकित किया था कि अगर सड़क बनाने में ठीक पैमाना अपनाया गया होता, तो वह दुर्घटना न होने पाती। दरअसल, उसमें देखा गया था कि सड़क एक जगह पहुंच कर अचानक संकरी हो जाती है, जिसमें तेज रफ्तार वाहनों को संभालना कठिन हो जाता है और वे दुर्घटनाग्रस्त हो जाते हैं। ऐसी अनेक दुर्घटनाओं में देखा गया कि सड़कों की चौड़ाई समान न होने, मोड़ों पर उचित चौड़ाई और किनारों की उठान न होने, उनके किनारे समुचित सुरक्षा बाड़ न लगी होने या फिर उल्टी दिशा से गलत ढंग से वाहनों के प्रवेश पर रोक का इंतजाम न होने की वजह से दुर्घटनाएं होती रही हैं। कई जगह निर्माण सामग्री की गुणवत्ता खराब होने से गड्ढे बन जाने या फिर सड़कों के समतल न होने की वजह से भी वाहनों का संतुलन बिगड़ने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं। यह तो सभी जानते हैं कि सड़क निर्माण में गड़बड़ियां या लापरवाहियां क्यों बरती जाती हैं। इसमें छुपे भ्रष्टाचार को आखिर कौन नहीं जानता है। परिवहन मंत्री ने गलत अभियांत्रिकी को रेखांकित किया है, तो उम्मीद की जा रही है कि उन्हें भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस रास्ते भी तलाशने होंगे।

तेजी से बढ़ रहा है राष्ट्रीय पार्टियों का वर्चस्व, घबराहट में क्षेत्रीय दल !

अशोक भाटिया

पांच राज्यों के चुनाव में देखने लायक सबसे बड़ी बात यह है कि मतदाताओं ने क्षेत्रीय दलों की अपेक्षा राष्ट्रीय पार्टियों को वोट देना उचित समझा । हालिया रिजल्ट देख कर क्षेत्रीय दलों में घबराहट है और खास कर उन दलों में जो एक विशेष जाति या समुदाय के भरोसे राजनीति करते है । गौरतलब है कि केंद्र और राज्य में जिस हिसाब से भाजपा और कांग्रेस का दबदबा बढ़ता जा रहा है, इसे छोटी पार्टियों के लिए खतरे की घंटी के तौर पर देखा जा रहा है। 2024 का लोकसभा चुनाव छोटी पार्टियों के लिए अस्तित्व को बचाने की लड़ाई है। कभी यही छोटे दल केंद्र और राज्य में किंगमेकर की भूमिका निभाते थे लेकिन आज इनका दबदबा अपने ही क्षेत्र में कम होता जा रहा है। इसके पीछे की बड़ी वजह कांग्रेस और भाजपा के बीच सीधी टक्कर है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद से ही छोटी पार्टियों का दखल केंद्र और राज्यों से धीरे-धीरे खत्म होता जा रहा है, जिन राज्यों में भाजपा और कांग्रेस का स्ट्राइक रेट हाई है, वहां पर तो छोटी पार्टियों का वजूद भी खतरे में है। कर्नाटक और अब तेलंगाना विधानसभा चुनाव की ही बात करें तो दोनों ही राज्यों में क्षेत्रीय दलों का सफाया कांग्रेस ने कर दिया। मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ चुनाव में भी क्षेत्रीय दलों का पूरी तरह से मतदाताओं ने इग्नोर कर दिया है। इसीलिए छत्तीसगढ़ में अजीत जोगी की पार्टी का खाता नहीं खुला तो मध्य प्रदेश में सपा, आम आदमी पार्टी सहित बसपा खाता नहीं खोल सकी। राजस्थान में भी क्षेत्रीय पार्टियों का यही सियासी हश्र रहा। मध्यप्रदेश में आप को 0 .54 फीसदी ,बीएसपी को 3.40 ,जेडीयू को 0.02 और समाजवादी पार्टी को 0.46 फीसदी वोट मिले । छत्तीसगढ़ में आप को 0.93 फीसदी , बीएसपी को 2 .05 फीसदी वोट मिले ।राजस्थान में हालाँकि इंडियन नेशनल लोकदल ने 1 और भारत आदिवासी पार्टी ने 3 सीटें जीती । बीएसपी को 2 सीटें मिली लेकिन यहाँ भी मुख्य मुकाबला 2 राष्ट्रीय दलों के बीच रहा । ध्यान देने योग्य यह बात है कि मध्यप्रदेश में आप पार्टी ने 70 से ज्यादा उम्मीदवार खड़े किये थे और समाजवादी पार्टी वहां 46 सीटों पर लड़ीं थी । कहा जा रहा है कि करीबी लड़ाई वाली कई सीटों पर समाजवादी पार्टी ने हर जीत से ज्यादा वोट पाए । बीएसपी,समाजवादी और आप पार्टी जैसे दलों के चुनाव मैदान में उतरने से जिस जाति के मतदाताओं के दम पर ये चुनाव लड़ रहे थे, उनके वोट बिखर गए और उसका सीधा फायदा भाजपा को मिला । अब बात करें तेलंगाना की. कांग्रेस को छत्तीसगढ़ और राजस्थान अपने दो राज्यों की सत्ता गंवानी पड़ी है लेकिन तेलंगाना की सियासी बाजी अपने नाम कर ली है। कर्नाटक के बाद तेलंगाना में कांग्रेस 119 सीटें में से 64 सीटें जीकर दक्षिण भारत के एक और राज्य में पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली है। तेलंगाना में मिली कांग्रेस की जीत और बीआरएस की हार का सियासी प्रभाव सिर्फ दक्षिण की सियासत तक ही सीमित नहीं बल्कि क्षेत्रीय दलों की राजनीति पर भी पड़ेगा। तेलंगाना में बीआरएस को असदुद्दीन ओवैसी का साथ भी नहीं बचा सका और केसीआर सत्ता की हैट्रिक लगाने से चूक गए। ओवैसी भले ही सात सीटें अपनी बचाने में कामयाब रहे लेकिन केसीआर की सत्ता नहीं बचा पाए। कर्नाटक के बाद अब तेलंगाना के नतीजे बताते हैं कि मुसलमानों का भरोसा क्षेत्रीय दलों से उठ रहा है और कांग्रेस की तरफ उनका झुकाव तेजी से बढ़ रहा है। ऐसे सोचने वाली बात यह है कि तेलंगाना में कांग्रेस की जीत क्या अखिलेश यादव के लिए बुरी खबर है? देखा जाय तो मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न तेजी से बदल रहा है। पहले दिल्ली के एमसीडी चुनाव में मुसलमानों ने आम आदमी पार्टी से मूंह मोड़ा और कांग्रेस के पक्ष में वोट किया। मुसलमान यह बात अच्छे से जानते हुए कि मुकाबला भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच है और कांग्रेस चुनावी लड़ाई में नहीं है। मुस्लिमों का कांग्रेस के पक्ष में वोटिंग करना सियासी बदलाव के तौर पर देखा गया। दिल्ली के बाद कर्नाटक के चुनाव में मुसलमानों ने एकमुश्त वोट कांग्रेस के पक्ष में किया और जेडीएस को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया था। जेडीएस ने 23 मुस्लिम कैंडिडेट उतारे थे, लेकिन मुस्लिम इन सीटों पर कांग्रेस के हिंदू कैंडिडेट के पक्ष में वोटिंग किया था। एचडी देवगौड़ा के मजबूत गढ़ पुराने मैसूर क्षेत्र में मुस्लिम मतदाताओं को जेडीएस का कोर वोटबैंक माना जाता था, जहां पर 14 फीसदी मुस्लिम हैं। इस बार के चुनाव में मुस्लिम मतदाता जेडीएस को दरकिनार कर कांग्रेस पार्टी के पक्ष में एकजुट हो गए थे। वहीं, अब मुस्लिमों ने तेलंगाना चुनाव में ओवैसी की पार्टी को पुराने हैदराबाद के इलाके की सीटों पर वोट किया लेकिन तेलंगाना के बाकी इलाके में कांग्रेस के साथ रहे। देश भर के मुस्लिमों की रहनुमाई का दावा करने वाले असदुद्दीन ओवैसी का गृह राज्य तेलंगाना है। ओवैसी ने तेलंगाना में केसीआर का खुलकर समर्थन किया था। मुस्लिमों ने हैदराबाद में उनकी परंपरागत सात सीटों पर भरोसा जताया, लेकिन बाकी हिस्से में उनका जादू मुस्लिमों पर नहीं चला। ओवैसी के सहारे मुस्लिम वोटों की पूरी तरह से मिलने की आस अधूरी रह गई है। मुस्लिम ने बीआरएस का साथ छोड़कर कांग्रेस के पक्ष में वोट किया जबकि सीएम केसीआर ने सत्ता में रहते हुए मुस्लिमों के लिए बहुत सारे काम किए थे। इसके बावजूद मुसलमानों ने बीआरएस के बजाय कांग्रेस को वोट किया। केसीआर ने अलग से आईटी-पार्क, शादी मुबारक जैसी योजना के बाद मुस्लिमों ने राष्ट्रीय राजनीति में कांग्रेस को मजबूत करने के लिए उसी तरह से किनारे कर दिया जिस तरह से कर्नाटक में जेडीएस को किया था। मुसलमानों का वोट एकतरफा कांग्रेस को मिला क्योंकि उन्हें लग रहा है कि राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा से मुकाबला करने में क्षेत्रीय दल से ज्यादा कांग्रेस सक्षम होगी। इसलिए कांग्रेस को मजबूत करने की मंशा से वोट कर रहा है। कांग्रेस तेलंगाना में बीआरएस को भाजपा की बी-टीम होने का आरोप लगाती रही जिसके चलते मुस्लिमों को लगा है कि बीआरएस चुनाव के बाद भाजपा के साथ गठबंधन कर सकती है। इसी तरह कांग्रेस ने कर्नाटक में जेडीएस को भाजपा की बी-टीम बताकर मुस्लिमों के बीच कठघरे में खड़ा कर दिया था। अरविंद केजरीवाल पर भी कांग्रेस ऐसे ही सवाल खड़े करती रही है और उन्हें भाजपा की बी-टीम बताती रही। यह रणनीति कांग्रेस को फायदेमंद नजर आ रही है और मुस्लिमों का क्षेत्रीय दलों से मोहभंग हो रहा है। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा' के बाद कांग्रेस मुस्लिम समुदाय का भरोसा जीतने में लगातार कामयाब होती दिख रही है। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए कांग्रेस पार्टी के लिए तेलंगाना की जीत अच्छी खबर है लेकिन सपा को टेंशन दे दी है। 2022 विधानसभा चुनावों को देखें तो उत्तरप्रदेश में मुसलमानों का एकमुश्त वोट सपा को मिला था। इसी तरह से बिहार में आरजेडी और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी पर भरोसा जताया था। मुस्लिम मतों के बदौलत ही सपा से लेकर आरजेडी और ममता तक सभी क्षेत्रीय दल सत्तासुख भोग रहे हैं हालांकि अब अगर मुसलमानों ने कांग्रेस में वापसी कर ली तो इन क्षेत्रीय दलों की हालत पतली हो जाएगी। अब कांग्रेस की नजर उत्तर प्रदेश पर है और मुस्लिम वोटर्स पर सपा का फिलहाल कब्जा है। कांग्रेस मुस्लिमों का विश्वास जीतने के लिए हरसंभव दांव चल रही है। कर्नाटक, तेलंगाना में जिस तरह से मुस्लिमों ने वहां के क्षेत्रीय दलों के बजाय कांग्रेस पर भरोसा जताया है, वैसे ही अगर उत्तरप्रदेश में भी मुस्लिमों ने कांग्रेस की तरफ रुख करते हैं तो फिर सपा के लिए अपनी सियासी जमीन बचाये रखना मुश्किल होगा। इसकी वजह यह है कि सपा का कोर वोटबैंक यादव और मुस्लिम है। उत्तरप्रदेश में यादव 10 फीसदी तो मुस्लिम 20 फीसदी है। 2022 चुनाव में 87 फीसदी मुस्लिम समुदाय का वोट सपा को वोट मिला था।

मोदी मैजिक में निरर्थक विपक्षी मुद्दे

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

इंडी एलायंस का मंसूबा विफल हुआ । नरेंद्र मोदी को कमजोर समझने की उनकी गलत फहमी दूर हुई।राजस्थान और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के हांथ से निकल गए।मध्यप्रदेश में कांग्रेस पहले से ज्यादा कमजोर हो गई।जातिगत जनगणना का निष्प्रभावी साबित हुआ।विपक्ष ने इसे ट्रम्प कार्ड के रूप में प्रयुक्त किया था।इसके साथ ही लोकसभा चुनाव के लिए विपक्ष के पास अब कोई कारगर मुद्दा नहीं बचा है।इंडी एलायंस सेमी फ़ाइनल में ही निरर्थक हो गया।विपक्षी गठबंधन ने बहुत उम्मीद के साथ अपना नाम बदला था।वस्तुतः यूपीए की बदनामी के चलते उन्हें ऐसा करना पड़ा।गहन विचार विमर्श के बाद उन्होंने ऐसा नाम धरा जिसे शॉर्ट फॉर्म में इंडिया कहा जा सकता था।इसके बाद तो गठबंधन के नेता इंडिया शब्द का ऐसे प्रयोग करने लगे जैसे वह पूरे देश का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।उस समय भी अनेक लोगों ने इंडिया शब्द के चुनावी राजनीति की द्रष्टि से प्रयोग को अनुचित बताया था।कुछ ही महीने में विपक्षी गठबंधन की वास्तविकता सामने आ गई।इन्होंने इडिया शब्द का अनुचित प्रयोग किया था।इनका बिखराव तो पांच राज्यों के चुनाव से पहले ही शुरू हो गया था।अब इनको जनता ने भी आईना दिया है।जातिवाद और परिवारवाद को जनता ने नकार दिया है।जोड़-तोड़ कर इन्होंने अपना नामकरण किया था–इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस। जबकि जनमानस का सभ्यतागत संघर्ष भारत और इंडिया के आसपास केंद्रित है। अंग्रेजों ने हमारे देश का नाम इंडिया रखा। इस नामकरण के चलते विपक्षी दलों की जवाबदेही बढ़ गई थी।अब उन्हें यह बताना चाहिए था कि डेवेलपमेंट के मुद्दे पर उनकी कितनी विश्वसनीयता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त प्रगतिशील गंठबंधन संप्रग को दस वर्ष सरकार चलाने का अवसर मिला। पश्चिम बंगाल में डेढ़ दशक से तृणमूल की सरकार है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार को भी अवसर मिला है। बताया गया कि गठबंधन बैठक मे शामिल हुए दलों की ग्यारह प्रदेशों में सरकारें हैं। लेकिन बिडम्बना य़ह कि किसी ने भी अपनी सरकार के विकास कार्यों पर एक शब्द भी नहीं कहा। नरेन्द्र मोदी ने विपक्षी गठबंधन को घमण्डीया नाम दिया था।उन्होंने कहा था कि अगर सपनों को पूरा करना है, संकल्पों को सिद्ध करना है, तो भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ पूरे सामर्थ्य के साथ लड़ना होगा। पहली बुराई भ्रष्टाचार है जो हमारे देश की सभी समस्याओं की जड़ में है। भ्रष्टाचार से मुक्ति के लिए हर क्षेत्र और हर सेक्टर में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई समय की मांग है।दूसरी बुराई वंशवादी राजनीति है।वंशवादी व्यवस्था ने देश को जकड़ लिया था और देश के लोगों के अधिकार छीन लिए थे। तीसरी बुराई तुष्टिकरण है।तुष्टिकरण ने देश की मूल सोच,समरस राष्ट्रीय चरित्र पर भी दाग लगाया है। इन लोगों ने सब कुछ नष्ट कर दिया, और इसलिए इन तीन बुराइयों के विरुद्ध अपनी पूरी शक्ति से लड़ना होगा। भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण; ये चुनौतियां पनपीं जिन्होंने हमारे देश के लोगों की आकांक्षाओं को दबा दिया। दूसरी तरफ विपक्षी नेताओं ने जातिगत जनगणना को सबसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाया था।इसके अलावा वह लोकतंत्र और संविधान पर हमले के आरोप लगा रहे थे। उनका कहना था कि भारत की संस्थाओं पर हमला हो रहा है। हमारी लड़ाई बीजेपी की विचारधारा के खिलाफ है। ये लड़ाई इंडिया बनाम बीजेपी है। ये इंडिया बनाम पीएम मोदी की लड़ाई है।विपक्षी नेता कथित रूप से देश को बचाने के लिए बेकरार थे। कह रहे थे कि एक तरफ देश को नफरत से बचाना है और दूसरी तरफ एक नए इंडिया का सपना लेकर हम सब इकट्ठा हुए हैं। नरेंद्र मोदी सरकार की बेमिसाल उपलब्धियों के सामने विपक्षी दलीलें निरर्थक साबित हुई।जबकि दो वर्ष कोरोना आपदा में बीते।उसके बाद अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाना दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। मगर भारत की अर्थव्यवस्था अब भी विकास की राह पर है। बीस लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज के सहारे भारत की विकास यात्रा को नई गति मिली है तथा देश आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ा है।आजादी के बाद सात दशकों में देश के केवल साढ़े तीन करोड़ ग्रामीण घरों में ही पानी के कनेक्शन थे। लेकिन नरेंद्र मोदी के शासन में साढ़े चार करोड़ घरों को साफ पानी कनेक्शन दिए गए हैं। दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य योजना आयुष्मान लागू की गई। इसके दायरे में पचास करोड़ लोग हैं। साढ़े नौ सालों में भारत ने डिजिटल लेनदेन में दुनिया को नई दिशा दिखाने का काम किया है। रिकॉर्ड सैटेलाइट प्रक्षेपित किये जा रहे हैं। रिकॉर्ड सड़कें बनाई जा हैं। दशकों से लंबित अनेक योजनाएं पूरी की गई हैं। अनेक पुराने विवाद भी पूरी शांति और सौहार्द से सुलझाए गए हैं। पूर्वोत्तर से लेकर कश्मीर तक शांति और विकास का एक नया भरोसा जगा है। कोरोना काल में अस्सी करोड़ लोगों को निशुल्क राशन की व्यवस्था की गई। जन औषधि दवा केन्द्र की संख्या अस्सी से बढ़कर पांच हजार हो गई। करीब सवा सौ नये मेडिकल कालेज खुले हैं। यूपीए के दस वर्ष में भारतीय रेल ने मात्र चार सौ तेरह रेल रोड ब्रिज और अंडर ब्रिज का निर्माण किया। मोदी सरकार ने इससे तीन गुना अधिक निर्माण किया। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के पन्द्रह करोड़ से ज्यादा लाभार्थी हैं। यह दुनिया की सबसे सस्ती योजना है। बिजली उत्पादन में चालीस प्रतिशत वृद्धि हुई। सोलर ऊर्जा में आठ गुना वृद्धि हुई। फसल बीमा योजना का लाभ पहले पचास प्रतिशत नुकसान पर मिलता था। अब किसान को तैतीस प्रतिशत पर भी मिल जाता है। सरकार ने यूरिया को नीम कोटेड किया जिससे इसकी कालाबाजारी खत्म हुई। देश मे अब यूरिया की कोई कमी नहीं होती। पिछली सरकारों के समय बावन सेटेलाईट लॉन्च किये गए थे। मोदी सरकार अब तक देशी-विदेशी करीब तीन सौ सेटेलाईट लॉन्च कर चुकी है। यूपीए के समय ग्रामीण सड़क से जुड़ी बस्तियां पचपन प्रतिशत थीं। अब करीब पंचानबे प्रतिशत हैं।

नरेंद्र मोदी सरकार ने चालीस करोड़ लोगों के जनधन खाते खुलवाए। पहले ये लोग बैंकिंग सेवा से वंचित थे। आयुष्मान, उज्ज्वला और निर्धन आवास योजनाएं संचालित की गई। देश खुले में शौच से मुक्त हो गया। राजीव गांधी ने प्रधानमंत्री रहते हुए कहा था कि सरकारी योजनाओं के एक रुपये में से केवल पन्द्रह पैसा ही गरीबों तक पहुंचता है।

मुफ्त राशन योजना के विस्तार के निहितार्थ

डॉ.दीपकुमार शुक्ल

केन्द्र सरकार द्वारा प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) को एक जनवरी 2024 से अगले पांच वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया है। सरकार के इस फैसले की जानकारी देने वाले केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मन्त्री अनुराग ठाकुर के अनुसार उपरोक्त योजना पर 11.80 लाख करोड़ रूपये व्यय होगा तथा 81.35 करोड़ देशवासी लाभान्वित होंगे। गौरतलब है कि इस योजना की शुरुआत वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के समय तब हुई थी जब लॉक डाउन के चलते लोगों के काम-धन्धे बन्द हो गये थे तथा रोज खाने कमाने वालों के सामने भूखों मरने की नौबत आ गयी थी। प्रारम्भ में यह योजना मात्र तीन महीने (अप्रैल मई और जून 2020) के लिए लागू हुई थी। तब देश की 80 करोड़ आबादी को इस योजना का पात्र बनाया गया था। जून के बाद इसे अगले तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया था। तदोपरान्त पुनः तीन-तीन महीने और फिर छै-छै महीने करके 2022 तक यह योजना निर्बाध रूप से चलती रही। एक जनवरी 2023 को इस योजना को नया रूप देते हुए एक वर्ष के लिए पुनः विस्तार दे दिया गया। इससे पहले कि दिसम्बर में इसकी अवधि समाप्त होती, एक जनवरी 2024 से अगले पांच वर्ष के लिए अग्रिम रूप से इसे बढ़ा दिया गया है।

प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना के पात्र व्यक्तियों की यदि बात करें तो अन्त्योदय अन्न योजना के अन्तर्गत कवर किये गये परिवार, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कवर किये गये परिवार, प्रधानमन्त्री उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन प्राप्त करने वाले परिवार, घरेलू मजदूर, निर्माण कार्य मजदूर, आटो-रिक्शा चालक, शहरी बेरोजगार मजदूर तथा ऐसे परिवार जो गरीबी रेखा से नीचे आते हैं वे सभी इस योजना के पात्र हैं। कोई ऐसा परिवार जिसकी मुखिया विधवा हो या घर का सदस्य लाइलाज बीमारी से जूझ रहा हो, दिव्यांग व्यक्ति, 60 वर्ष से अधिक आयु का व्यक्ति, जिसके पास आय या सामाजिक समर्थन के लिए कोई स्रोत नहीं है। वे भी मुफ्त अन्न पाने के हकदार हैं।आज जब कोरोना संकट की भयावयता समाप्त हो चुकी है। जिन्दगी ने अपनी गति पकड़ ली है। तब फिर मुफ्त अन्न वितरण की अवधि को अगले पांच वर्ष के लिए बढ़ाना भला किस उद्देश्य की पूर्ति करता है? सरकारी आंकड़ों की यदि माने तो प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना के उपरोक्त पात्रों की संख्या 2020 में 80 करोड़ थी जो अब बढ़कर 81.35 करोड़ हो गयी है। जबकि सूचना एवं प्रसारण मन्त्री अनुराग ठाकुर यह भी बताते हैं कि बीते पांच वर्षों में 13.50 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं। अर्थात प्रतिवर्ष लगभग 2.70 करोड़ लोग गरीबी से मुक्त हो रहे हैं। इस हिसाब से 2020 से अब तक 8 करोड़ से भी अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आये होंगे। वहीँ 2020 से 2023 के बीच प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना के पात्रों की संख्या 80 करोड़ से बढ़कर 81.35 करोड़ हो गयी है। तब फिर 8 करोड़ से अधिक वे कौन लोग हैं जो इन तीन वर्षों में गरीबी रेखा से बाहर आये हैं? यहाँ यह भी प्रश्न उठता है कि 2020 में प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना के पात्र बनाये गये 80 करोड़ लोगों के पास उसके पूर्व आय का क्या स्रोत था, जिससे उनकी उदर पूर्ति होती थी? यदि उनके पास कोई रोजगार था और वह कोरोना संकट के चलते बन्द हो गया था तब फिर उसे पुनः चालू करवाने के लिए क्या प्रयास किये गये? या फिर मात्र प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना की शुरुआत करके कर्तव्य की इतिश्री कर ली गयी। 2028 के बाद क्या फिर से इस योजना को बढ़ाया जायेगा या फिर इन पांच वर्षों में ऐसा कुछ किया जायेगा, जिससे ये गरीब लोग मुफ्तखोरी से मुक्त होकर स्वयं के पैरों पर खड़े हो जायेंगे? गरीबी जैसी समस्या का समाधान मुफ्त अन्न योजना से भला कैसे सम्भव है। उलटे लोगों में अकर्मण्यता तथा आलस्य की कुवृत्ति बढ़ेगी। मुफ्त राशन योजना की जमीनी हकीकत क्या है, इसका अन्दाजा गली-गली 18 से 20 रुपये प्रति किलो की दर से चावल खरीदने वालों को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है।

यह वही चावल होता है जो प्रधानमन्त्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लोगों को मिलता है। जिसे बेंचकर ये तथाकथित गरीब शराब और जुएँ पर ही अधिक उड़ाते हैं। देशी शराब के ठेकों पर जुटने वाली भीड़ में सर्वाधिक संख्या इन्हीं तथाकथित गरीबों की होती है। बेहतर होता कि गरीब कल्याण योजना के तहत रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर लोगों को अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक किया जाता। सस्ती दर पर राशन उपलब्ध करवाना भी एक विकल्प हो सकता है।

भारत को अपने बुने जाल में लपेटने की अमेरिकी कोशिश

राज सक्सेना

किसी अपवाद को छोड़ दें तो अमेरिका का यह रिकार्ड रहा है कि उसने अपने मित्रों को सदैव किसी न किसी मुकाम पर आकर या तो धोखा दिया है या फिर मुसीबत में तमाशा देखने के लिये, उसे जिस हाल में वह है उसी हाल में छोडकर अलग खड़ा होता रहा है। अमेरिका के बारे में यह भी कहा जाता है कि ऐसा कोई सगा नहीं है, जिसको उसने ठगा नहीं है। वह किसी का स्थायी दोस्त न तो हो सका है, न ही होना चाहता ही है। यह बात गुरुपतवंत सिंह पन्नू के सन्दर्भ में भी जो भारत का घोषित खालिस्तान समर्थक आतंकवादी है और जिसे जिन्दा या मुर्दा पकड़ने के लिये भारत सरकार ने एक आकर्षक इनाम भी घोषित भी कर रखा है, सही साबित होती है। कनाडा के माध्यम से भारत पर निज्झर की हत्या का आरोप लगाकर कनाडा के साथ अपनी भी किरकिरी करा चुका अमेरिका अब खुद मैदान में उतर आया है, और उसने 29 नवम्बर को एक न्यायालय में अपनी पुलिस के माध्यम से किसी गुप्ता के ऊपर भारत सरकार के इशारे पर पन्नू की हत्या की साजिश रचने की जो चार्ज शीट दाखिल की है और उसे नेट पर उपलोड किया है, को सरसरी नजर से भी अध्ययन करने पर वह किसी थर्ड ग्रेड की किसी फिल्म की पटकथा से कम नहीं है जिसकी पहली पंक्ति पढ़ते ही पूरी कहानी समझ में आ जाती है। चार्जशीट के अनुसार किसी गुप्ता से कोई व्यक्ति मिलता है और स्वयं का परिचय भारत के एक सरकारी जासूस के रूप में देकर उसे खालिस्तानी गुरुपतवंत सिहं को मारने के लिए एक लाख डालर की पेशकश करता है जिसे गुप्ता स्वीकार कर चेक गणराज्य में बैठे किसी गुप्ता नामके भारत के अपराधी से टेलीफोन पर सम्पर्क कर उसे भारत के गुजरात में चल रहे किसी केस से बरी कराने का आफर देकर पन्नू की हत्या को तैयार कर लेता है मगर कहानी में ट्विस्ट यह है कि जिस व्यक्ति के माध्यम से अमेरिका में बैठा गुप्ता दूसरे गुप्ता से सम्पर्क करता है, वह अमेरिकन सरकार का आदमी है और वह अमेरिकन सरकार को सूचित कर देता है और अमेरिका में बैठे गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाता है। न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी जाती है और भारत सरकार को सूचित कर दिया जाता है। बीच में बहुत साधारण तरीके से पन्द्रह हजार डालर इस गुप्ता द्वारा दूसरे गुप्ता को बैंक ट्रांसफर द्वारा हत्या के लिए एडवांस भी दिए जाते हैं। बस इतनी सी घटिया पटकथा है जिस पर भारत के शर्लाक होम्स डोभाल ने संज्ञान ले लिया है और शीघ्र ही दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। भारत में अगले कुछ महीनों में मई 24 के आसपास आम चुनाव होने वाला है इसलिए अमेरिका इस चुनाव में अपने चेले वैश्विक चरमपंथी जॉर्ज सोरोस के माध्यम से अपना असली रंग दिखाने की तैयारी कर रहा है। अमेरिका नहीं चाहता कि अन्य देशों यथा चीन की तरह भारत भी उसका प्रतिद्वंद्वी और राह का काँटा बनकर उभर सके। सच बात तो यह भी है कि भारत में अमेरिका मोदी जैसा सशक्त प्रधानमंत्री भी नहीं चाहता क्योंकि मोदी प्रखर राष्ट्रवादी और देशहित की सोच रखकर ही देश को एक अलग सांचे में ढाल रहे हैं। तात्कालिक परिस्थितियों के चलते अमेरिका 1945 में एक बड़ी शक्ति बनकर उभरा था।

कमाल की इंसानियत

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आज के समय में इंसानियत ढूँढ़ना मतलब पानी पर पानी लिखने जैसा काम है। काश इंसानियत का नाम महंगाई होता हर जगह देखने को मिल जाती। मगर वो कहते है न, कि जब जब लोगो का इंसानियत पर से विश्वास उठा है, तब तब कोई न कोई सच्चा इंसान सामने आकर लोगो में इंसानियत का अलख बनकर जल उठता है। बहरहाल आज हम आपको एक ऐसी ही इंसानियत की निशानी वाली कहानी से रूबरू करवाना चाहते है। ये इंसानियत की कहानी उन हजारों बेरहमों के लिए एक मिसाल है, जो आज भी इंसानियत का खून करते हैं। चुनाव का मौसम था रिक्शा चलाने वाले रामू काका कड़ी दुपहरिया में पेट पालने के लिए मजबूर थे।

बदन ऐसा कि उनका साथ नहीं दे रहा था। इसी रिक्शा से उन्होंने अपने बच्चों को पढ़ाया-लिखाया, काबिल बनाया, बच्चे थे कि उन्हें धक्के मारकर घर से बाहर निकाल दिया।जब से साँप आस्तिन में ज्यादा और धरती पर कम रहने लगे हैं, तब से ये घटनाएँ आम हो चली हैं। रामू काका हमेशा रोया करते थे। बच्चों ने उन्हें दूध में से मक्खी की तरह बाहर कर दिया था। एक वक्त था उनके लिये पैसे मायने नहीं रखते। बच्चों को ही सब कुछ समझते थे। बच्चे थे कि पैसों के सिवाय किसी और चीज़ को नहीं समझते थे। उन्होंने सोचा भी नहीं था एक दिन ऐसा आएगा जब उनके पास न पैसे होंगे ना ही कोई काम। ऐसे में हाथ जोड़ते हुए एक दिन एक आदमी आया और उसने बिना किसी सवाल-जवाब के अगले दो महीने के लिए रामू काका के खाने-पीने और दूसरी जरूरतों की जिम्मेदारी ले ली।

उसे पता था की रामू काका बेसहारा हैं पर उसने काका की आंखो का दर्द देख लिया था। उसको लोगों ने कहा कि तुम काका की मदद क्यों करते हो उन्हें तो उनके बेटे तक नहीं पूछते। ऐसे में तुम क्यों तकलीफ उठाते हो। आदमी था कि लोगों की बात अनसुना कर रामू काका की मदद करने लगा। लेकिन फिर वह कई सालों के लिए गायब हो गया। रामू काका ने न जाने उसकी क्या मदद की थी कि वह फिर कुछ सालों के बाद आया और उसी तरह उनकी मदद करने लगा। उसकी मदद किसी इंसानियत से कम नहीं थी। रामू काका उस चातक की तरह हो चुके थे जो उस आदमी को अपना घनश्याम मानने लगे। वह कई सालों में एक बार आकर दो-तीन महीने मदद करता और फिर गायब हो जाता। वैसे जानते हैं वह आदमी कौन था ......और कोई नहीं वही जो हर पाँच साल में नेता बनकर आता है।

भगवान कृष्ण की लगाएं इन चीजों का भोग

धन-धान्य से भरा रहेगा भंडार

मार्गशीर्ष माह को लेकर लोगों की अपनी-अपनी मान्यताएं हैं। यह महीना श्री कृष्ण की पूजा के लिए समर्पित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस पूरे महीने भगवान कृष्ण की आराधना करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। अगर आप भी कान्हा की कृपा पाना चाहते हैं, तो उनकी पूजा सच्चे दिल से करें। साथ ही ज्योतिष शास्त्र में बताए गए कुछ उपायों को भी आजमाएं, जिनके बेहतर परिणाम आपको जल्द देखने को मिल जाएंगे। ऐसे में आज हम इस महीने भगवान कृष्ण को प्रसन्न करने के लिए क्या भोग लगाना चाहिए इसके बारे जानेंगे,

माखन-मिश्री

मार्गशीर्ष महीने में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा का विधान है। ऐसे में अगर इस माह उन्हें माखन-मिश्री का भोग लगाया जाए, तो वे बेहद प्रसन्न होते हैं, क्योंकि यह उनका सबसे प्रिय भोग है। इस पवित्र भोग से कान्हा की पूर्ण कृपा प्राप्त होती है।

धनिया की पंजीरी

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अगर आर्थिक तंगी से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो इस मार्गशीर्ष महीने में भगवान श्रीकृष्ण को धनिया की पंजीरी का भोग लगाएं। ज्योतिष शास्त्र में धनिया को धन का प्रतीक माना गया है। ऐसे में इस भोग को चढ़ाने से धन संबंधी आपकी सभी मुश्किलें धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगी।

पंचामृत

श्रीकृष्ण को पंचामृत चढ़ाना अति शुभ माना गया है। कहा जाता है कि इसके बिना भगवान कृष्ण का भोग और पूजा अधूरी रहती है। ऐसे में अगर इस महीने आप गोपाल को चरणामृत का भोग लगाते हैं, तो आपके जीवन की हर मुश्किलों का अंत हो जाता है। साथ ही ग्रह पीड़ा से मुक्ति मिलती है।

मार्गशीर्ष माह को लेकर लोगों की अपनी-अपनी मान्यताएं हैं।

मार्गशीर्ष का महीना श्री कृष्ण की पूजा के लिए समर्पित है।

मार्गशीर्ष माह में श्री कृष्ण की पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है।

केदारनाथ के कपाट बंद होने के बाद

अब कहां होंगे भोलेनाथ के दर्शन, जानें इस मंदिर के बारे में

देवभूमि उत्तराखंड में वैसे तो भगवान शिव के कई मंदिर हैं, जो अपनी पौराणिकता, पूजन विधि और मान्यता के लिए जाने जाते हैं, लेकिन ऊखीमठ में स्थित ओंकारेश्वर मंदिर अपनी संरचना के साथ-साथ भोलेनाथ के शीतकालीन गद्दी स्थल के लिए भी जाना जाता है। रुद्रप्रयाग जिले की केदारघाटी स्थित ऊखीमठ में ओंकारेश्वर मंदिर स्थित है, जो भगवान मध्यमहेश्वर/मद्महेश्वर के साथ साथ केदारनाथ जी का भी शीतकालीन गद्दी स्थल है। गर्मियों में जहां बाबा केदार और मध्यमहेश्वर की डोली श्री केदारनाथ धाम और मध्यमहेश्वर धाम में विराजित रहती है, वहीं सर्दियों में बर्फबारी के कारण इन मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और उनकी डोलियां ऊखीमठ में स्थित ओंकारेश्वर मंदिर में आ जाती हैं। केदारनाथ धाम और मध्यमहेश्वर धाम के कपाट बंद होने के बाद आप यहां भोलेनाथ के दर्शन कर सकते हैं।

ओंकारेश्वर मंदिर से जुड़ी हैं कई मान्यता

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस मंदिर में बाणासुर की बेटी ऊषा और भगवान श्रीकृष्ण के पोते अनिरुद्ध की शादी हुई थी। मंदिर से संबंधित दूसरी अन्य पौराणिक कथा भी है। मंधाता सम्राट और भगवान राम के पूर्वज ने सांसारिक सुखों को छोड़कर यहां एक पैर पर खड़े होकर 12 वर्षों तक तपस्या की थी। उनकी तपस्या के अंत में भगवान शिव में उन्हें ओमकार (ओम की आवाज) के रूप में दर्शन दिए थे, तब से मंदिर का नाम ओंकारेश्वर मंदिर के नाम से जाना जाता है।

धारत्तुर परकोटा शैली में बना दुनिया का एकमात्र मंदिर

मंदिर के पुजारी शिव शंकर लिंग बताते हैं कि ओंकारेश्वर मंदिर भगवान केदारनाथ और बाबा मद्महेश्वर का शीतकालीन गद्दी स्थल है। यह अपनी विशेष शैली में बने होने के कारण आकर्षण का केंद्र बना रहता है क्योंकि यह दुनिया का एकमात्र मंदिर है, जो धारत्तुर परकोटा शैली में बना है। ओंकारेश्वर मंदिर चारों ओर प्राचीन भव्य भवनों से घिरा है, जिसकी छत पठाल यानी चपटे पत्थर से बनी है। वह आगे बताते हैं कि मंदिर में प्रवेश से पहले मुख्य द्वार पर सिंहद्वार बना हुआ है, जो मंदिर में प्रवेश करने का एकमात्र रास्ता है। बेहतरीन नक्काशी वाला यह द्वार खूबसूरती में बद्रीनाथ धाम के मुख्य प्रवेश द्वार के बाद दूसरा स्थान रखता है।

क्या घर की छत पर केले का पेड़ लगा सकते हैं, क्या कहता है वास्तु शास्त्र

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में पेड़-पौधे लगाने से नकारात्मकता दूर होती है। यह पेड़-पौधों के लिए शुभ माना जाता है। उसी प्रकार केले का पेड़ भी वास्तु के अनुसार शुभ माना जाता है। कई लोग केले के पेड़ को अपने घर की बालकनी में लगाते हैं तो कई लोग छत पर। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने बताया कि केले का पेड़ छत पर लगाया जा सकता है या नहीं। इसके बारे में सही जानकारी प्राप्त करें।

क्या छत पर केले का पौधा लगाना उचित है?

केले के पेड़ से भगवान विष्णु का सीधा संबंध है। ग्रहों में केले का पेड़ बृहस्पति से सम्बंधित है। घर की छत पर राहु है। ऐसे में ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बृहस्पति और राहु को एक साथ नहीं होना चाहिए, इससे बृहस्पति कमजोर होता है। धार्मिक कथाओं में माना जाता है कि भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण करके राहु का दमन किया था। केले से भगवान विष्णु और गुरु का संबंध माना जाता है। ग्रह गणना के अनुसार राहु के साथ बृहस्पति भी नीच राशि में है। ऐसे में लोग ग्रहों की गणना और धार्मिक मान्यताओं को लेकर दुविधा में रहते हैं। छत पर केले का पौधा लगाएं,

फिर दोनों दर्शन करें

अगर आप अपनी छत को सजाने के लिए केले का पौधा लगाना चाहते हैं तो इसे भूलकर भी न लगाएं। ऐसा करने से आपका बृहस्पति कमजोर हो जाएगा, जिससे आपके जीवन पर संकट के बादल मंडराने लगेंगे। अगर आप केले की पूजा करना चाहते हैं तो इसे छत पर लगा सकते हैं।

तुलसी मां पर जल चढ़ाते समय इन मंत्रों का करें उच्चारण घर में आएगी सुख-समृद्धि, यह है उचित समय

सुबह-सुबह स्नान करने के बाद तुलसी के पौधे पर जल अर्पित करना चाहिए और जल अर्पित करते समय इन मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि तुलसी में अर्पित करते समय इन दो मंत्रों का उच्चारण जरूर करना चाहिए पहले मंत्र है। 'ऊं ऊं' मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र को 11 से 21 बार जाप करने से धन का लाभ होता है। दूसरा मंत्र 'ऊं सुभद्राय नमः' मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र के जाप से बुरी नजरों से छुटकारा मिलता है। रोजाना तुलसी पर जल अर्पित करने से आर्थिक तंगी दूर होने लगती है। धन प्राप्ति का योग बनता है। तुलसी का पौधा लगाने की सही दिशा ये होती है। तुलसी के पौधे को घर में उत्तर या उत्तर पूर्व दिशा में लगाना शुभ होता है। तुलसी के पौधे पर घी का दीपक जलाना सबसे शुभ माना जाता है। तुलसी पर दीपक जलाने से दरिद्रता दूर होती है।

किस समय चढ़ाएं तुलसी में जल?

शास्त्रों के अनुसार, सूर्योदय के समय तुलसी के पौधे में जल चढ़ाना उत्तम माना जाता है। इसलिए स्नान के बाद सूर्योदय के समय तुलसी में जल चढ़ाएं। ऐसा करने से घर में सुख-समृद्धि आती है और आर्थिक संकट से निजात मिलती है। इसके साथ ही घर का वातावरण सही रहता है। जल चढ़ाने के बाद सिंदूर, अक्षत लगाने के साथ तुलसी की ही कुछ पत्तियां तोड़कर अपने माथे में छुआकर जड़ के पास अर्पित कर दें। पत्तियों का भोग लगाने के साथ मिश्री, शक्कर, गुड़ या फिर मिठाई से भोग लगाएं। इसके बाद जल चढ़ाएं। जल चढ़ाने के बाद घी का दीपक और धूप जलाकर आरती कर लें। अंत में भूल चूक के लिए माफी मांग लें। इसके बाद जड़ के पास की मिट्टी थोड़ी सी लेकर माथे में लगा लें। शाम में समय नियमित रूप से घी का दीपक जलाएं।

कपूर के साथ इन चीजों को जलाने से होता है धन लाभ

हर कोई अपने जीवन में सुख शांति और धन लाभ चाहता है इसके लिए लोग कई तरह के प्रयास भी करते हैं लेकिन फिर भी अगर आपको परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है तो इसका कारण घर में फैली नकारात्मकता हो सकती है। जिसके होने पर परिवार के सभी कार्यों में अड़न आती है साथ ही साथ आर्थिक तंगी जैसी समस्याओं से भी गुजरना पड़ता है ऐसे में आज हम आपको कपूर से जुड़े कुछ रामबाण उपाय बता रहे हैं जिन्हें करने से घर की नकारात्मकता दूर हो जाती है साथ ही साथ आर्थिक स्थिति में भी सुधार होने लगता है तो आइए जानते हैं कि वो कौन से उपाय हैं।

कपूर से जुड़े आसान उपाय-

ज्योतिष अनुसार लौंग और कपूर को एक साथ जलाने से घर की सभी परेशानियों से राहत मिलती है अगर इन दोनों को एक साथ जलाकर घर में चारों ओर धुमाया जाए तो घर की नकारात्मकता बाहर चली जाती है और सकारात्मकता का संचार होता है जिससे सुख शांति और समृद्धि आती है। वही इसके अलावा रोजाना सुबह गुलाब का फूल और कपूर को एक साथ जलाने से घर के आस पास बुरी आत्मा नहीं आती है और तरक्की में आने वाली अड़चने भी दूर हो जाती है। परिवार में शांति का माहौल होता है। गृहक्लेश और आर्थिक समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए रोजाना घर के मंदिर में कपूर और घी को एक साथ जलाएं। ऐसा करने से सभी दोष से मुक्ति मिलती है साथ ही धन लाभ के योग भी बनने लगते हैं। कपूर और चमेली का तेल भी धन संबंधी समस्याओं को दूर करता है और परिवार में खुशहाली लेकर आता है। इसके अलावा घर की सुख शांति और समृद्धि के लिए पीपल के पत्तों में कपूर को रखकर सुबह शाम जलाएं। इससे समाज में मान सम्मान बढ़ता है और मानसिक तनाव दूर हो जाता है।

हवन पूजन करते समय दिशा और नियम का रखें खास ध्यान

सनातन धर्म में पूजा पाठ और हवन को बेहद महत्वपूर्ण माना गया है मान्यता है कि जिस घर में रोजाना देवी देवताओं की पूजा अर्चना होती है वहां ईश्वर का आशीर्वाद बरसाता है और जीवन खुशहाल रहता है। इसके अलावा हिंदू धर्म में पूजा पाठ के साथ साथ हवन को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। सभी मांगलिक कार्यों से लेकर व्रत, पर्व, त्योहारों आदि में हवन कराया जाता है। लेकिन बहुत कम ही लोग हैं जिन्हें हवन पूजन से जुड़े नियमों की सही जानकारी है ऐसे में आज हम आपको अपने इस लेख द्वारा हवन से जुड़ी अहम जानकारी से अवगत करा रहे हैं तो आइए जानते हैं।

हवन पूजन से जुड़े नियम-

वास्तु की मानें तो हवन कराने से देवी देवता प्रसन्न हो जाते हैं और आशीर्वाद प्रदान करते हैं इसके साथ ही घर का माहौल भी शुद्ध और सकारात्मक बना रहता है। वास्तु अनुसार हवन कराने के लिए हमेशा ही घर के अग्नि कोण यानी दक्षिण पूर्व दिशा का ही चुनाव करना चाहिए। इसके अलावा हवन करने वाले व्यक्ति का मुख दक्षिण पूर्व की ओर ही होना चाहिए इसे शुभ माना गया है। अगर सही दिशा में हवन करते है तो इससे शुभ फलों की प्राप्ति होती है और घर में मौजूद नकारात्मकता दूर हो जाती है साथ ही समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है। इसके अलावा हवन कराते वक्त एक अंगूठे से अधिक मोटी समिधा का प्रयोग नहीं करना चाहिए ना ही समिधा दस अंगुल लंबी हो। हवन में काले तिल का प्रयोग जरूर करें। इसके अलावा हवन कुंडमें आग के लिए हमेशा ही आम की लकड़ी का इस्तेमाल ही करें। इसके अलावा आप चंदन या ढाक, पीपल की लकड़ी का भी प्रयोग कर सकते हैं इन्हें शुभ माना गया है। हवन में अक्षत का प्रयोग करना भी जरूरी होता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि हवन में देवताओं को तीन बार अक्षत अर्पित करें तो वही पितरों को एक बार करना उचित होता है।

CID इंस्पेक्टर फ्रेडरिक्स का निधन

5 दिन पहले हॉस्पिटल में हुए थे एडमिट, वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे दिनेश, मौत का कारण बना मल्टीपल ऑर्गन फेलियर

सोनी टीवी के मशहूर टीवी शो सीआईडी में इंस्पेक्टर फेडरिक्स का रोल प्ले करने वाले एक्टर दिनेश फड़नीस का निधन हो गया है। इस बात की कन्फर्मेशन दिनेश के दोस्त और को-स्टार दयानंद शेट्टी ने दी है। दयानंद ने कहा, 'दिनेश काफी वक्त से बीमार चल रहे थे। उन्हें हार्ट अटैक नहीं आया था। कुछ हेल्थ प्रॉब्लम थी। वो खुद ही हॉस्पिटल जाकर एडमिट हो गए थे। एडमिट होने के बाद जब उन्होंने ट्रीटमेंट लेना शुरू किया तब दूसरे कॉमप्लिकेशन होने शुरू हो गए।' वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो 57 साल के दिनेश के निधन की वजह मल्टीपल ऑर्गन फेलियर रही। उन्होंने सोमवार रात करीबन 12 बजे मुंबई के तुंगा अस्पताल में आखिरी सांस ली।

उनका अंतिम संस्कार मंगलवार दोपहर मुंबई के बोरीवली ईस्ट में किया जाएगा।

दयानंद के अनुसार, अस्पताल में भर्ती किए जाते वक्त दिनेश की हालत नाजुक थी। उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। हालांकि, 1 दिन बाद दिनेश की हालत में सुधार देखने को मिला था। उनकी बॉडी अच्छी तरह रिस्पॉन्ड कर रही थी। घरवालों और करीबियों को उम्मीद थी कि वो जल्द ठीक होकर घर लौटेंगे।

दया ने आगे कहा, 'उनके साथ जब भी रहते, वो हमें काफी हंसाते थे। वे टीम के सबसे लाडले सदस्य हुआ करते थे। मेरी और उनकी दोस्ती बहुत साल पुरानी थी। उनके साथ जब भी रहते तो हमारी हंसी कभी नहीं रुकती थी। वो हमेशा हंसते रहते थे, यही उनकी खासियत थी। वो बहुत स्पेशल सोल थे। उनके साथ कई सारी स्पेशल मेमोरीज हैं। आज बस उन मेमोरीज को हम सिर्फ याद कर सकते हैं।'

सीआईडी शो से मिली थी पहचान

दिनेश फड़नीस को साल 1998 में शुरू हुए टेलीविजन शो सीआईडी से खास पहचान मिली थी। शुरुआती कुछ एपिसोड्स में उन्होंने सख्त पुलिस इंस्पेक्टर फेडरिक्स का रोल प्ले किया था, हालांकि बाद में उन्हें बतौर कॉमेडियन पेश किया जाने लगा। ये शो साल 2018 तक सोनी टीवी पर टेलीकास्ट हुआ है। कोविड लॉकडाउन के दौरान भी सीआईडी के कुछ एपिसोड री-टेलीकास्ट किए गए थे। टीवी शोज के अलावा दिनेश मराठी फिल्मों का भी अहम हिस्सा हैं। दिनेश ने 'सरफरोश' और 'मेला' जैसी फिल्मों में भी काम किया था।

'फाइटर' से ऋतिक रोशन का फर्स्ट लुक सामने आया

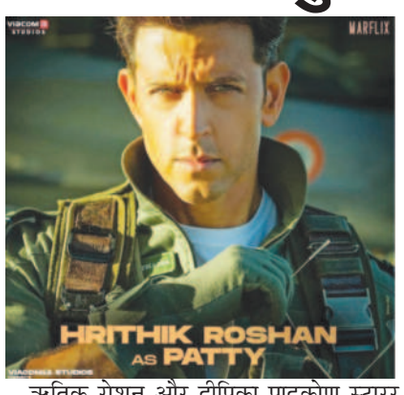

ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म 'फाइटर' आजकल सुर्खियों में है। यह फिल्म भारत की पहली हवाई एक्शन फिल्म होगी। हाल ही में ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर फिल्म से अपना फर्स्ट लुक शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन लिखा- स्क्वाड्रन लीडर शमशेर पठानिया उर्फ पैटी। साथ ही अपना डेजिग्नेशन और यूनिट भी रिवील की।

ऋतिक रोशन इस स्क्वाड्रन पायलट के लुक में काफी जंचते नजर आए। बी-टाउन सेलेब्स ने भी उनका यह लुक देखकर तारीफ की। एक्टर-डायरेक्टर फरहान अख्तर ने ऋतिक के पोस्ट पर लिखा- शार्प लुक। वहीं पूजा हेगड़े ने लिखा- इतने अच्छे कैसे दिख रहे हैं आप। ऋतिक की गर्लफ्रेंड सबा आजाद ने भी कमेंट किया- गो पैटी।

फिल्म गणतंत्र दिवस के मौके पर रिलीज होगी

15 अगस्त को फिल्म का 'स्पिरिट ऑफ फाइटर' नाम से टीजर रिलीज हुआ था। इस 57 सेकेंड के टीजर में ऋतिक, दीपिका और अनिल कपूर के एयरफोर्स ऑफिसर लुक सामने आए थे। सिद्धार्थ आनंद के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 25 जनवरी को रिलीज होगी। सिद्धार्थ आनंद ने 2021 में इस फिल्म की अनाउंसमेंट की थी।'फाइटर' में पहली बार ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण साथ नजर आएंगे। इनके अलावा इस फिल्म में करण सिंह ग्रोवर और अक्षय ओबरॉय भी दिखेंगे।

शाहरुख के साथ काम करना चाहती हैं जोया अख्तर

कहा- जरूरी यह है कि उनके लिए सही फिट, सही फिल्म और सही किरदार भी हो

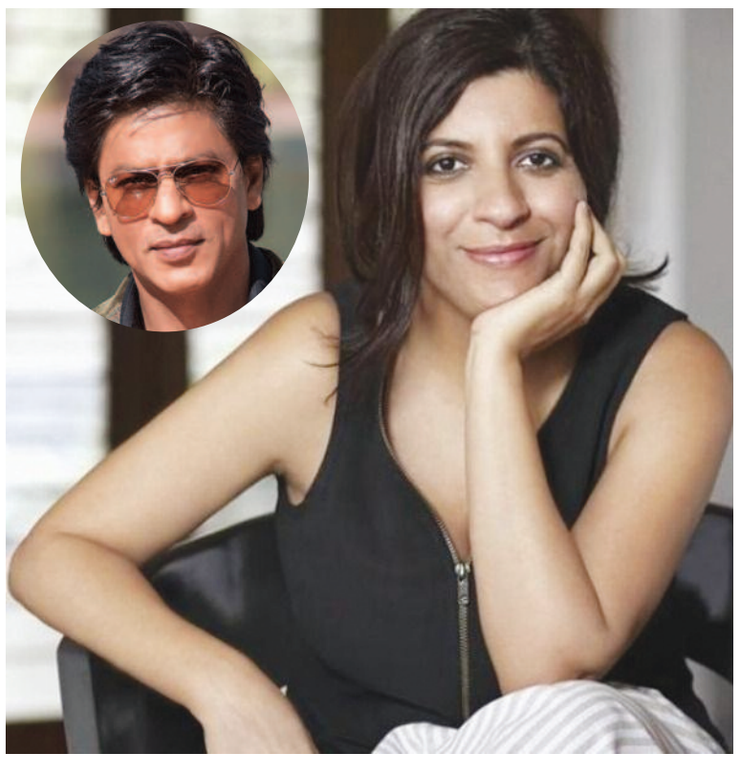

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान 'द आर्चीज' से अपना डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म की डायरेक्टर जोया अख्तर हैं। एक इंटरव्यू के दौरान जोया अख्तर ने शाहरुख खान के साथ काम करने की ख्वाहिश जाहिर की। उन्होंने कहा, 'बेशक, मैं उनके साथ काम करना चाहती हूं। मुझे नहीं लगता कि इस इंडस्ट्री में ऐसा कोई भी डायरेक्टर है जो मिस्टर शाहरुख खान के साथ काम नहीं करना चाहेगा। जरूरी यह है कि उनके लिए सही फिट, सही फिल्म और सही किरदार भी हो।' बता दें, जोया अख्तर की फिल्म 'लक बाय चांस' में शाहरुख खान एक कैमियो भूमिका में दिखाई दिए थे। उन्होंने खुद की भूमिका निभाई थी। फिल्म में वह फरहान अख्तर के किरदार से स्टारडम के बारे में बात करते दिखे थे।

शाहरुख ने जोया अख्तर की तारीफ की

जब 'द आर्चीज' का ट्रेलर रिलीज हुआ था, तब शाहरुख ने जोया अख्तर के डायरेक्शन की तारीफ की थी। उन्होंने लिखा था- जोया ने फिल्म में मासूमियत और 60 के दशक को बखूबी दिखाया है। सच कहूं तो एनवायरमेंट के लिए भी ज्यादा जिम्मेदारी का एहसास कराया है। इस स्वीट, फन और मीनिंगफुल फिल्म की पूरी टीम को मैं बधाइयां देता हूं।

'द आर्चीज' से शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अपना डेब्यू करेंगी

'द आर्चीज' से अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा और शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान अपना डेब्यू करते नजर आएंगे। बोनी कपूर-श्रीदेवी की बेटी खुशी कपूर भी इस फिल्म में अहम किरदार में दिखेंगी। फिल्म में अगस्त्य नंदा आर्ची का लीड रोल प्ले करते नजर आएंगे। सुहाना वेरोनिका का रोल निभाएंगी जो कि हाई स्कूल की सबसे पॉपुलर टीनेजर है। खुशी कपूर फिल्म में वेरोनिका की बेस्ट फ्रेंड बनी दिखी हैं। वेरोनिका और खुशी, दोनों ही आर्ची से प्यार करने लगती हैं। प्यार, दोस्ती और ब्रेक-अप के दौर से गुजरती हुई यह कहानी 7 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

दिवाली 2024 में रिलीज होगी 'भूल भुलैया 3'

2022 में रिलीज हुई कार्तिक आर्यन स्टारर 'भूल भुलैया 2' साल की सबसे सक्सेसफुल फिल्मों में से एक थी। फिल्म ने अपने थ्रिल, हॉरर और स्टोरीटेलिंग के जरिए कई दर्शकों का दिल जीता था। इसके साथ ही यह ना सिर्फ कार्तिक के करियर की सबसे बड़ी हिट फिल्म रही बल्कि इसने फिल्म के तीसरे पार्ट 'भूल भुलैया 3' के लिए एक स्टेज तैयार कर दिया। इस साल मार्च में मेकर्स ने इसके सीक्वल की अनाउंसमेंट की थी। अब बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट की मानें तो फिल्म का तीसरा पार्ट दिवाली 2024 में रिलीज होगा।

सिर्फ कार्तिक का ही नाम हुआ फाइनल

इसी बीच यह भी चर्चा थी कि एक्ट्रेस तब्बू, जिन्होंने 'भूल भुलैया 2' में अहम रोल प्ले किया था, वो इस फिल्म में नजर नहीं आएंगी। हालांकि, बाद में यह पता चला कि अभी तक इसके तीसरे पार्ट के लिए कार्तिक आर्यन का ही नाम फाइनल किया गया है।

बात करें 'भूल भुलैया 2' की तो इसे अनीस बज्मी ने डायरेक्ट किया था। यह 2007 में रिलीज हुई अक्षय कुमार स्टारर 'भूल भुलैया' की सीक्वल थी। कार्तिक ने फिल्म में रुह बाबा का रोल प्ले किया था, वहीं तब्बू इसमें डबल रोल में थीं।

'चंदू चैम्पियन' पर बिजी हैं कार्तिक

वर्कफ्रंट पर कार्तिक इन दिनों 'चंदू चैम्पियन' पर बिजी हैं। वहीं डायरेक्टर अनीस बज्मी 'भूल भुलैया 3' के अलावा वरुण धवन को लेकर एक कॉमेडी फिल्म डायरेक्ट करने की प्लानिंग कर रहे हैं। यह फिल्म 2024 के सेकंड हाफ में फ्लोर पर जा सकती है।

शाहरुख स्टारर 'डंकी' का ट्रेलर रिलीज हुआ : अनोखी दुनिया के सफर करते दिखे शाहरुख और उनके 'चार उल्लू दे पट्ठे',

शाहरुख खान स्टारर फिल्म 'डंकी' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस ट्रेलर को डंकीः ड्रॉप 4 का नाम दिया गया है। राजकुमार हिरानी की खूबसूरत दुनिया बखूबी इस ट्रेलर में नजर आई है। ट्रेन में शाहरुख के साथ शुरुआत, आगे आने वाले रोमांच के लिए माहौल तैयार करती है।

'हार्डी' के किरदार में दिखे शाहरुख खान

इस वीडियो की शुरुआत हार्डी के साथ होती है, जो किरदार शाहरुख खान निभा रहे हैं। वह पंजाब के एक खूबसूरत गांव में पहुंचते हैं। वहां उनकी मुलाकात मनु, सुखी, बग्गू, और बल्ली जैसे अनोखे दोस्तों से होती है। उन सभी का एक जैसा सपना है, लंदन जाने का, बेहतर अवसरों की तलाश में, और अपने परिवार को बेहतर जिंदगी देने के लिए। इस ट्रेलर में इन चारों की दिलचस्प जर्नी को बखूबी दिखाया गया है।

प्यार और दोस्ती की कहानी है 'डंकी'

राजकुमार हिरानी एक ऐसे डायरेक्टर हैं जो अपनी असाधारण कहानियों के लिए जाने जाते हैं। शाहरुख खान के जन्मदिन पर 'डंकी' का ड्रॉप 1 रिलीज किया गया था। उसके बाद 'डंकी' के ड्रॉप 2 में अरिजीत सिंह की मधुर आवाज का टाइटल ट्रैक लुट पुट गया आउट हुआ था। 'डंकी' के ड्रॉप 3 में सोनू निगम की आवाज में दिल को छू लेने वाले गाने 'निकले थे कभी हम घर से' के साथ हमारे दिल की धड़कनों को और बढ़ा दिया गया था। यह एक इमोशनल कर देने वाली धुन है, जो घर वापसी की भावनाओं को जगाती है। वहीं अब 'डंकी' के ट्रेलर में चार दोस्तों की कहानी उर्फ शाहरुख खान के 'चार उल्लू दे पट्ठे' नजर आए हैं। ट्रेलर के अंत शाहरुख के ओल्डर अवतार की झलक से होता है, जो हमें और ज्यादा जानने के लिए एक्साइटेड कर देता है।

चमकीला के लिए परिणीति ने बढ़ाया था 15 किलो वजन

वर्कआउट वीडियो शेयर करते हुए बोलीं- पहले जैसी दिखने के लिए मेहनत कर रही हूं

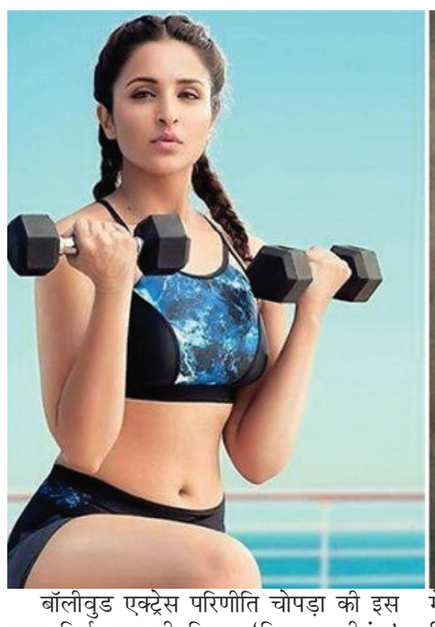

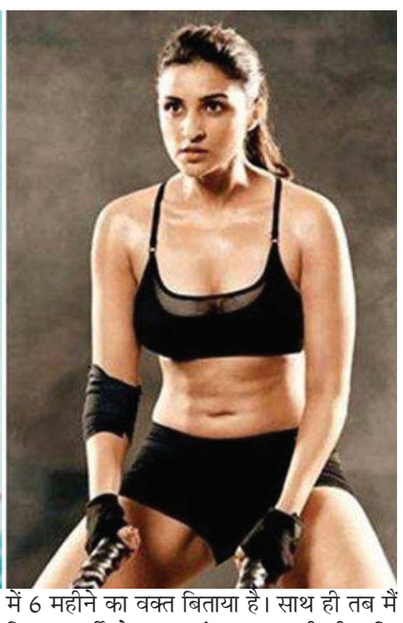

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा की इस साल सिर्फ एक ही फिल्म 'मिशन रानीगंज' रिलीज हुई है। अगले साल नेटफ्लिक्स पर उनकी फिल्म 'चमकीला' रिलीज होगी। फिल्म 80 के दशक के मशहूर पंजाबी गायक अमर सिंह चमकीला की रियल लाइफ स्टोरी पर बेस्ड है। इस फिल्म के लिए परिणीति ने 15 किलो वजन बढ़ाया है।

चमकीला में दिलजीत दोसांझ लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म में परिणीति ने उनकी पत्नी अमरजोत का रोल प्ले किया है। इसे इम्तियाज अली ने डायरेक्ट किया है।

फिट होने के लिए जमकर मेहनत कर रहीं

एक्ट्रेस ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक मोटीवेशनल वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। इसे शेयर करते हुए परिणीति ने बताया कि फिल्म के लिए उन्होंने 15 किलो वजन बढ़ाया था पर अब जब इसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है तो वो वापस फिट होने के लिए मेहनत कर रही हैं।

रहमान के स्टूडियो में बिताए 6 महीने

परिणीति ने कैप्शन में लिखा, 'मैंने पिछले साल रहमान सर (ए आर रहमान) के स्टूडियो में 6 महीने का वक्त बिताया है। साथ ही तब मैं जितना मर्जी हो उतना जंक फूड खाती थी ताकि फिल्म 'चमकीला' (जो जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी) के लिए 15 किलो वजन बढ़ा सकूं।'

बस म्यूजिक और फूड.. यही रुटीन था

परी ने आगे लिखा, 'म्यूजिक और फूड.. बस यही मेरा रुटीन था.. पर अब जब फिल्म पूरी हो चुकी है तो स्टोरी एक दम इसके अपोजिट है। मैं स्टूडियो मिस करती हूं और जिम में वर्कआउट कर रही हूं ताकि फिर से पहले जैसी दिख सकूं। ना कि अमरजोत जी (फिल्म चमकीला में परिणीति का किरदार) जैसी। यह बहुत मुश्किल रहा पर इम्तियाज सर और इस रोल के लिए कुछ भी कर सकती हूं।'

1980 के दशक में अमर सिंह ने अपने म्यूजिक के दम पर अपनी पहचान बना ली थी। अमर सिंह को पंजाब का पहला रॉकस्टार भी कहा जाता था। 8 मार्च 1988 में जब अमर पंजाब के मेहसामपुर में परफॉर्म करने जा रहे थे तभी उनकी हत्या कर दी गई थी। कार से उतरते वक्त बाइक सवार कुछ लोगों ने चमकीला और उनकी पत्नी की गोली मारकर हत्या की थी।

पंजाबी सिंगर-रैपर हनी सिंह को राहत

'मैं हूं बलात्कारी' सॉन्ग को लेकर दर्ज एफआईआर होगी रद्द; पुलिस ने तैयार की कैंसिलेशन रिपोर्ट

पंजाबी सिंगर व रैपर हनी सिंह को प्रदेश सरकार ने बड़ी राहत दी है। नवांशहर में हनी सिंह पर मैं हूं बलात्कारी सॉन्ग को लेकर दर्ज FIR रद्द की जाएगी। पंजाब पुलिस ने इसके लिए कैंसिलेशन रिपोर्ट भी तैयार कर ली है। जिसे जल्द कोर्ट में पेश किया जाएगा। हनी सिंह ने एफआईआर को रद्द करवाने के लिए पंजाब हरियाणा एवं हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने हनी सिंह की तरफ से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए पंजाब सरकार से जवाब मांगा था। जिसमें पंजाब सरकार ने कहा कि इस मामले की कैंसिलेशन रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। उच्चाधिकारियों की मंजूरी के बाद इसे हाईकोर्ट में दाखिल कर दिया जाएगा। इस जानकारी के बाद हाईकोर्ट ने याचिका का निपटारा करते हुए आदेश दिया है कि अगर हनी सिंह के खिलाफ कार्रवाई करनी हो तो सात दिन का नोटिस देना होगा।

सामाजिक कार्यकर्ता ने दी थी शिकायत

सामाजिक कार्यकर्ता परविंदर सिंह कितना ने नवांशहर पुलिस को हनी सिंह के खिलाफ अश्लीलता फैलाने की शिकायत की थी। ये मामला तकरीबन 10 साल लटका रहा। अब हनी सिंह ने अपनी याचिका में लिखा कि उन्होंने ऐसा कोई गीत गाया ही नहीं है। ये गीत किसी ने जाली अकाउंट बना कर डाला है।

फोरेंसिक रिपोर्ट से पहले कैंसिलेशन रिपोर्ट तैयार

हाईकोर्ट ने सुनवाई शुरू की और इस गीत की फोरेंसिक जांच करने को कहा। हाईकोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था कि फोरेंसिक रिपोर्ट के बिना इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। जबकि पंजाब पुलिस ने स्पष्ट किया कि चंडीगढ़ फोरेंसिक साइंस लैब इसकी रिपोर्ट तैयार कर रही है। लेकिन बीते दिन पंजाब पुलिस ने इस शिकायत पर कैंसिलेशन रिपोर्ट के तैयार करने की बात कह डाली।

जेंडर भेदभाव का शिकार हो चुकी हैं दीया मिर्जा

बोलीं- हमारे लिए वैनिटी तक की सुविधा नहीं थी, पेड़ के पीछे कपड़े बदलने पड़ते थे

दीया मिर्जा ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में जेंडर भेदभाव पर बात की है। दीया ने बताया है कि जब वे इंडस्ट्री में आई थीं, तब एक्टर्स की संख्या ज्यादा थी। इस कारण भेदभाव बड़े स्तर पर होता ही था। उन्होंने यह भी बताया है कि आउटडोर शूट के वक्त एक्ट्रेसेस को वैनिटी वैन की सुविधा भी नहीं दी जाती थी। उन्हें कपड़े पेड़ या पत्थर के पीछे बदलने पड़ते थे। कई कलाकारों के लिए जूनियर आर्टिस्ट साड़ी और चादर का घेरा बनाते थे, जिसमें वे लोग कपड़े चेंज करते थे। एक्ट्रेसेस के लिए अलग से बाथरूम तक की कोई व्यवस्था नहीं रहती थी।

हर मोड़ पर एक्ट्रेसेस के साथ भेदभाव होता था

बीबीसी हिंदी को दिए इंटरव्यू में दीया मिर्जा ने कहा- जब मैंने फिल्मों में कदम रखा था, जब सेट पर बहुत कम महिलाएं काम करती थीं। इस कारण हर मोड़ पर भेदभाव का एहसास होता था। हमें हर तरह से अलग ट्रीट किया जाता था।

मेल एक्टर्स की वैनिटी वैन की तुलना में हमारी वैन की साइज छोटी होती थी। जब हन गाना शूट करने के आउटडोर जाते थे, तब कपड़े बदलने के लिए प्रॉपर सुविधा नहीं रहती थी। बाथरूम का इंतजाम भी नहीं होता था। दीया ने यह भी बताया कि अगर वे या कोई भी एक्ट्रेस सेट पर लेट आती थीं, तो उन्हें अनप्रोफेशनल का टैग मिल जाता था। मगर वहीं मेल एक्टर पर यह चीज लागू नहीं होती थी। उनके लेट आने पर किसी को कोई दिक्कत होती थी।

आशा पारेख भी इस दर्द से गुजर चुकी हैं

इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया के दौरान दिए इंटरव्यू में आशा पारेख ने भी इस विषय पर बात की थी। उन्होंने कहा था- उस समय जब हम शूटिंग के लिए जाते थे, तो स्टूडियो में बाथरूम नहीं होते थे और हम बाथरूम गए बिना पूरा दिन वहीं बैठे रहते थे। शुक्र है कि मुझे किडनी से जुड़ी कोई समस्या नहीं हुई। कभी-कभी हम झाड़ियों के पीछे अपने कपड़े भी बदलते थे।

पूनम ढिल्लन लाई थीं पहली वैनिटी

सबसे पहले 1985-86 में एक्ट्रेस पूनम ढिल्लन ने वैनिटी वैन बनवाई थी, जिसकी ओपनिंग अमिताभ बच्चन ने की थी। पूनम ने 2021 में सोशल मीडिया पर इस बारे में लिखा था- मैं नहीं जानती थी कि मैं फिल्म इंडस्ट्री में इतिहास बना रही हूं, जब मैंने पहली बार अपनी मेकअप वैनिटी वैन की शुरुआत की। कई आर्टिस्ट मुझे इस कॉन्सेप्ट को फिल्म इंडस्ट्री में लाने के लिए धन्यवाद देते हैं। पहले ऑन लोकेशन शूट करने में बहुत परेशानी होती थी। न टॉयलेट, न कपड़े बदलने और खाना खाने की जगह, आर्टिस्ट को धूप और धूल में ही लोकेशन पर वक्त गुजारना पड़ता था।

33 फिल्मों में दिखी हैं दीया

दीया ने साल 2000 में मिस इंडिया एशिया पैसिफिक का ताज जीता था। फिर उन्होंने अपने करियर की शुरुआत 2001 की फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' से की थी। हाल में उन्हें फिल्म भीड़ और धक-धक में देखा गया था। दीया ने लगभग 33 फिल्मों में काम किया है।

2 शादियां कर चुकी हैं

दीया ने 2021 में 15 फरवरी को वैभव रेखी से शादी की थी। रस्मों और शादी के फंक्शन में केवल उनके करीबी फैमिली मेंबर्स और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। दीया और वैभव दोनों की ही यह दूसरी शादी है। इससे पहले 2014 में दीया ने अपने बिजनेस पार्टनर साहिल संघा से शादी की थी, जिनसे 2019 में उन्होंने तलाक ले लिया था।

बेटा या बेटी शादी के लिए नहीं हो रहे राजी तो अपनाएं ये टिप्स

हर माता-पिता का सपना होता है कि वो अपने बच्चों को दुल्हा या दुल्हन बनते देखे। वो चाहते हैं कि, सही समय पर शादी करके उनके बच्चे अपना घर बसा कर खुश रहें। पर, आज कल के युवा शादी को प्राथमिकता को नहीं देते। शादी की उम्र होने के बावजूद वो शादी करने से कतराते हैं। जिस वजह से उनके माता-पिता काफी परेशान हो जाते हैं। अगर आपके घर का भी कोई बच्चा ऐसा कर रहा है, तो ये खबर आपके लिए है।

दरअसल, आज की खबर में हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएंगे जिनको अपनाकर आप अपने बच्चे को शादी के लिए मना सकते हैं। ऐसा करने के लिए आपको अपने बच्चे को इमोशनल ब्लैकमेल नहीं करना पड़ेगा। इन टिप्स को फॉलो करके आप अपने बेटे या फिर बेटी को शादी के लिए तैयार कर सकते हैं। जिसके बाद आपका बच्चा अपनी मर्जी से खुशी-खुशी शादी करेगा।

जानें शादी से इंकार करने की वजह

अगर आपका बेटा या बेटी शादी करने से इंकार कर रहा है तो सबसे पहले उससे बात करके इसके पीछे की वजह जानें। अगर इस समस्या का हल निकल सकता हो तो जरूर निकालें। कई बार युवा अपने करियर को लेकर ज्यादा गंभीर होते हैं तो इस बारे में

भी उन्हें समझाएं।

उनकी पसंद का रखें ध्यान

कई बार ऐसा होता है कि अपनी पसंद का जीवनसाथी नहीं मिलने की वजह से लोग शादी से भागने लगते हैं। ऐसे में आप अपने बेटे या बेटी से इस बारे में खुलकर बात करें कि उन्हें किस तरह का जीवनसाथी चाहिए। शादी के समय अपने बच्चे की पसंद का ध्यान रखें।

लव मैरिज का ना करें विरोध

कई घरों में लव मैरिज का काफी ज्यादा विरोध होता है। ऐसे में युवा अपने रिलेशनशिप को सबसे छिपाते हैं। हो सकता है कि, इस वजह से आपका बेटा या बेटी शादी से इंकार कर रहा हो। अगर आप इस बारे में अपने बच्चे से खुलकर बात करेंगे और उनकी बात समझेंगे तो शायद वो शादी के लिए तैयार हो जाएं।

ना बनाएं शादी का दबाव

कभी भी अपने बेटा या फिर बेटी पर शादी को लेकर किसी तरह का दबाव ना बनाएं। इससे उनकी मेंटल हेल्थ पर काफी असर पड़ता है। इतना ही नहीं कई बार दबाव में आकर वो शादी तो कर लेते हैं लेकिन फिर बाद में आने वाली परेशानियों को टीकरा वो अपने पेरेंट्स पर फोड़ते हैं। ऐसे में हमेशा अपने बच्चे से बात करने और उनके हां बोलने के बाद ही शादी की बात आगे चलाएं ताकि आपके बच्चे को आपकी पसंद पर गर्व हो।

फ्रीज में रखते हैं ये चीजें, तो जान लीजिए उससे जुड़ी ये जरूरी बातें

आप अपने फ्रिज में क्या-क्या रखते हैं, फ्रीज को खोलकर कभी गौर से देखिये. गर्मियों में और जाड़े में भी फ्रीज में क्या आप गूंथा हुआ आटा, उबली दाल, कटी सब्जियां, फल और मछली, दूध-बटर और पनीर वगैरह-वगैरह..लेकिन क्या आपको पता है फ्रिज के अंदर खाना रखने की भी एक लिमिटेशन होती है, आप इसमें कुछ भी कुछ ही दिनों के लिए सेफ रख सकते हैं. हम फ्रिज में सामान इसलिए रखते हैं क्योंकि इसके अंदर के कम तापमान की वजह से इसमें बैक्टीरिया पनप नहीं पाते हैं। इसी वजह से फ्रिज में रखा खाना एक निश्चित समय तक सुरक्षित बना रहता है

फ्रिज की जिस रैक पर पका हुआ सामान रख रहे हैं उस पर कच्चा सामान न रखें. दोनों को अलग-अलग रैक पर रखें. इससे कच्चे खाने का बैक्टीरिया पके हुए खाने में जाकर उसे खराब नहीं करेगा.

पके खाने को स्टील के टिफिन में रखना सबसे सेफ है.

फ्रिज में फ्रीजर के नीचे वाला सेल्फ बाकियों की तुलना में ज्यादा ठंडा होता है. रेफ्रिजरेटिंग चेंबर का एवरेज टेंपरेचर +3 डिग्री से +6 डिग्री तक होता है.इसलिए सामान के हिसाब से टेंपरेचर रखना चाहिए.

आटा गूंथकर फ्रिज में रखना गलत है. जब हम आटे में पानी मिलाते हैं तब उसके अंदर केमिकल बदलाव होता है. इसलिए आटे को गूंथते ही फौरन रोटी बना लेनी चाहिए.

जब हम गूंथे आटे को फ्रिज में रखते हैं, तब उसमें मौजूद रे आटे में चली जाती है, जो सेहत को नुकसान पहुंचाती है. फ्रिज में रखा आटा काला हो जाता है और उसकी रोटी भी कड़क बनती है, जिसे पचाना आसान नहीं होता.

दूध में बैक्टीरिया जल्दी पनपता है. इसलिए ज्यादा दिन तक इसे फ्रिज में नहीं रखना चाहिए. डिब्बा बंद दूध (टेट्रा पैक) पर एक्सपायरी डेट होती है, उसे चेक करते रहें. अगर टेट्रा पैक को खोल दिया है तो उसका तुंरत इस्तेमाल करें.

मक्खन को 15 दिन से ज्यादा फ्रिज में नहीं रखें. इसे फ्रिज में रखने के लिए प्लास्टिक में अच्छी तरह से पैक करें. खाने के 15 मिनट पहले इसे फ्रिज से निकालें. मेयोनीज में सिरका, तेल, चीनी और बहुत-सी चीजें मिली होती हैं. इसका इस्तेमाल कर फौरन फ्रिज में रखें. अगर आठ घंटे तक फ्रिज से बाहर है तो इसे दोबारा अंदर रखना सेफ नहीं है.

ब्रेड कभी भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए. यह सूख जाता है और इसके स्वाद को खराब कर देता है .इसे चार दिन के अंदर खत्म कर देना चाहिए.

टेट्रा पैक वाला जूस एक्सपायरी डेट को चेक करके ही पिएं. अगर पैकेट खोल दिया है तो उसे 6 दिन के अंदर खत्म करें.

फ्रिज के टेंपरेचर से आलू में मौजूद स्टार्च ब्रेक हो जाता है. इससे आलू मीठा हो जाता है.

फूड स्टैंडर्ड एजेंसी के अनुसार, आलू एक ऐसा खाद्य पदार्थ है, जिसे गलती से भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए, ऐसे आलू को पकाने पर एक्रायलामाइट नाम का हानिकारक केमिकल रिलीज होता है. यह हेल्थ को नुकसान पहुंचाता है.

टमाटर की बाहरी स्किन फ्रिज में रखने से खराब हो जाती है. इससे इसके स्वाद पर असर पड़ता है. अगर टमाटर ज्यादा पक गया है तो इसे फ्रिज में दो दिन के लिए रख सकते हैं. टमाटर को स्टोर करने के लिए उसे कागज के बैग में रखें.

प्याज न तो फ्रिज में रखना चाहिए न ही प्लास्टिक बैग में. फ्रिज में रखने से प्याज मुलायम और बेकार हो जाती है. इसे धूप से बचाकर सामान्य टेंपरेचर वाली जगह पर रखना चाहिए.

पके हुए चावल फ्रिज में रखने के दो दिन के अंदर खा लेने चाहिए. खाने से पहले इसे कुछ देर के लिए नॉर्मल टेंपरेचर पर रखना चाहिए. उसके बाद गर्म कर खाना चाहिए.

रोटी बनाने के बाद 8 घंटे के अंदर खानी चाहिए. रोटी को फ्रिज में रखकर खाने से बचना चाहिए. अगर ज्यादा बन गई हैं, बच गई हैं, तो इसे फ्रिज में रख सकते हैं, लेकिन इसे भी 8 घंटे के अंदर खा लें.

दाल की पौष्टिकता बनाए रखने के लिए इसे ताजा बनाकर खाना चाहिए. अगर दाल बच जाती है तो फ्रिज में रखें, लेकिन इसे दूसरे दिन ही खा लें. कटे हुए फल को फ्रिज में नहीं रखना चाहिए. यह आपकी सेहत को खराब कर सकता है. कटे फल बहुत देर तक रखकर नहीं खाना चाहिए. फल जब भी खाना हो उसे उसी वक्त काटें.

नवविवाहित जोड़े को भेंट करें ऐसे उपहार जो धन और आभूषण नहीं होंगे, लेकिन उतने ही कीमती होंगे

शादी-ब्याह में भेंट दूल्हा-दुल्हन के लिए स्नेह और आशीर्वाद का रूप होती है। इसलिए उपहार ऐसा होना चाहिए जो ज़रूरत पड़ने पर उनके भविष्य में काम आए। कोई वस्तु भेंट करने के बजाय धन या क़ीमती धातुएं देंगे तो वे इसका सही समय पर सही उपयोग कर पाएंगे। यहां हमारा मतलब नक़दी या ज़ेवरात से नहीं है, आशय धन के रूप में उपहार से है।

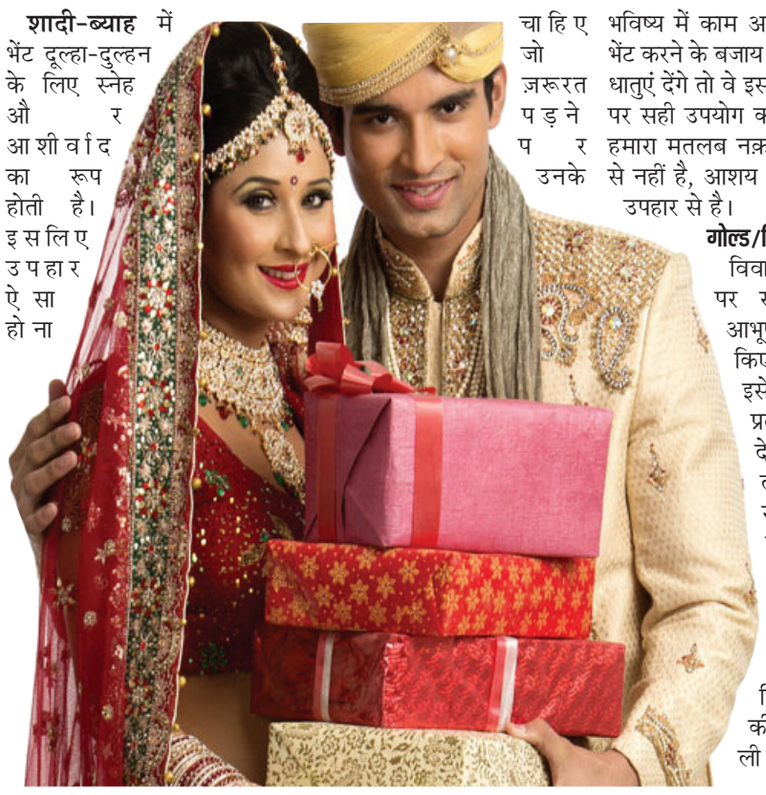

गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ

विवाह के अवसर पर सोने-चांदी के आभूषण भी भेंट किए जाते हैं और इसे शुभता के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। लेकिन इसमें समस्या यह है कि आवश्यकता होने पर यदि आभूषणों को बेचा जाए, तो निर्माण लागत की कटौती कर ली जाती है। दूसरी समस्या आभूषणों के सुरक्षित रख-रखाव की भी है। इसीलिए, गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ उचित विकल्प हो सकते हैं। ईटीएफ, एक प्रकार के म्यूचुअल फंड हैं, जिन्हें किसी भी अन्य शेयर की तरह ही स्टॉक एक्सचेंज पर उस समय पर प्रचलित बाज़ार भाव पर ख़रीदा और बेचा जा सकता है। आजकल गोल्ड ईटीएफ का बाज़ार मूल्य लगभग 51 रुपये प्रति यूनिट है। आप अपनी आवश्यकता के अनुसार न्यूनतम 1 यूनिट भी ख़रीद सकते हैं, यूनिट ख़रीदने की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।

गोल्ड बॉन्ड

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, भारत सरकार की ओर से भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किए जाते हैं। बैंक शाखाओं, स्टॉक ब्रोकर्स और रिज़र्व बैंक के सीधे रीटेल पोर्टल पर एक निश्चित अवधि में बेचने के लिए उपलब्ध होते हैं। गोल्ड बॉन्ड 8 वर्ष के लिए जारी किए जाते हैं। उन पर प्रति वर्ष 2.5 फ़ीसदी की दर से ब्याज दिया जाता है। निवेश की अवधि पूरी होने पर उस समय प्रचलित सोने के बाज़ार मूल्य के आधार पर आपके निवेश का भुगतान कर दिया जाता है। ऑनलाइन ख़रीद पर 50 रुपये प्रतिग्राम की छूट भी मिलती है। इन्हें स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट कराया जाता है, जहां आप 5 वर्ष के बाद उन्हें बेच सकते हैं। इसके अतिरिक्त, आप रिज़र्व बैंक द्वारा केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से जारी बॉन्डों के विषय में भी विचार कर सकते हैं।

म्यूचुअल फंड यूनिट

नवविवाहित जोड़े को म्यूचुअल फंड यूनिट की भेंट देने पर भी आप विचार कर सकते हैं। वैसे तो अनेक प्रकार के फंड उपलब्ध हैं, लेकिन फ्लेक्सी फंड अथवा मल्टी कैप फंड में निवेश कर छोटी, मझोली और बड़ी, यानी तीनों प्रकार की कंपनियों में निवेश का लाभ लिया जा सकता है। न्यूनतम 100 रुपये का भी निवेश किया जा सकता है।

सेंसेक्स/निफ्टी ईटीएफ

इंडेक्स ईटीएफ, नवविवाहितों को देने के लिए आकर्षक उपहार हो सकते हैं। सेंसेक्स ईटीएफ सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों और निफ्टी ईटीएफ, निफ्टी 50 इंडेक्स में शामिल 50 कंपनियों के बाज़ार भाव को व्यक्त करते हैं। मान लीजिए आज सेंसेक्स ईटीएफ प्रति यूनिट लगभग 722 रुपये और निफ्टी ईटीएफ लगभग 213 रुपये पर उपलब्ध हैं। आप न्यूनतम 1 यूनिट भी ख़रीद सकते हैं। इसके लिए डीमैट खाता होना ज़रूरी है।

संयुक्त बैंक खाता

अगर नवविवाहित जोड़ा आपके बहुत क़रीबी है तो पति-पत्नी के संयुक्त नाम से बैंक खाता खुलवा देना भी एक अच्छा उपहार हो सकता है। इसी प्रकार आप उनके नाम से बैंक में फिक्स्ड डिपॉज़िट भी कर सकते हैं।

टर्म व हेल्थ इंश्योरेंस

नवविवाहित युगल को जीवन बीमा सुरक्षा भी भेंट कर सकते हैं। आप उन्हें एक वर्ष का टर्म इंश्योरेंस ख़रीदकर दे सकते हैं। इसमें ख़र्च भी अधिक नहीं है। इसके अलावा, एक फैमिली फ्लोटर हेल्थ इंश्योरेंस प्लान भी दे सकते हैं। ये ऑनलाइन पोर्टल से ख़रीदे जा सकते हैं। वर-वधू को यह जानकर अच्छा लगेगा कि आपको उनकी चिंता है।

क्या झगड़ा करने से पति-पत्नी का रिश्ता मजबूत बनता है

पति-पत्नी के बीच का रिश्ता बेहद खास होता है। इस रिश्ते में किसी तीसरे के बीच में आने की कोई गुंजाइश नहीं होती। पर, कई बार ऐसा होता है कि पति-पत्नी के बीच होने वाले झगड़े को लोग काफी गलत तरीके से ले लेते हैं। जबकि उनके बीच होने वाला झगड़ा उनके बीच के रिश्ते को और ज्यादा मजबूत बनाता है।

जी हां, सही पढ़ा आपने। वैसे तो बड़े बुजुर्ग कहा करते हैं कि पति-पत्नी को आपस में लड़ना नहीं चाहते, इससे रिश्ता कमजोर होता है पर, ऐसा नहीं है।

असल जिंदगी में अगर आपके और आपके पार्टनर बीच झगड़ा होता है तो इससे आपका रिश्ता और ज्यादा मजबूत हो जाता है। इतना ही नहीं कई बार तो लड़ाई के बाद आपस में और ज्यादा प्यार बढ़ता है। बस आपको इस बात का ध्यान रखना है कि ये झगड़ा ज्यादा बढ़े नहीं क्योंकि ज्यादा झगड़ा बढ़ने से चीजें बिगड़ सकती हैं।

दिखती है एक-दूसरे की केयर

लड़ाई के वक्त हम अक्सर एक दूसरे को कह देते हैं कि आपको हमारी फिक्र नहीं है। पर, जब लड़ाई होती है उसके बाद जब आपका पार्टनर आपकी केयर करता है तो इससे आपका दिल भी पिघल जाता है।

बाहर आती है दिल की बात

कई बार गुस्से में हम वो बोल देते हैं तो शायद नॉर्मल रहते हुए नहीं बोल पाते। पति-पत्नी के रिश्ते में अक्सर लोग लड़ाई से बचने के लिए बातों को मन में रखते हैं। इससे चीजें और खराब हो जाती हैं। झगड़े के वक्त मन की बाते बाहर आती हैं, जिससे रिश्ता और मजबूत होता है।

बढ़ता है भरोसा

जब पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता है और लड़ाई शांत होने का बाद जब वो बात करते हैं, और चीजों को सुलझाते हैं तो इससे उनके बीच भरोसा बढ़ता है।

झगड़े में सामने आता है असली व्यवहार

झगड़े में इंसान का असली व्यवहार सामने आता है। इससे लोगों की अनफिल्टर्ड भावनाएं भी सामने आती हैं, जो पति-पत्नी के रिश्ते को मजबूत बनाते हैं।

चाय का बर्तन हो गया है गंदा तो अपनाएं ये टिप्स

भारतीय घरों में रसोई की काफी अहमियत होती है। हर भारतीय नारी अपने घर की रसोई को हमेशा चमचमाता रखना चाहती है। पर, लाख कोशिशों के बाद भी रसोई के बर्तन चिपचिपे हो जाते हैं। कई बर्तन ऐसे होते हैं, जिनका इस्तेमाल भी काफी होता है। इनमे शामिल है चाय का बर्तन। भारतीय घरों में सबसे ज्यादा चाय बनती है। बार-बार इसका इस्तेमाल करने से इसके नीचे का हिस्सा जल जाता है। इतना ही नहीं कई बार तो बर्तन के अंदर अजीब सी गंदगी जम जाती है, जिसे रगड़ने के बाद भी साफ नहीं किया जा सकता।

करें बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल वैसे तो खाने में किया जाता है, पर आप इसे चाय का बर्तन साफ करने के लिए भी यूज कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले चाय बनाने वाले बर्तन के चारों तरफ सोडा डालकर पांच मिनट के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। अब इसे डिशवॉशर और पानी से साफ कर लें। इससे बर्तन की गंदगी साफ हो जाएगी।

बर्तन पर रगड़े नींबू

चाय के गंदे बर्तन पर अगर आप नींबू रगड़ेंगे तो इससे बर्तन जल्दी साफ होता है। अगर आप भी ये टिप अपनाना चाहते हैं तो आधा नींबू काट कर जले हुए बर्तन पर रगड़े। अब इसमें गर्म पानी डालकर छोड़ दें। इससे बर्तन का कालापन दूर हो जाएगा।

सिरके का करें इस्तेमाल

चाय के जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए आप उसमें सिरका और बेकिंग सोडा मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें। इससे कुछ ही देर में आपका बर्तन साफ हो जाएगा।

आप व्याकुलता और बेचैनी की समस्या से जूझ रहे हैं

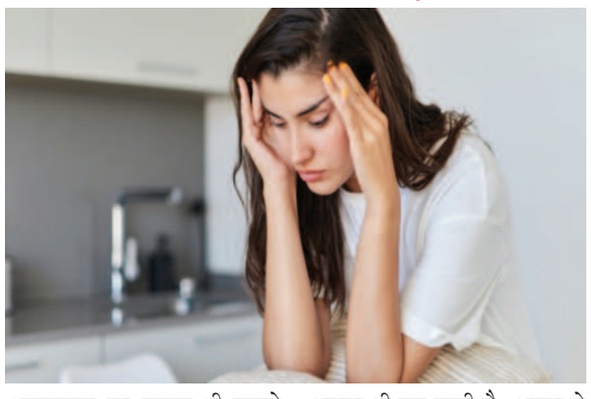

जब कभी आपके दिमाग में कोई नया विचार आता है तो सबसे पहले क्या आप यह सोचते हैं कि इसमें क्या गलत हो सकता है? जब कभी संवाद अस्पष्ट होता है, तो क्या सबसे पहले आपके मन में नकारात्मक विचार आते हैं? अगर ऐसा है, तो आप अपने विचारों को बदलना सीख सकते हैं जिससे कि वो आपकी सोच को सीमित न कर दें। काम के दौरान होने वाली व्याकुलता और बेचैनी कैसे परेशानी का सबब बनती हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है, यहां जानिए...

लोगों के प्रति मन में गलत धारणा बनाते हैं

ज्यादातर बेचैन लोगों के मन में यह चलता रहता है कि लोग उन्हें पसंद नहीं करते हैं और न ही उनके हुनर की कद्र करते हैं। उनके मन में खुद को लेकर कोई न कोई शंका हमेशा बनी ही रहती है। जरूरी है कि हमेशा अपने विचारों पर पहरा रखें। देखें कि कब आपके विचार बिना किसी वजह के ही नकारात्मक हो रहे हैं। ध्यान दें कि कब आप बिना किसी ठोस सबूत के ही अपनी धारणाएं बनाने लगते हैं।

फीडबैक से हमेशा बचने की कोशिश करते हैं

बेचैन लोग फीडबैक को विपत्ति की तरह देखते हैं। वो उसे अपनी असफलता का सूचक भी मानते हैं। वो मानते हैं कि फीडबैक उनकी नाकामी को साबित करने का एक जरिया मात्र है। यह देखें कि आप किस तरह फीडबैक लेना पसंद करते हैं। ओपन फीडबैक लेने का सबसे आसान तरीका खोजें। अगर फीडबैक आपको असहज या उदास करे तो कहें- अच्छी बात है, मैं इन बिंदुओं पर विचार करूंगा।

सबकी नजर में मुश्किल व्यक्ति बन जाते हैं

बेचैन लोग अक्सर उन चीजों से बचना चाहते हैं, जो उन्हें असहज करती हैं और फिर वो अपने रवैए से शर्मिंदा भी होते हैं। जैसे किसी ईमेल का जवाब देने में असहज महसूस कर सकते हैं तो टालमटोल करने लगते हैं। इससे आपके गैर जिम्मेदार होने की धारणा भी बन जाती है। अच्छा ये होगा कि आप जिस चीज से असहज हो जाते हैं उसके बारे में सबको पहले ही ईमानदारी से बता दें।

नए विचारों पर नकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं

अगर नए विचारों पर आपकी पहली प्रतिक्रिया रिस्क और फेल्युअर से जुड़ी है, तो लोग आपको एक नकारात्मक व्यक्ति की तरह देखने लगेंगे। इसके बजाय यह देखने की कोशिश करें कि उस नए विचार से क्या बेहतर हो सकता है। इसके बाद ही अपनी चिंता व्यक्त करें। लेकिन आखिर में अपनी बात को सकारात्मक नोट पर खत्म करें। प्रतिक्रिया देने की जल्दी कभी न करें। बहुत सोच-समझकर जवाब दें।

2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत !

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के मंगलवार को जारी पूर्वानुमान के अनुसार, भारत 2026-27 में अनुमानित 7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि के साथ 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत वर्तमान में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। अपने ग्लोबल क्रेडिट आउटलुक 2024 में, एसएंडपी ने कहाः हम भारत को 2026-27 वित्तीय वर्ष में 7 प्रतिशत तक पहुंचते हुए

देखते हैं... भारत 2030 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है, और हमें उम्मीद है कि भारत अगले तीन वर्षों में सबसे तेज विकास करने वाला अर्थव्यवस्था होगा। एसएंडपी ने कहा कि 2023-24 में भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने की उम्मीद है और 2024-25 में विकास दर 6.4 फीसदी होगी। इसके बाद अगले साल 6.9 फीसदी और 2026-27 में 7 फीसदी की तेजी आने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है, एक मजबूत लॉजिस्टिक्स ढांचा भारत को सेवा-प्रधान अर्थव्यवस्था से विनिर्माण-प्रमुख अर्थव्यवस्था में बदलने में महत्वपूर्ण होगा। श्रम बाजार की संभावनाओं को अनलॉक करना काफी हद तक श्रमिकों के कौशल को बढ़ाने और कार्यबल में महिला भागीदारी बढ़ाने पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, इन दोनों क्षेत्रों में सफलता भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का एहसास करने में सक्षम बनाएगी। एसएंडपी को यह भी उम्मीद है कि अगले दशक में भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम में विस्तार को बढ़ावा देने के लिए घरेलू डिजिटल बाजार में तेजी आएगी, खासकर वित्तीय और उपभोक्ता प्रौद्योगिकी में। रिपोर्ट भारत के ऑटोमोटिव क्षेत्र को लेकर भी आशावादी है और उम्मीद करती है कि बुनियादी ढांचे, निवेश और नवाचार के आधार पर देश के ग्रोथ को बढ़ावा मिलेगा।

चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह रहा 1.66 लाख करोड़ रुपये, एक लाख से अधिक कंपनियां स्वेच्छा से बाहर

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि 1 जुलाई, 2017 से लागू होने के बाद से जीएसटी संग्रह वार्षिक आधार पर बढ़ता दिख रहा है और चालू वित्त वर्ष में अब तक औसत सकल मासिक संग्रह 1.66 लाख करोड़ रुपये है। लोकसभा में सोमवार को एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि जीएसटी संग्रह चालू वित्त वर्ष के हर माह में 1.50 लाख करोड़ रुपये के पार रहा। अप्रैल, 2023 में यह 1.87 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। सीतारमण ने कहा कि 2020-21 में औसत मासिक संग्रह 94,734 करोड़ रुपये था। 2021-22 में औसत यह प्रतिमाह 1.23 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा।

अमृत काल की शुरुआत में ही पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को कहा कि भारत 'अमृत काल' (2047 तक) की शुरुआत में ही 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भारत के 2027-28 में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी के साथ 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का अनुमान लगाया है। पिछले पांच वर्षों में एक लाख से अधिक कंपनियां स्वेच्छा से बाहर निकलीं पांच वर्षों में एक लाख से अधिक कंपनियां कंपनी कानून के तहत स्वेच्छा से बाहर निकल गईं। इसके अलावा कई कंपनियों ने दिवालियापन संहिता (आईबीसी) के तहत स्वैच्छिक परिसमापन की मांग की है। एक प्रश्न के जवाब में कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि इस दौरान कंपनियों द्वारा स्वैच्छिक निकास के लिए लिया गया समय औसतन 6-8 महीने रहा। कुछ मामलों में यह 12-18 महीने के बीच रहा है।

सोने के दाम मचा रहे हाहाकार, ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंचा गोल्ड

कीमत जानकर पैरों के नीचे से खिसक जाएगी जमीन

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने की कीमतों में रेकॉर्ड तेजी देखने को मिल रही है। सोना अपनी ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच गया है। सोने के भाव 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गए हैं। वहीं चांदी की कीमतों में गिरावट देखी जा रही है। चांदी सस्ती हुई है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, एक समय 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के नीचे चल रहा सोना अब लगातार तेजी पर है। सोना आने वाले समय में 64 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर सकता है। फेस्टिव सीजन के चलते सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। अगर आप सोना खरीदने की योजना बना रहे हैं तो एक बार इसके लेटेस्ट रेट जरूर चेक कर लें। एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी मंगलवार की सुबह 4 फरवरी 2024 की डिलीवरी वाला सोना उछाल के साथ 62,826 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला है। सोना बीते सोमवार को 62369 रुपये के भाव पर बंद हुआ था। वहीं 5 अप्रैल 2024 को डिलीवरी वाला सोना आज बढ़त के साथ 63,068 रुपये के भाव पर खुला है।

क्या है चांदी की कीमत

एमसीएक्स एक्सचेंज पर सोमवार की सुबह 5 मार्च 2024 की डिलीवरी वाली चांदी गिरावट के साथ 76,264 रुपये प्रति

किलोग्राम पर खुली है। वहीं 3 मई 2024 को डिलीवरी वाली चांदी आज 77,386 रुपये के स्तर पर खुली है।

सोने के वैश्विक भाव

मंगलवार की सुबह सोने की वैश्विक कीमतों में भी तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.44 फीसदी या 9.00 डॉलर की तेजी के साथ 2051.20 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव इस समय 2032.21 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिख रहा है। सोने के साथ ही चांदी के वैश्विक भाव में भी मंगलवार की सुबह तेजी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.11 फीसदी या 0.03 डॉलर की बढ़त के साथ 24.94 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करती दिखी। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 22.62 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड करता दिखा।

अडानी ग्रुप कंपनियों का मार्केट कैप 13.8 लाख करोड़ रुपये पर

वरदान बनी ये खबर और निवेशक एक दिन में मालामाल

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। साल 2023 के दिसंबर में अरबपति गौतम अडानी का अडानी समूह उसी तेजी के दौर में लौट आया जिसमें पिछले साल यानी 2022 के आखिरी महीने में था।अडानी ग्रुप कंपनियों के शेयरों में 20 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई है और ग्रुप का मार्केट कैपिटलाइजेशन 13.8 लाख करोड़ रुपये का हो गया है।अडानी ग्रुप शेयरों ने सुबह बाजार खुलते ही अपने मार्केट कैपिटलाइजेशन (एम-कैप) में 90,000 करोड़ रुपये से अधिक जोड़ लिए थे।आज कारोबार खत्म होते होते अडानी ग्रुप का एम-कैप 13 लाख करोड़ रुपये के पार निकलकर 14 लाख करोड़ रुपये की तरफ बढ़ रहा है।

अडानी समूह के लिए पॉजिटिव खबर क्या रही जिससे मिला बंपर उछाल

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकन एजेंसी ने गौतम अडानी के नेतृत्व वाले पावर-टू-पोर्ट ग्रुप के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों को प्रासंगिक नहीं पाया।एक सीनियर अमेरिकी अधिकारी ने पुष्टि की है कि अडानी के खिलाफ कॉर्पोरेट

धोखाधड़ी के हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर अमेरिकी सरकार ने अडानी ग्रुप को क्लीन चिट दे दी है।इस ऑफिसर ने कहा कि यूएस गवर्नमेंट इस नतीजे पर पहुंची कि यूएस की ही शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च के गौतम अडानी के खिलाफ लगाए गए कॉर्पोरेट धोखाधड़ी के आरोप सही नहीं थे।श्रीलंका बंदरगाह प्रोजेक्ट के लिए अडानी को लोन देने से पहले अमेरिका ने हिंडनबर्ग के आरोपों की जांच की थी।

अडानी ग्रुप को अमेरिका से मिला था बड़ा कर्ज

अमेरिकी सरकार ने अडानी समूह को 553 मिलियन डॉलर तक का कर्ज दिया था।श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में एक पोर्ट कंटेनर प्रोजेक्ट अडानी पोर्ट्स एंड SEZ के नेतृत्व में चल रहा है और इसी के लिए ये कर्ज यूएस गवर्नमेंट ने दिया था।अडानी ग्रुप को 553 मिलियन डॉलर का कर्ज देने से पहले यूएस इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्प (डीएफसी) ने उचित जांच की थी।डीएफसी इस बात से संतुष्ट है कि हिंडनबर्ग के दावे अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड पर लागू नहीं होते।यूनाइटेड स्टेट्स इंटरनेशनल डेवलपमेंट फाइनेंस कॉर्पोरेशन एक डेवलपमेंट फाइनेंस संस्थान और युनाइटेड स्टेट्स फेडरल गवर्नमेंट की एजेंसी है।

जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग रिसर्च मामले से अडानी ग्रुप को लगी थी ठोकर

इसी साल 24 जनवरी 2023 की शाम अमेरिका की शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आई जिसमें अडानी ग्रुप और गौतम अडानी पर गंभीर आरोप लगाए गए।उस रिपोर्ट में अडानी समूह पर स्टॉक कीमतों में हेरफेर और अन्य गलत कामों का आरोप लगाया गया था।रिपोर्ट के आते ही अडानी साम्राज्य की तस्वीर ही बदलती दिखने लगी।रिपोर्ट के आने से लेकर मार्च 2023 तक अडानी स्टॉक्स में लगातार जोरदार गिरावट दिखती रही।

नीम की पत्तियों ओर गोमूत्र से बनाया जैविक खाद

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। देसी परिधान पहनकर संगीताबेन राठौड़ और जसुमतिबेन जेठाबाई परमार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए शक्तिशाली पारंपरिक समाधानों के साथ यहां वैश्विक जलवायु सम्मेलन में दमदार मौजूदगी दर्ज कराई। इससे पहले कभी अपने गृह राज्य गुजरात से बाहर नहीं निकलीं अरावली की राठौड़ और जेतापुर की परमार ने जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए व्यावहारिक समाधान पेश किए जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर धूम मचा रहे हैं। अपने पारंपरिक ज्ञान के बलबूते वे नीम की पत्तियों और गौमूत्र का इस्तेमाल कर जैविक खाद एवं कीटनाशक बना रही हैं, जिसने न केवल वर्षों तक उनकी फसलों को बचाकर रखा है बल्कि पूरे भारत में महिला किसान इसे अपना रही हैं। इससे रासायनिक खाद का एक सतत विकल्प मिला है। राठौड़ ने कहा, ''मैंने जलवायु परिवर्तन के कारण भारी नुकसान झेलने के बाद स्थानीय समाधान की तलाश करने की ठानी। मुझे 2019 में 1.5 लाख रुपये से अधिक की गेहूं की फसल का नुकसान हुआ। उसके बाद हमने समस्या पर गौर करना शुरू किया और हमें पता चला कि बदलती जलवायु के कारण कीटों का हमला काफी ज्यादा बढ़ गया है और वाणिज्यिक कीटनाशकों का असर नहीं हो रहा है।

बैंकिंग - एनर्जी स्टॉक्स में खरीदारी की बदौलत ऐतिहासिक हाई पर बाजार बंद, सेंसेक्स पहली बार 69,000 के पार हुआ क्लोज

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार का जोश इस हफ्ते लगातार दूसरे दिन हाई नजर आया।निवेशकों की भारी खरीदारी, खासतौर से बैंकिंग और एनर्जी शेयरों की खरीदारी की बदौलत बाजार के दोनों प्रमुख इंडेक्स ऐतिहासिक हाई पर जाकर बंद हुए हैं।सेंसेक्स पहली बार 69,000 के आंकड़े को पार करने में सफल रहा है।आज बाजार बंद होने के समय बीएसई सेंसेक्स 431 अंकों के उछाल के साथ 69,296 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 168 अंकों के उछाल के साथ 20,855 अंकों पर बंद हुआ है।

सेक्टर का हाल

आज के ट्रेड में सबसे बड़ी तेजी एनर्जी स्टॉक्स में देखने को मिली है।निफ्टी एनर्जी 981 अंकों या 3.24 फीसदी के उछाल के साथ बंद हुआ है।इसके अलावा बैंक निफ्टी फइर ऐतिहासिक हाई पर 47000 के पार जाकर बंद हुआ है।इसके अलावा ऑटो, मेटल्स, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर तेजी के साथ बंद हुए।पर हेल्थकेयर, एफएमसीजी, आईटी, मीडिया और रियल एस्टेट स्टॉक्स गिरकर बंद हुए।मिड कैप और स्मॉल कैप शेयरों में तेजी बरकार रही।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 19 शेयर तेजी के साथ और 11 गिरकर बंद हुए।

जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 34 शेयर तेजी के साथ और 16 गिरावट के साथ बंद हुए।

3 लाख करोड़ बढ़ी निवेशकों की संपत्ति

शेयर बाजार में तेजी बरकरार रहने के बाद आज के ट्रेड में बीएसई का मार्केट कैप 346.51 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो पिछले सत्र में 343.45 लाख करोड़ रुपये रहा था।आज के ट्रेड में निवेशकों की संपत्ति में 3.06 लाख करोड़ का इजाफा हुआ है.

चढ़ने - गिरने वाले शेयर

आज के ट्रेड में अडानी एंटरप्राइजेज 17 फीसदी, अडानी पोर्ट्स 15.30 फीसदी, एसीसी 8.19 फीसदी, अंबुजा सीमेंट्स 7.27 फीसदी, एबीबी इंडिया 4.66 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।गिरने वालों में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल 3.36 फीसदी, एम एंड एम फाइनेंशियल 2.74 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

बायजू के संस्थापक ने कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने के लिए घर गिरवी रखा, रिपोर्ट्स में दावा

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। बायजू के संस्थापक रवींद्रन ने कथित तौर पर अपने कर्मचारियों को लंबित वेतन का भुगतान करने के लिए धन जुटाने के लिए अपने घर के साथ-साथ अपने परिवार के सदस्यों के स्वामित्व वाले घरों को भी गिरवी रखा है। मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसे दावे किए गए हैं। इस कदम का उद्देश्य कंपनी के वित्तीय दायित्वों को पूरा करने के लिए पैसों का जुगाड़ करना है। कंपनी से जुड़े सूत्रों के अनुसार नकदी संकट से जूझ रही कंपनी इस तरीके से अर्जित पैसों का इस्तेमाल कर्मचारियों के बकाया वेतन के भुगतान में करेगी। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि पूर्व अरबपति बायजू रवींद्रन ने 12 मिलियन डॉलर का ऋण प्राप्त करने के लिए बेंगलुरु में अपने परिवार के स्वामित्व वाले दो आवासों और एप्सिलॉन में एक निर्माणाधीन विला गिरवी रख दिया। समाचार एजेंसी ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से बताया कि लोगों ने खुलासा किया है कि इससे मिले पैसों का उपयोग पेरोल दायित्वों को पूरा करने के लिए किया गया। विशेष रूप से इसका इस्तेमाल बायजू की मूल कंपनी, थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के भीतर लगभग 15,000 कर्मचारियों को वेतन देने के लिए किया गया। इस बीच, एडटेक कंपनी बायजूस और उसके सीईओ एवं सह-संस्थापक रवींद्रन बायजू द्वारा विदेशी मुद्रा कानून के कथित उल्लंघन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच पूरी होने के अंतिम चरण में है, जिसके बाद उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जा सकता है। संघीय जांच एजेंसी ने अप्रैल में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत बायजूस की पंजीकृत कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड सहित दो व्यावसायिक और एक आवासीय परिसरों की तलाशी ली थी। बायजूस के खिलाफ जांच तब से चल रही है। विदेशी मुद्रा कानून के तहत कंपनी द्वारा 9,000 करोड़ रुपये के कथित उल्लंघन की प्रेस रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए कंपनी ने एक बयान जारी कर कहा था कि वह स्पष्ट रूप से मीडिया रिपोर्टों का खंडन करती है जो बायजू की ओर से किसी भी तरह के फेमा उल्लंघन की बात करते हैं। बायजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कंपनी को अधिकारियों से ऐसा कोई पत्र नहीं मिला है। बेंगलुरु स्थित बायजू की स्थापना रवींद्रन बायजू ने अपनी पत्नी दिव्या गोकुलनाथ के साथ मिलकर की थी। कंपनी ने पिछले महीने की शुरुआत में वित्त वर्ष 2021-22 के लिए मुख्य कारोबार में परिचालन घाटे के कम होकर 2252 करोड़ रुपये होने की जानकारी दी थी।

सर्विस सेक्टर के विकास की रफ्तार में दिखी बाधा

सर्विसेज पीएमआई गिरकर एक साल के निचले स्तर पर आई

नई दिल्ली, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत में सर्विस सेक्टर की विकास की रफ्तार पर ब्रेक लगा है और नवंबर में सर्विसेज पीएमआई एक साल के निचले स्तर पर आ गई है।

एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में एक साल के निचले स्तर 56.9 पर आ गया है। अक्टूबर में सर्विस पीएमआई 58.4 पर थी। इस बीच एसएंडपी ग्लोबल इंडिया कंपोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स नवंबर में 57.4 रहा, जो अक्टूबर में 58.4 था।

लगातार 50 के स्कोर से ऊपर है सर्विस पीएमआई

मंथली होने वाले परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स सर्वे में आज जानकारी मिली कि देश में कीमतों में कमी के बावजूद नए वर्क असाइनमेंट्स और आउटपुट में नरमी देखी गई है।इसके असर से सर्विस सेक्टर के विकास पर असर पड़ा और ग्रोथ रेट कम रहा।हालांकि महीने-दर-महीने गिरावट देखने

के बावजूद, सर्विस पीएमआई की विकास की दर इसके लॉन्ग टर्म ऐवरेज से ज्यादा मजबूत बनी हुई है।

400 कंपनियों को भेजे गए थे सवाल

सर्विस सेक्टर की करीब 400 कंपनियों को भेजे गए क्वेश्चनायर (प्रश्नावली) के जवाबों पर ये सर्वे आधारित है।परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) में 50 से ऊपर का मतलब विस्तार है जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दिखाता है।

इकोनॉमिस्ट का क्या है कहना

एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में एसोसिएट डायरेक्टर पॉलियाना डी लीमा ने कहा, भारत के सर्विस सेक्टर ने वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के बीच में ही विकास की रफ्तार खो दी है।वैसे तो हम सर्विसेज की मजबूत मांग देख रहे हैं जिससे नए आर्डर मिलने और काम पूरा करने की गति बढ़ेगी लेकिन इससे ग्रोथ की स्पीड में तेजी का सपोर्ट नहीं मिला।

सर्विस सेक्टर में नई भर्तियां कम रहीं

कीमतों की बात करें तो कच्चे माल और काम पूरा करने की दरें 8 महीने के निचले स्तर पर फिसल गईं।सर्विस सेक्टर की कंपनियों ने कारोबार के मुख्य तौर पर स्थिर स्तर पर रहने के चलते नई भर्तियां रोकी हैं और रोजगार के मोर्चे पर ये निराशाजनक रहा।नए आर्डर मिलने और काम पूरा करने की धीमी रफ्तार के कारण यह गिरावट आई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,** हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 06-35 सूर्यास्त - 17-36
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी - **03 -04** - तक उपरान्त दशमी
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , बुधवार **06 December**
नक्षत्र - उ.फाल्गुनी - **06- 28** - पूर्ण दिन-रात तक
योग - प्रीति - **23 - 29** - तक उपरान्त आयुष्मान
करण- तैतिल - **13 -53** - तक उप- गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार -श्री जाम्भोजी पुण्य दिवस

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	तुला में	वृश्चिक.	05-09 बजे
चंद्र-	सिंह में	धनु.....	07-22 बजे
मंगल	तुला में	मकर..	09-28 बजे
बुध-	धनु में	कुंभ...	11-20 बजे
गुरु-	मेष में	मीन --	12-56 बजे
शुक्र-	कन्या में	मेष--	14-33 बजे
शनि-	कुंभ में	वृष--	16-18 बजे
राहु-	मीन में	मिथुन..	18-18 बजे
केतु-	कन्या में	कर्क...	20-30 बजे
		सिंह...	22-43 बजे
		कन्या..	00-49 बजे
		तुला.....	02-58 बजे

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:07 से 13:30 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:35 - 07:57 शुभ	उत्पात	17:36 - 19:17 अशुभ
अमृत.	07:57 - 09:21 शुभ	शुभ.	19:17 - 20:54 शुभ
काल.	09:21 - 10:44 अशुभ	अमृत	20:54 - 22:30 शुभ
शुभ.	10:44 - 12:07 शुभ	चंचल	22:30 - 24:07 शुभ
रोग	12:07 - 13:30 अशुभ	रोग	24:07 - 01:44 अशुभ
उत्पात	13:30 - 14:53 अशुभ	काल	01:44 - 03:21 अशुभ
चंचल	14:53 - 16:17 शुभ	लाभ	03:21 - 04:58 शुभ
लाभ	16:17 - 17:36 शुभ	उत्पात	04:58 - 06:35 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

काम करते हुए आप एक विस्तृत दृष्टिकोण को अपनाते है । यह आपका सकारात्मक पहलू है और इस सप्ताह के अंत में आपका दृष्टिकोण मौद्रिक लाभ में बदलेगा । जोड़-तोड़ से बचें और जो भी करें ईमानदारी से करे । आपके काम की गुणवत्ता आपके काम की मात्रा के बजाय ज्यादा महत्व रखेगी । वफ़ादारी स्वागतयोगनीय होगी जो किसी भी मुश्किल स्थिति से आपको बाहर निकल देगी ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

प्रमुख परिवर्तन आज आपके कार्यस्थल पर होने की उम्मीद हैं। वास्तव में आपके आय अर्जित करने के साधन में परिवर्तन आ सकता है , और आप ऐसे कार्य में लिप्त हो सकते है जिसको आप करना चाह रहे थे परन्तु आपने सपने में भी नहीं सोचा था , की ऐसा अवसर आपको मिल सकता है । आप अपने कार्यस्थल पर नवीन विचारो एवं नए दृष्टिकोण के साथ आ सकते है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

ये समय अपने सहकर्मियों का उत्साह बढ़ाने का समय है ! आप कुछ कठिन कार्य के लिए प्रयासरत है जिसमे आपके जूनियर या आपसे निचले क्रम के सहकर्मी आपका समर्थन करेंगे और आपके सच्चे समर्थक होंगे । इसलिए उन्हें खुश रखे ! जो लोग अपने कार्यालय में अग्रणी स्थिति या उच्च पद पर है , उन लोगों के लिए बेहतर करियर के अवसर आज आ सकते है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

यात्रा के अवसरों के लिए बहुत ही खुले दिल से स्वागत करे । ये धन कमाने का एक बेहतरीन मौका है ! जो लोग अध्यन कर रहे है उन्हें अप्रत्याशित स्रोतों से अद्भुत अवसर मिल सकते है । आप जिस भी स्थिति में है , आप ये याद रखे की एकता में बल है इसलिए सामूहिक प्रयास ही संतोषजनक परिणाम ला सकता है ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपको इस बात का आभास नहीं है की आपके सहकर्मियों को कितनी चिन्ताओ और तनाव से गुजरना पड़ रहा है । अपने समय को बचाने की बजाय उनकी चिंता को समझना आपके लिए आज ज्यादा जरुरी होगा । अगर आप फिर भी बिना सोचे समझे आगे बढ़ते जायेंगे तो आपको कड़ाई से सबक मिल सकता है । आपको एक नए घर का स्वामित्व मिल सकता है ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

काम का दबाव आप पर बढ़ेगा और आप उन चीजो से दूर हो सकते है जिन को करने में आपको आनंद आता था । आपको आराम करने के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पायेगा इसलिए आपको जीवन की छोटी बातों से आनंद लेना होगा । ये बहुत ही संतोषजनक और आपके सामान्य प्रयास की तुलना में कम खर्चीला साबित होगा , इसका अर्थ है की आज कुछ अनावश्यक खर्चों पर आप बचत कर पायेंगे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप सबसे बड़े ग्राहकों में से एक के साथ अपने सौदे को अंतिम रूप दे सकते है। उनके साथ एक लंबी अवधि के अनुबंध पर आप हस्ताक्षर करने के लिए आगे बढे । ग्राहक वित्तीय संसाधनों से परिपूर्ण है , जिससे की आपके कार्यालय पर वित्तीय बोझ कम होगा । आपको अगर ग्राहकों से और सौदे लेने है तो आपको अपने सामान्य ज्ञान का अच्छा परिचय देना होगा।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज का दिन कार्यस्थल पर कुछ हद तक उबाऊ होगा , लेकिन आपको अपने जरुरी कार्य की अपेक्षा नहीं करनी है । अपनी कागजी कार्रवाई को पूरा करने और सभी सरकारी आवश्यकताओं को पूरा करने में सावधान रहें। आज आप एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण गलती अपनी लापरवाही के कारण कर सकते है , इसलिए अगर आपका मन बाहर जाने का कर रहा है ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे , सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं । आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं। आगे जाने से पहले अपने शुभचिंतकों से परामर्श करें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

कुछ बड़ी चीजे आपके कार्य क्षेत्र में आपका इंतजार कर रही है । आपको कुछ समय से अपने कार्य के प्रति प्रशंसा नहीं मिल रही थी ,ये पूरी तरह से आज गायब हो जाएगा और आपको उच्च वेतन और अधिक भत्तों के साथ एक दूसरी जगह नौकरी मिल सकती है जो आपकी सोच से परे थी , हालांकि इस नौकरी के लिए आपका स्थानांतरण हो सकता है।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आप अपनी इच्छाओं को पूर्ण करने के लिए चाल चलने की कोशिश कर रहे हैं , लेकिन आप इन बातों में लिप्त न हो नहीं तो आप मुसीबत में पड़ सकते हैं । लोग इसे एक अपराध के रूप में लेंगे और हमेशा के लिए आप अपना विश्वास खो सकते हैं जो इतने सालों में अपने अपने लिए बनाया है, इसलिए इस तरह के कृत्य से दूर रहे और बस आप अपने हर कार्य में ईमानदारी का प्रदर्शन करे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

घर्षण एवं विचारो की असमानता आप और आपके साथी के बीच विकसित होने की संभावना है, लेकिन आपको अपने विचारो से नहीं हटना है और उसी के साथ रहना है , लेकिन आप चिंता न करे क्यों कि ये स्थिति एक स्थायी मनमुटाव को जन्म नहीं देगी । हालाँकि आपके साथी के साथ आपका थोड़ा मनमुटाव हो सकता है , लेकिन जब ये पता चलेगा की जो आपने किया वह आपने सही सोच कर किया था।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर

झारखंड में बारिश के आसार विभाग अलर्ट पर 8 दिसंबर के बाद बढ़ेगी ठंड

रांची, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर झारखंड पर भी पड़ने लगा है। 4 दिसंबर से ही झारखंड में मौसम का मिजाज बदल रहा है। राज्य के कई हिस्सों से चलने वाली ट्रेन और फ्लाइट रद्द हो रही है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि तूफान का असर राज्य में पांच, छह और सात दिसंबर को नजर आयेगा।

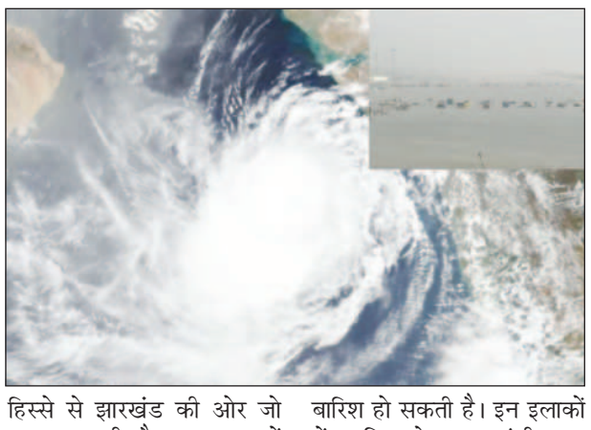

अलर्ट मोड पर बिजली विभाग

तूफान की वजह से तेज हवा और बारिश के आसार हैं। तेज हवा से राज्य में कई जगहों पर बिजली के तार टूट सकते हैं, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो सकती है। बिजली विभाग अभी से इसे लेकर अलर्ट मोड पर है। सभी एरिया बोर्ड के जीएम को सचेत रहने का निर्देश दिया गया है। सभी स्टेशन में गैंग मैन को तैयार रहने और किसी भी तरह की आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने का निर्देश है।

ठंड ज्यादा नहीं, तापमान में बढ़त

तूफान के कारण देश के पूर्वी हिस्से से झारखंड की ओर जो हवा आ रही है। आसमान में बादल छाए हैं इसलिए ठंड ज्यादा नहीं है। राज्य के कई हिस्सों में आसमान में बादल छाए हुए हैं। मौसम विज्ञान केंद्र ने पांच दिसंबर को राज्य के दक्षिणी भाग में बारिश की संभावना जाहिर की है।

किन इलाकों में बारिश की संभावना

मुख्य रूप से कोल्हान और मध्य भाग यानी राजधानी रांची के आसापास के कुछ इलाकों में बारिश हो सकती है। इन इलाकों में बारिश के बाद ठंडी हवा चलेगी और तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। छह दिसंबर से राज्य अलग-अलग भागों में बारिश के आसार बन रहे हैं, जो सात दिसंबर तक रह सकते हैं। तूफान का असर 8 दिसंबर के बाद इन इलाकों में कम नजर आयेगा और आसमान से काले बादल भी हटेंगे। मौसम विभाग के अनुसार इसके बाद राज्य के कई हिस्सों में तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

सरकार बदलते ही एक्शन मोड में रायपुर पुलिस

रायपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सरकार बदलते ही राजधानी रायपुर में पुलिस ने सोमवार को एक्शन मोड में दिखी। आचार संहिता खत्म होने के बाद रात 11 बजते ही बैजनाथ पारा स्थित फेमस बिरयानी बाजार को बंद करवा दिया। साथ ही मौदहापारा और गोलबाजार समेत शहर के कई इलाके में देर रात तक खुलने वाली दुकानों को बंद करा दिया है। दरअसल, लंबे समय से बैजनाथ पारा और एमजी रोड की दुकानें देर रात तक खुली रहती थी। जहां भारी भीड़ भी रहती है। इन इलाकों में आसामाजिक तत्व भी सक्रिय रहते हैं। कुछ दुकानदार खाने-पीने की चीजों की आड़ में नशे के सामान भी बेचते हैं। पुलिस इन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं कर रही थी। जिस वजह से शहर में देर रात कई अपराधिक की घटनाएं हुई।

पुलिस के आला अफसरों और कोतवाली थाना की टीम रात साढ़े 10 बजे मौदहापारा, गोलबाजार पहुंची। जहां पर अनाउंसमेंट कर सभी दुकानदारों को बंद करने के लिए कहा गया। कुछ देर बाद सभी दुकानें बंद हो गई।

छत्तीसगढ़ में नेता प्रतिपक्ष की रेस में ये पांच नाम

भूपेश बघेल और महंत पहली पसंद, लखमा, उमेश पटेल और लखेश्वर बघेल की भी चर्चा

रायपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस इस बार विपक्ष की भूमिका निभाने वाली है। कांग्रेस में चर्चा है कि नेता प्रतिपक्ष कौन बनेगा। अब गिनती के अनुभवी चेहरे बचे हैं। रेस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधानसभा अध्यक्ष रहे डॉ. चरणदास महंत, पूर्व मंत्री कवासी लखमा, पूर्व मंत्री उमेश पटेल और लखेश्वर बघेल शामिल हैं।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव को लेकर लागू आचार संहिता 4 दिंसबर को खत्म हो गई है। जिसके बाद प्रदेश में ट्रांसफर-पोस्टिंग का दौर शुरू हो गया है। रायपुर पश्चिम विधानसभा से जीते पूर्व मंत्री और बीजेपी विधायक राजेश मूणत ने कांग्रेस सरकार के करीबी रहे अफसरों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि वो अपने-अपने ट्रांसफर की तैयारी कर लें।

सीएम की रेस में चार नाम

बीजेपी की जीत के बाद पूरे प्रदेश में चर्चा अब सीएम फेस को लेकर है। भावी सीएम के चेहरे को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। कई अघोषित दावेदार भी सीएम पद को लेकर माहौल बना रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय, केंद्रीय राज्य मंत्री रेणुका सिंह, सांसद और प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव के नाम आगे चल रहे हैं।

पर्यवेक्षक आएंगे रायपुर

छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री कौन होगा, यह भाजपा हाईकमान तय करेगा। दिल्ली में बैठक के बाद पर्यवेक्षक की घोषणा होगी। पर्यवेक्षक रायपुर आएंगे और 2-3 दिन में विधायक दल की बैठक होगी। इसमें ही सीएम के नाम की घोषणा होगी।

सोमवार को प्रदेश प्रभारी ओम माथुर, सह प्रभारी नितिन नबीन और सह चुनाव प्रभारी मनसुख मांडवीया दिल्ली रवाना हो गए थे।

मुख्यमंत्री सचिवालय में अफसरों को हटाया गया

वहीं प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनते ही मुख्यमंत्री सचिवालय में पदस्थ आधा दर्जन अफसरों को हटा दिया गया है। इसमें मुख्यमंत्री के 4 ओएसडी और 2 निजी सचिव हैं। प्रदेश के महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा ने भूपेश बघेल के इस्तीफा देने के घंटे भर बाद ही राज्यपाल को अपना इस्तीफा भेज दिया था।

धनबाद जेल हत्याकांड मामले में हाईकोर्ट सख्त

घटना में बड़ी साजिश और पॉलिटिकल एंगल, एसआईटी से हो जांच, अदालत ने सरकार से मांगा जवाब

रांची, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने धनबाद मंडल जेल हत्याकांड मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। इस मामले में आज सुनवाई हुई। अदालत ने हाईब्रिड मोड में सुनवाई की। सुनवाई के दौरान जेल आईजी उमाशंकर सिंह उपस्थित हुए। इस दौरान उन्होंने अब तक की स्थिति और उठाए गए कदम की जानकारी दी। सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकार का पक्ष रख रहे महाधिवक्ता राजीव रंजन से पूछा कि इस हत्याकांड मामले में बड़ी साजिश और पॉलिटिकल एंगल दिख रहा है। ऐसे में राज्य सरकार मुख्यालय स्तर पर एसआईटी बना कर जांच कर सकती है या नहीं। अदालत ने इस सवाल का जवाब देने को कहा है।

अदालत की ओर से सरकार को जवाब देने के लिए एक सप्ताह का समय दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 12 दिसंबर को निर्धारित की है। हत्याकांड मामले में सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन एवं वकील पियूष चित्रेश ने पक्ष रखा। वहीं आईजी प्रिजन उमाशंकर सिंह कोर्ट के समक्ष वर्चुअल रूप से उपस्थित हुए और कोर्ट के सवालों का जवाब दिया।

आज हुई सुनवाई के दौरान जेल आईजी ने अदालत को बताया कि डीएम लॉ एंड ऑर्डर, अपर समाहर्ता और सिटी एसपी धनबाद की एक तीन सदस्यीय कमिटी बनायी गयी है। यह कमिटी जेल में सुरक्षा की चूक हुई या नहीं इसकी जांच कर रही है। इस कमिटी के अतिरिक्त सीआईडी आईजी भी जांच कर रहे हैं। जांच के दौरान टीम ने जेल से दो पिस्टल और छह मोबाइल बरामद किया है। वहीं गोली चलाने वाले की पहचान कर ली गई है। जेल आईजी ने अदालत को बताया कि इस हत्याकांड मामले में चार प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

हत्या का आरोपी मानते हुए मुख्य आरोपी सुंदर महतो को रिमांड पर ले कर पूछताछ की जा रही है। वहीं पड़ताल के बाद धनबाद मंडल जेल के जेलर समेत सात कक्षपालों को निलंबित कर दिया गया है। वहीं बताया कि 23 कैदियों को राज्य के दूसरे जेल में शिफ्ट किया जाएगा। रविवार की दोपहर लगभग ढ़ाई बजे धनबाद मंडल जेल में गोलीबारी की घटना हुई। जिसमें धनबाद के पूर्व डिप्टी मेयर और कांग्रेस नेता नीरज सिंह हत्या मामले में लंबे समय से जेल में बंद कुख्यात अपराधी अमन सिंह की हत्या गोली मार कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही धनबाद डीसी वरुण रंजन, एसएसपी संजीव कुमार सहित तमाम आला अधिकारी मंडल कारा पहुंचे और देर रात पड़ताल की।

सिमडेगा जिले में पीएलएफआई संगठन के दो सदस्य गिरफ्तार

आरोपियों के पास से पिस्तौल और कारतूस बरामद

रांची, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के सिमडेगा जिले में पीपल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) संगठन के दो सदस्यों को नियमित सुरक्षा अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया है। दोनों सदस्य दो दिसंबर को साहुबेड़ा मोरे इलाके से पकड़े गए। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'वाहन चेकिंग प्वाइंट पर माओवादियों को रोका गया, लेकिन वो भागने की कोशिश करने लगे। हालांकि, वह भागने में कामयाब नहीं हो पाए।' उन्होंने आगे बताया कि आरोपियों के पास से एक पिस्तौल और पांच कारतूस बरामद किया गया।

सीएम भूपेश के इस्तीफे के बाद प्रमुख सचिव डॉ. आलोक शुक्ला समेत चार सलाहकारों ने दिया इस्तीफा

रायपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के करारी हार के बाद अब प्रदेश कांग्रेस में इस्तीफे का दौरा चल रहा है। चुनाव परिणाम आने के बाद निवर्तमान सीएम भूपेश बघेल ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अधिकारियों के भी इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया है। वहीं भूपेश बघेल के चारों सलाहकारों के इस्तीफे के बाद राज्य शासन ने उनकी सेवाएं खत्म कर दिया है। इसके साथ ही उनकी सभी सरकारी सुविधाएं भी वापस ले लिया गया है।

भूपेश बघेल के चार सलाहकारों में राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा, पंचायत और ग्रामीण विकास सलाहकार प्रदीप शर्मा, संसदीय सलाहकार राजेश तिवारी और मीडिया सलाहकार रूचिर गर्ग शामिल हैं। इस्तीफे के बाद मुख्य सचिव ने आगे की कार्रवाई करने के लिए जीएडी को भेज दिया है। वहीं सलाहकारों के भवन को खली करने को कहा है।

महाअधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा और संविदा नियुक्ति में प्रमुख सचिव शिक्षा के पद पर सेवा दे रहे पूर्व आईएएस डॉ. आलोक शुक्ला अपना इस्तीफा राज्य शासन को भेज चुके हैं। इसके साथ ही ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी ने भी अपना इस्तीफा विभागीय सचिव को सौंप दिया है।

इसी क्रम में भूपेश बघेल के सचिवालय में पदस्थ अफसरों को मूल विभाग में लौटाने के लिए छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जरी कर दिया है। इसमें सामान्य प्रशासन विभाग ने दो निज सचिव और चार ओएसडी को मूल विभाग वापस भेज दिया है।

अभी बघेल के हाथ में रहेगी बागडोर

राज्यपाल बोले- जब तक नया सीएम नहीं तब तक पुराने संभालें जिम्मेदारी

रायपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की है। तीन दिसंबर को देर रात चुनाव परिणाम आने के बाद भूपेश बघेल ने अपना इस्तीफा राजभवन पहुंचकर राज्यपाल को सौंप दिया था। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री और मंत्रीमंडल के सदस्यों का त्यागपत्र सौंप दिया था। इस इस्तीफा को स्वीकृत कर लिया गया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के आदेशानुसार, छत्तीसगढ़ में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण करने तक कार्यभार संभालने के लिए निवर्तमान सीएम भूपेश बघेल को कहा गया है।

दूसरी ओर भूपेश बघेल के इस्तीफा के बाद अधिकारियों के भी इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया। वहीं भूपेश बघेल के चारों सलाहकारों के इस्तीफे के बाद राज्य शासन ने उनकी सेवाएं खत्म कर दिया है। इसके साथ ही उनकी सभी सरकारी सुविधाएं भी वापस ले लिया गया है।

भूपेश बघेल के चार सलाहकारों में राजनीतिक सलाहकार विनोद वर्मा, पंचायत और ग्रामीण विकास सलाहकार प्रदीप शर्मा, संसदीय सलाहकार राजेश तिवारी और मीडिया सलाहकार रूचिर गर्ग शामिल हैं। इस्तीफे के बाद मुख्य सचिव ने आगे की कार्रवाई करने के लिए जीएडी को भेज दिया है। वहीं सलाहकारों के भवन को खली करने को कहा है।

महाअधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा और संविदा नियुक्ति में प्रमुख सचिव शिक्षा के पद पर सेवा दे रहे पूर्व आईएएस डॉ. आलोक शुक्ला अपना इस्तीफा राज्य शासन को भेज चुके हैं। इसके साथ ही ग्रामोद्योग बोर्ड अध्यक्ष राजेंद्र तिवारी ने भी अपना इस्तीफा विभागीय सचिव को सौंप दिया है।

इसी क्रम में भूपेश बघेल के सचिवालय में पदस्थ अफसरों को मूल विभाग में लौटाने के लिए छत्तीसगढ़ सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जरी कर दिया है। इसमें सामान्य प्रशासन विभाग ने दो निज सचिव और चार ओएसडी को मूल विभाग वापस भेज दिया है।

डिप्टी मेयर की जान लेने वाले कथित आरोपी की धनबाद की जेल में हत्या

जेलर समेत पांच अधिकारी निलंबित

धनबाद, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड के धनबाद में एक हत्या के आरोपी की हत्या हो गई। इस मामले में जेलर समेत पांच जेल अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। लापरवाही के इस मामले में दो अन्य जेल अधिकारियों के कॉन्ट्रैक्ट को भी समाप्त कर दिया गया है। धनबाद के डिप्टी मेयर की हत्या करने के आरोप में जेल में बंद आरोपी अमन सिंह की रविवार को दोपहर के समय जेल के अंदर ही हत्या हो गई। जेलर मोहम्मद मुस्तकिन अंसारी को निलंबित किया गया है और उनके खिलाफ अब विभागीय कार्रवाई की जाएगी। धनबाद के उपायुक्त बरुण रंजन ने बताया, 'पांत जेल अधिकारियों को इस मामले में निलंबित किया गया है। वहीं दो अन्य जेल अधिकारियों के कॉन्ट्रैक्ट को रद्द कर दिया गया है।' उन्होंने आगे कहा कि आरोपी पर गोली चलाने वाले एक आरोपी की पहचान सुंदर महतो के तौर पर की गई है। उससे फिलहाल पूछताछ की जा रही है। इस मामले में चार आफआईआर भी दर्ज किया गया है और घटनास्थल को बैरिकेडिंग कर दिया गया है।

रांची से 43 लाख के गहने उड़ाए

कार से मौज-मस्ती करते जा रहे थे गाजियाबाद, बीच में ही हो गया खेला!

रांची, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड की राजधानी रांची में एक फ्लैट से चुराए गए 43 लाख रुपये के गहने लेकर भाग रहे गाजियाबाद के एक गिरोह के तीन सदस्यों को उत्तर प्रदेश की पुलिस ने मुरादाबाद में गिरफ्तार किया है। ये लोग एक कार पर सवार थे। कार की चेकिंग की दौरान जेवरात बरामद किए गए। पूछताछ में उन्होंने बताया कि जेवरात रांची के एक फ्लैट से चुराए गए थे। पुलिस गिरोह के तीनों सदस्यों से पूछताछ कर रही है और पता लगाने में जुटी है कि उनके गिरोह में और कौ-कौन हैं।

42 लाख के सोने के गहने बरामद

पुलिस सूत्रों ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अपराधियों में गाजियाबाद कोतवाली क्षेत्र के कैलाभट्ठा निवासी नदीम, गाजियाबाद के साहिबाबाद थाना क्षेत्र के गरिमा गार्डन निवासी जावेद और साहिबाबाद थाना क्षेत्र के पसौंडा निवासी ताहिर उर्फ तहूर उर्फ तोमर शामिल हैं। बताया जा रहा है कि इनके पास से पुलिस ने 42 लाख की कीमत (600 ग्राम) के सोने के जेवरात के अलावा, 80 हजार की कीमत के एक किलो चांदी के गहने और 35 हजार 380 रुपये नकद भी बरामद किए गए।

रेकी करने के बाद देते थे वारदात को अंजाम

पुलिस के अनुसार, 29 नवंबर को रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित सरस्वती वेला सोसायटी के फ्लैट से जेवरात चुराए गए थे। गिरोह के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि वह कार से दूसरे राज्यों के शहरों में घूमते हैं और रेकी करते हैं। इसके बाद खाली मकान और फ्लैट को देखकर वारदात को अंजाम देने की योजना बनाते हैं। उन्होंने गाजियाबाद, दिल्ली, कोलकाता और झारखंड के रांची, जमशेदपुर, आदित्यपुर में भी इस तरह की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकारी है।

जमीन हड़पने व हस्तांतरण का होगा आकलन

सीएजी ने झारखंड में शुरू कराया ट्राइबल लैंड मैनेजमेंट का परफॉर्मेंस ऑडिट

रांची, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। आदिवासियों का जमीन हस्तांतरण और उनकी जमीन हड़पने को लेकर झारखंड में परफॉर्मेंस ऑडिट शुरू हो गया है। देश के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) के निर्देश पर राज्य भर में ट्राइबल लैंड मैनेजमेंट का परफॉर्मेंस ऑडिट कराया जा रहा है। झारखंड महालेखाकार (एजी) की ओर से राज्य के सभी जिलों में गाइडलाइन जारी कर दी गई है।

पांच जिलों में ऑडिट टीम ने काम भी शुरू कर दिया है। रेकर्ड की जांच पड़ताल हो रही है। परफॉर्मेंस ऑडिट के तहत पिछले 5 वर्षों का जिलावार ऑडिट होगा। इसमें जिला के साथ-साथ भू राजस्व विभाग के निर्णयों का भी आकलन किया जाएगा। ऑडिट पूरा होने के बाद विभाग से इस पर कमेंट्स मांगा जाएगा।

अवैध खनन और परिवहन में गड़बड़ी मामलों के बाद फिलहाल यह राज्य का दूसरा परफॉर्मेंस ऑडिट शुरू हुआ है। आदिवासियों की जमीन की रक्षा के लिए सीएनटी और एसपीटी एक्ट लागू है। इसके अलावा विशेष सुरक्षा की भी व्यवस्था है।

इसके बावजूद सेटलमेंट और गड़बड़ियों की घटना वर्षों से लगातार सामने आ रही हैं। इसकी जांच करने के साथ-साथ राज्य में आदिवासियों की कितनी जमीन है। 50 साल पहले क्या स्थिति थी और अभी क्या स्थिति है, इसका आकलन किया जाएगा। जमीन सेटलमेंट के पहलुओं और इसमें गड़बड़ी पर भी जिलावार रिपोर्ट तैयार होने की संभावना है। राज्य के खान व खनिजों के परिवहन और उनके प्रबंधन का परफॉर्मेंस ऑडिट पहले से चल रहा है। सीएजी दिल्ली के निर्देश पर मैनेजमेंट ऑफ माइंस एंड मिनरल्स का ऑडिट चल रहा है। राज्य खान सचिव को पत्र भेजकर खनन और परिवहन के साथ-साथ इससे जुड़े पहलुओं का (प्रारंभिक) विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा गया है। राज्य में खनिज व खनन को लेकर कथित रूप से हो रही गड़बड़ियों की शिकायत के बाद सीएजी ने स्थानीय एजी ऑफिस को एक पत्र भेजा था। इस पर रांची और साहिबगंज डीएमओ कार्यालय से कागजात लेकर सीएजी ऑफिस को भेजा गया था।

कई जिलों में आदिवासियों की जमीन लैंड बैंक में हो गई शामिल

जमीन के गलत हस्तांतरण के अलावा कई जिलों में आदिवासियों की जमीन लैंड बैंक में शामिल होने की भी शिकायत मिली है। जानकारी के मुताबिक ऑडिट टीम इन शिकायतों की भी पड़ताल करेगी। 31 दिसंबर 2014 को राजस्व और भूमि सुधार विभाग ने सभी 24 जिलों के डीसी को को पत्र जारी कर निजी भूमि को छोड़कर सभी प्रकार की जमीन का डाटा तैयार करने के लिए कहा था। डाटा तैयार होने के बाद विभाग ने एक नई वेबसाइट बनाई, जहां लैंड बैंक में 20,97,003.81 एकड़ जमीन को सरकारी जमीन के रूप में दिखाया गया है। समुदायों की सहमति के बिना सामान्य भूमि, उपवन और वन भूमि का अधिग्रहण करने का प्रयास हुआ था। सरकारी भूमि के टैग के तहत, भूमि बैंक के लिए तीन श्रेणियों की भूमि का अधिग्रहण किया गया है। इसमें वन भूमि, जिसका अधिकार आदिवासियों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों को दिया जाना था।

एकतरफा प्यार में छात्रा पर धारदार हथियार से हमला

बिलासपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। जिले में सोमवार को एकतरफा प्यार में युवक ने कॉलेज की छात्रा पर धारदार हथियार से हमला किया है। उसके सिर और गले में चोट आने से गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया जा रहा है कि सहेली के साथ छात्रा कॉलेज से घर लौट रही थी, तभी युवक ने रोक कर उस पर चापड़ से ताबड़तोड़ वार कर दिया। दरअसल, कलारतराई निवासी युवती कोटा के निरंजन प्रसाद केशरवानी कॉलेज की छात्रा है। वो इकॉनामिक्स की पढ़ाई कर रही है। इसी कॉलेज में ग्राम साजापाली का रहने वाला योगेश साहू भी पढ़ता है। घटना के बाद आरोपी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी की मांग को लेकर स्टूडेंट्स ने जमकर हंगामा किया।

रिम्स में सुरक्षा से खेल

तैनात जवान खेलते हैं लूडो, फरार हो जाते हैं कैदी, 2 साल में 11 भागे

रांची, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। इलाज के नाम पर जेल से रिम्स आकर भर्ती होने वाले नक्सली-अपराधी खूब मौज कर रहे हैं। यहां सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। बने भी क्यों नहीं, जब पुलिस अधिकारी ही सो रहे हैं। रिम्स में भर्ती कैदियों की सुरक्षा का जायजा लेने के लिए कभी कोई पुलिस अधिकारी नहीं आते। हद तो यह है कि चंद कदमों की दूरी पर स्थित बरियातू थाने से थानेदार भी रिम्स पहुंच कर कैदियों की सुरक्षा व्यवस्था देखना उचित नहीं समझते।

पुलिस अधिकारियों के लापरवाह रवैये की वजह से ही रिम्स में भर्ती कैदियों की सुरक्षा में तैनात जवान ड्यूटी के नाम पर समय काटते हैं। उनका पूरा समय नक्सली व अपराधी के परिजनों के साथ मोबाइल पर लूडो और वीडियो गेम खेलने में बीतता है। यही कारण है कि मौका पाते ही कैदियों के फरार होने की घटनाएं रिम्स में हो रही हैं। ऑर्थो वार्ड से शातिर चेन स्नैचर मो. शाकिब उर्फ देबा के भागने के अगले दिन सोमवार को जब रिम्स के अलग-अलग वार्ड में सुरक्षा की पड़ताल की तो नक्सली-कैदी आराम करते दिखे।

राज्यभर की जेलों से कैदियों को लाकर रिम्स में भर्ती कराया गया है, लेकिन यह उनके लिए आरामगाह बन गया है। आंकड़े बताते हैं कि 2 साल में करीब 11 कैदी फरार हो चुके हैं।

जलवायु परिवर्तन के असर से भारत में बढ़ रही गर्मी-बारिश

आम आदमी की जेब पर पड़ रही भारी

दुबई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। मंगलवार को दुबई में संयुक्त राष्ट्र के जलवायु सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में वर्ल्ड मेटेरोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएमओ) की रिपोर्ट जारी की गई। इस रिपोर्ट में जो आंकड़े दिए गए हैं, वो डराने वाले हैं। दरअसल इस रिपोर्ट में बताया गया है कि जलवायु परिवर्तन के चलते भारत में बीते दशक में औसत से ज्यादा गर्मी बढ़ी है और साथ ही बारिश भी ज्यादा हुई है। साल 2011-20 के दशक को भारत के लिए सबसे ज्यादा गर्म दशक बताया गया है।

भीषण गर्मी के दिन बढ़े

बता दें कि डब्लूएमओ, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी है, जो मौसम, जलवायु और जल संसाधन का अध्ययन करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2011-20 का दशक उत्तर पश्चिमी भारत, पाकिस्तान, चीन और अरब पेनिन्सुला के दक्षिणी तट के इलाके के लिए सबसे गर्म रहा है। साल 1961-1990 के दशकों के मुकाबले 2011-20 के दशक में दक्षिण पूर्व एशिया, यूरोप, दक्षिणी अफ्रीका, मैक्सिको और पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में बेहद गर्म दिनों की संख्या दोगुनी हो गई है। वहीं ठंडे दिनों की संख्या लगातार कम हो रही है। पिछले दशक में 1961-1990 के दशकों की तुलना में ठंडे दिन 40 फीसदी कम हो गए हैं।

भारी बारिश के चलते बाढ़ की समस्या बढ़ी

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में बाढ़ की समस्या भी बढ़ गई है। जून 2013 में भारी बारिश, पहाड़ों की बर्फ पिघलने और ग्लेशियरों के पिघलने की वजह से उत्तराखंड में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं बढ़ गई हैं। जिनमें 5800 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। केरल में 2018, 2019 और 2020 में भयंकर बाढ़ आई है। इससे भारत और पड़ोसी देशों में 2000 से ज्यादा मौतें हुई हैं। जलवायु परिवर्तन से ना सिर्फ बारिश बढ़ी है बल्कि कई जगहों पर भयंकर सूखा भी पड़ा है, इससे कृषि प्रभावित हुई है। साथ ही पीने के पानी की भी समस्या बढ़ी है।

लोगों की जेब पर बढ़ रहा बोझ

डब्लूएमओ की रिपोर्ट के अनुसार, अंटार्कटिका में बर्फ की परत में 75 प्रतिशत की कमी आई है। ग्लेशियरों के पिघलने से समुद्र स्तर बढ़ रहा है और समुद्र की सतह गर्म होने से चक्रवाती तूफान की घटनाएं बढ़ रही हैं।

ग्लेशियरों के पिघलने की गति एक पीढ़ी से भी कम समय में बढ़कर दोगुनी हो गई है। जलवायु परिवर्तन का असर लोगों की जेब पर भी बढ़ रहा है। दरअसल बढ़ती गर्मी से जीवनयापन का खर्च बढ़ता जा रहा है।

स्कूल के नजदीक हुआ धमाका
कई बच्चे घायल

इस्लामाबाद, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पेशावर में एक स्कूल के नजदीक विस्फोट होने की खबर है। इस धमाके में कई स्कूली बच्चों के घायल होने की खबर है। फिलहाल पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पेशावर के वारसाक रोड स्थित एक स्कूल के करीब यह धमाका हुआ। पुलिस के अनुसार, यह धमाका विस्फोटक पदार्थों से ही किया गया है। फिलहाल पुलिस और राहत बचाव दल मौके पर मौजूद है।

धमाके में घायल बच्चों को पेशावर के लेडी रीडिंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में से दो बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अस्पताल के प्रवक्ता ने बताया कि घायल बच्चों की उम्र 7 साल से 10 साल के बीच है। पुलिस ने बताया कि धमाका मंगलवार सुबह करीब 9.10 बजे हुआ। पुलिस ने बताया कि करीब 4 किलो विस्फोटक से यह धमाका हुआ है।

ब्रिटेन से भारतीयों के लिए बुरी खबर

सख्त हुए वीजा के नियम, परिवार को नहीं ले जा सकेंगे साथ

लंदन, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिटिश सरकार देश में अप्रवासियों की संख्या कम करने में लगी है। इसे देखते हुए उसने सोमवार को सख्त कदम की घोषणा की है। इसमें विदेशी श्रमिकों के लिए स्किल के आधार पर वीजा पाने के लिए उच्च वेतन सीमा निर्धारित करना और परिवार के सदस्यों को अपने आश्रित के रूप में ब्रिटेन लाने पर रोक लगाना शामिल है। यह फैसला भारतीयों पर सीधे तौर पर असर डालने वाला है। क्योंकि हर साल हजारों भारतीय यूके जाते हैं। ब्रिटेन के ब्रिटेन के गृह सचिव जेम्स क्लेवरली ने ब्रिटिश संसद के निम्न सदन में इससे जुड़ा बयान दिया।

बयान में उन्होंने खुलासा किया कि इस कार्रवाई के तहत स्वास्थ्य और देखभाल वीजा पर डॉक्टर अब अपने परिवार के किसी भी सदस्य को अपने साथ नहीं ला सकेंगे। इस फैसले का असर

भारतीयों पर भी पड़ेगा। कुशल श्रमिक वीजा के माध्यम से ब्रिटेन आने के लिए आवेदन करने वालों के लिए वेतन सीमा वर्तमान 26,200 ब्रिटिश पौंड से बढ़ाकर 38,700 ब्रिटिश पौंड कर दी जाएगी। पारिवारिक वीजा श्रेणी के तहत आवेदन करने वालों पर भी समान वेतन राशि लागू होगी, जो वर्तमान में 18,600 ब्रिटिश पौंड है। क्लेवरली ने संसद को बताया, 'आव्रजन नीति निष्पक्ष, सुसंगत, कानूनी और टिकाऊ होनी चाहिए।'

भारतीयों का दबदबा

ब्रिटिश वीजा लेने के मामले में भारतीयों का दबदबा है। टाइम्स ऑफ इंडिया में छपी रिपोर्ट के मुताबिक यूके के गृह विभाग के डेटा से पता चलता है कि भारतीय वीजा लेना में स्किल्ड वर्कर के साथ-साथ मेडिकल प्रोफेशनल और छात्रों की लिस्ट में भी टॉप पर हैं। कुशल श्रमिक वीजा में पिछले वर्ष सिर्फ 9 फीसदी की मामूली वृद्धि देखी गई। लेकिन स्वास्थ्य और देखभाल के वीजा में 135 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई। इसमें भारतीय आवेदकों की संख्या 76 फीसदी बढ़ी है।

अमेरिका में धमाके के बाद घर तबाह

आरोपी ने पुलिस पर फ्लेयर गन से हमला किया पड़ोसी बोले- हम एक घंटे तक कांप रहे थे

वॉशिंगटन, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में एक विस्फोट में पूरा घर तबाह हो गया। दरअसल, आर्लिंगटन शहर में पुलिस को एक संदिग्ध के फ्लेयर गन से फ्यारिंग की सूचना मिली थी। इस पर पुलिस सर्च वॉरंट के साथ वहां पहुंची। तभी घर में कई राउंड फायरिंग और तेज धमाका हुआ। इसके बाद वहां आग लग गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। धमाके में कुछ पुलिस अफसरों को हल्की चोट आई है। घर में धमाके का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। घटना के बाद आसपास के कई लोगों को दूसरी जगह शिफ्ट किया गया है। वहीं बाकियों को घर के अंदर ही रहने की सलाह की गई है।

आर्लिंगटन काउंटी पुलिस के प्रवक्ता ऐश्ले सैवेज ने कहा- हमें सोमवार को शाम करीब 4:45 बजे फ्लेयर गन से फायरिंग की सूचना मिली थी। जब हम लोकेशन पर पहुंचे तो हमने गन चलाने वाले शख्स से को-ऑपरेट करते हुए बाहर आने को कहा। लेकिन उसने फायरिंग शुरू कर दी। फिर रात करीब 8 बजे घर में विस्फोट हो गया। जिस घर में धमाका हुआ, उसके पास रह रही एक महिला ने बताया- मुझे ऐसा लगा था जैसे मेरा घर तेजी से हिल रहा हो। पूरे घर में कांच के टुकड़े भर गए थे। मैं एक घंटे तक कांप रही थी। फिलहाल आर्लिंगटन पुलिस धमाके की जांच कर रही है। घर में धमाका करने वाले व्यक्ति की अब तक कोई जानकारी नहीं मिली है। इससे पहले रविवार को न्यूयॉर्क में एक शख्स ने 2 बच्चों सहित 4 परिजनों की हत्या कर दी थी। हमलावर ने दो पुलिस अफसरों पर भी चाकू से हमला किया था और एक बिल्डिंग में आग लगा दी थी। हालांकि, बाद में पुलिस की जवाबी कार्रवाई में हमलावर मारा गया था।

कैसे अमेरिका को एक परिवार ने लगाई नशे की लत

2300 मुकदमे झेले, अब फिर सुनवाई, सालाना एक लाख मौतों के जिम्मेदार परिवार की कहानी

वॉशिंगटन, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। 'एक बार जब आप हेरोइन लेना शुरू कर देते हैं तो इससे किसी इंसान की तरह रिश्ता बनने लगता है। आप इसे छोड़ने के बारे में सोच भी नहीं पाते हैं।'

ये अमेरिका के एक बेघर और नशे से पीड़ित शख्स डैन का कहना है। नशे की लत की ये कहानी किसी एक डैन की नहीं है बल्कि अमेरिका में ऐसे लाखों डैन हैं। ये नशे के बिना अपनी जिंदगी के बारे में सोच भी नहीं पाते।

अमेरिका में 2022 में एक लाख से ज्यादा लोगों ने ड्रग्स के ओवरडोज से जान गवां दी। इतना ही नहीं, नशे की वजह से अमेरिकी लोगों की औसतन उम्र दो साल कम हो गई है।

दुनिया के सबसे पावरफुल देश की इस हालत का जिम्मेदार 'सैकलर' परिवार को माना जाता है। इस परिवार के पास उस पर्ड्यू दवा कंपनी का मालिकाना हक था, जिसकी दवा को खाकर अमेरिका में लोगों को नशे की लत लगी थी। अमेरिका को ड्रग्स के संकट में धकेलने के बाद कंपनी ने 2019 में खुद को दिवालिया घोषित कर दिया था।

4 साल बाद सोमवार को अमेरिका की सुप्रीम कोर्ट ने इस

बात की सुनवाई करना शुरू किया है कि क्या कंपनी ने पीड़ित लोगों के परिवार से जो मुआवजा देने का वादा किया था वो पूरा हो रहा है या नहीं?

अमेरिका में जब दर्द की दवा ही बन गई नशे की लत

1990 के दशक की बात है। अमेरिका के डॉक्टरों ने माना कि वहां के लोगों को शरीर में दर्द की गंभीर समस्या है। इससे आराम पाने के लिए कोई उपाय निकाला जाना चाहिए।

इसके बाद अमेरिका में फार्मा कंपनियों के बीच दर्द की दवा बनाने की होड़ मच गई। इसमें पर्ड्यू नाम की कंपनी सबसे आगे निकली। इस दवा को बनाने में डॉक्टर रिचर्ड सैकलर ने अहम भूमिका निभाई। वो इस कंपनी के कई मालिकों में से एक थे। इनकी कंपनी ने जो दवा बनाई, उसका नाम था- ऑक्सीकोंटिन।

दवा बनाने के बाद पर्ड्यू कंपनी ने ऑक्सीकोंटिन का ट्रायल 15 जून 1993 से 15 अप्रैल 1994 तक किया। इस ट्रायल में 133 उम्रदराज लोगों को शामिल किया गया था, जिन्हें घुटनों और जोड़ों में दर्द की समस्या थी।

इस ट्रायल को केवल 63 लोग ही पूरा कर पाए। इनमें भी 82% लोगों को कई तरह के साइड इफेक्ट हुए। इसके बावजूद खतरे को नजरअंदाज करके कंपनी ने बताया कि ये दवा लंबे समय के लिए दर्द दूर करने में सक्षम है।

इसके बाद मार्केटिंग टीम दवा को लोगों के बीच ले जाने के लिए 500 डॉक्टर्स के साथ मीटिंग करती है। इनमें से 76% डॉक्टर दवा के इस्तेमाल के लिए राजी हो जाते हैं। दवा को मार्केट में उतार दिया जाता है। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक रिचर्ड सैकलर ने दवा को प्रमोट करने के लिए बड़ी-बड़ी पार्टियां रखीं। इस बीच ये कंपनी जेनेवा के एक मशहूर डॉक्टर पियरे डेयर को दर्द दूर करने की मुहिम से जोड़ती है।

वो कंपनी की इस मुहिम की तारीफ करते हैं, लेकिन साथ ही वो इस दवा को खाने की आदत लगने की संभावना भी जाहिर करते हैं। हालांकि कंपनी इस बात को नजरअंदाज कर देती है। नतीजा ये रहा है कि बाजार में आते ही दवा की बिक्री खूब हुई। कंपनी ने एक साल की सेल के टार्गेट को 8 महीने में ही पूरा कर लिया। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट वॉक्स के मुताबिक दवा जैसे ही मार्केट में आई तो दर्द से परेशान लोगों ने तेजी से इसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। धीरे-धीरे दूसरी फार्मा कंपनियां भी दर्द की दवा बनाने के बिजनेस में कूदने लगीं।

इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि केवल 2012 में अमेरिका के डॉक्टरों ने 25 करोड़ से ज्यादा दर्द के मरीजों को ऑक्सीकोंटिन दवा लिखी।

स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कीथ हम्फरीज ने तब कहा था कि इस दवा से दर्द छूट जाए इसकी कोई गारंटी नहीं है, लेकिन इंसानों को इसकी आदत जरूर लग सकती है। इसके कुछ समय बाद ये देखा गया कि अमेरिका में काफी सारे लोगों को ये दवा खाने की आदत लग गई।

जब इस दवा के ओवरडोज की वजह से काफी सारे लोग मरने लगे, तब सरकार ने 2013 में इस पर रोक लगाने का फैसला किया। 2015 में अमेरिका में ड्रग्स के ओवरडोज से रिकॉर्ड 52 हजार लोगों की मौत हुई थी। ये आंकड़ा वहां सड़क दुर्घटना और मास शूटिंग से मरने वालों से कहीं ज्यादा था। 2015 में ड्रग्स से होने वाली मौतों का आंकड़ा 1995 में एड्स महामारी के दौरान होने वाली मौतों से भी ज्यादा हो गया। तब ये माना गया कि अमेरिका में नशा एक महामारी बन चुका है। इसे ओपिऑयड संकट नाम दिया गया। इसके बावजूद जिन लोगों को इस दवा की आदत लग गई थी, वो इसे चोरी-छिपे इस्तेमाल कर रहे थे। जब इन्हें ये दवा मिलनी बंद हो गई तो ये इसकी जगह अफीम, हेरोइन और खतरनाक ड्रग फेंटेनाइल का यूज करने लगे। इस तरह अमेरिका में एक जेनरेशन पूरी तरह से नशे की चपेट आ गई।

ओपिओईड संकट के लिए अमेरिका में सैकलर परिवार को जिम्मेदार ठहराने के पीछे पहली मुख्य वजह तो यही है कि जिस पर्ड्यू फार्मा कंपनी ने ऑक्सीकोंटिन दवा बनाई उसे चलाने वाले सैकलर परिवार के लोग थे। परिवार के कई सदस्य 2018 तक कंपनी के बोर्ड के मेंबर्स रहे, इन्होंने पेन किलर्स के नाम पर नशे की दवा बेचकर खूब मुनाफा कमाया था।

नेतन्याहू वॉर क्रिमिनल: तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन बोले- जंग के बाद इजराइली पीएम पर केस चले

हमास आतंकी संगठन नहीं है

अंकारा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। तुर्किये के राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोगन ने एक बार फिर हमास का बचाव करते हुए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को वॉर क्रिमिनल (युद्ध अपराधी) बताया है। एर्दोगन ने कहा- इजराइल और हमास की जंग खत्म होने के बाद नेतन्याहू पर वॉर क्राइम्स के लिए केस चलना चाहिए। उन्होंने यूगोस्लाविया के पूर्व राष्ट्रपति मिलोसेविक की मिसाल देते हुए कहा- जिस तरह मिलोसेविक पर युद्ध अपराध का केस चलाया गया था। वही सलूक नेतन्याहू के साथ भी होना चाहिए।

इस्तांबुल में ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक काउंसिल की मीटिंग में एर्दोगन ने हमास का फिर बचाव किया और उसे हक के लिए लड़ने वाला संगठन बताया। नेतन्याहू को एर्दोगन ने कसाई और नरसंहार करने वाला मुजरिम बताया। एर्दोगन ने कहा कि इजराइल गाजा में मासूम लोगों के कत्ल का गुनहगार है और उसे मानवता पर बातचीत करने का कोई हक नहीं है। उन्होंने कहा- तुर्किये पहले भी फिलिस्तीन और गाजा की मदद करता रहा है और हम आगे भी यही करेंगे। इस्लामिक देशों को इस मामले में सख्त रुख अपनाना चाहिए।

एर्दोगन ने यूएन सिक्योरिटी काउंसिल के सदस्य देशों पर भी तंज कसा। कहा- ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, रूस और अमेरिका दोहरा रवैया अपना रहे हैं। अब बहुत जरूरी हो गया कि सिक्योरिटी काउंसिल में सुधार किए जाएं। फिलहाल, सिक्योरिटी काउंसिल का जो स्ट्रक्चर है, उसमें वो कभी किसी जगह अमन नहीं ला सकता और ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं। पिछले महीने भी नाटो देशों के अहम सदस्य तुर्किये के राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोगन ने इजराइल पर हमला करने वाले फिलिस्तीनी संगठन हमास का बचाव किया था। एर्दोगन ने पार्टी सांसदों से मुलाकात के दौरान कहा था- मैं इजराइल नहीं जाऊंगा। हमास आतंकी संगठन नहीं है। इसके मेंबर्स आजादी की जंग में हिस्सा लेने वाले मुजाहिदीन हैं। ये अपनी जमीन और नागरिकों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। हम आम नागरिकों पर हमलों के खिलाफ हैं, भले ही वो इजराइली क्यों न हों। पिछले महीने तुर्किये में इजराइल का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी अडाना प्रांत में स्थित एक एयरबेस में घुस गए थे। तब यहां अमेरिकी सैनिक मौजूद थे। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए टीयर गैस और वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया था। तुर्किये जंग को लेकर इजराइल का विरोध कर रहा है। वहीं, अमेरिका जंग की शुरुआत से ही इजराइल का सपोर्ट कर रहा है।

इसके पहले अमेरिका के ओकलैंड पोर्ट पर इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मिलिट्री शिप का रास्ता रोक दिया था। इस शिप में इजराइल को दिए जाने वाले हथियार थे। प्रदर्शनकारी इस शिप के ऊपर चढ़ गए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि उन्हें सूत्रों से पता चला था कि शिप में इजराइल की मदद के लिए हथियार पहुंचाए जा रहे थे। ये लोग 'फ्री फिलिस्तीन' के नारे लगा रहे थे।

हमास ने हथियार की तरह किया रेप का इस्तेमाल

यूएन में चश्मदीद बोले- परिवार जिंदा जलाए, औरतों के प्राइवेट पार्ट्स में गोलियों के निशान मिले

तेल अवीव, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। इजराइल पर 7 अक्टूबर को हुए हमास के हमले के करीब 2 महीने बाद यूएन में सोमवार को एक स्पेशल सेशन हुआ। इसमें इजराइल ने हमास पर इजराइली महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध के आरोप लगाए।

यूएन में इजराइल के राजदूत गिलाड एर्दान ने कहा- 7 अक्टूबर को इजराइल ने सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद का सबसे बड़ा जनसंहार देखा। इजराइलियों पर की गई ज्यादतियां आईएसआईएस और हिटलर के किए अत्याचारों से भी बुरी थी। उन्होंने कहा- हमास ने परिवारों को जिंदा जलाया, माता-पिता के सामने बच्चों के सिर कलम किए।

उनके अपराध यहीं नहीं रुके। हमास ने रेप और यौन हिंसा का इस्तेमाल हथियारों की तरह किया। हैरानी की बात ये है कि इन ज्यादतियों पर अंतर्राष्ट्रीय

संस्थाएं चुप रहीं। मैं साढ़े तीन साल से यूएन में इजराइल का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं, लेकिन मैंने कभी यूएन की एजेंसियों का ऐसा व्यवहार नहीं देखा।

इजराइल ने सबूत के तौर पर म्यूजिक फेस्ट में बचने वाले लोगों की गवाही के वीडियो चलाए। इनमें एक गवाह ने कहा कि हमास ने महिलओं के निजी अंगों पर गोलियां चलाईं। उनकी चेस्ट और जेनिटल एरिया में गोलियों के निशान मिले हैं। हालांकि, इजराइली महिलाओं से रेप के आरोपों को हमास ने सिरे से खारिज किया है। हमास की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि ये यहूदियों की फैलाई झूठ है, ताकि वो फिलिस्तीनी आंदोलन को बदनाम कर सकें। हमास के साथ जंग के बीच इजराइली सेना गाजा में सुरंगों के अंदर भूमध्य सागर का पानी छोड़ने की तैयारी कर रही है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके लिए गाजा के अल-शाती अस्पताल के पास 5 बड़े वॉटर पम्प लगाए गए हैं।

इसके जरिए हर घंटे सुरंगों में हजारों क्यूबिक मीटर पानी छोड़ा जाएगा। इजराइल ने अमेरिका को भी नवंबर में इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, ऐसा कब होगा, इसकी कोई तारीख अब तक तय नहीं की गई है।

दूसरी तरफ, इजराइल ने साउथ गाजा के खान यूनिस और दूसरे इलाकों पर हमले तेज कर दिए हैं। इजराइली सेना आईडीएफ ने कहा है कि 7 दिन के सीजफायर के दौरान उनके सैनिकों ने जंग के लिए तैयारी की। वो नॉर्थ के बाद अब साउथ गाजा में भी हमास को मिटाने के लिए तैयार हैं।

टैंकों के साथ साउथ गाजा में ऑपरेशन चला रही आईडीएफ ने गाजा पट्टी के नॉर्थ-साउथ हाईवे को जंग का मैदान घोषित कर दिया। इजराइल ने सोमवार को गाजा में मौजूद हमास की कोर्ट जस्टिस पैलेस पर कब्जा कर इसे तबाह कर दिया। सेना ने दावा किया है कि जंग शुरू होने के बाद से गाजा में करीब 15 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

पाकिस्तान में खालिस्तानी आतंकी लखबीर रोडे की मौत

जालंधर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत के मोस्ट वांटेड खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह रोडे (72) की पाकिस्तान में मौत हो गई है। वह प्रतिबंधित संगठन खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) और इंटरनेशनल सिख यूथ फेडरेशन का प्रमुख था। रोडे जरनैल सिंह भिंडरांवाले का सगा भतीजा था।

रोडे की 2 दिसंबर को दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई थी। अकाल तख्त के पूर्व जत्थेदार जसबीर सिंह रोडे ने उसकी मौत की पुष्टि की। एक निजी न्यूज एजेंसी से बातचीत में जसबीर सिंह रोडे ने कहा- भाई

के बेटे द्वारा उन्हें सूचित किया गया है कि लखबीर की पाकिस्तान में मौत हो गई है। भारत सरकार ने लखबीर सिंह रोडे को यूएपीए के तहत आतंकी घोषित किया था। जिसके बाद वह पाकिस्तान भाग गया था। 2021 में पंजाब के लुधियाना कोर्ट में हुए ब्लास्ट में भी आतंकी लखबीर सिंह रोडे का नाम सामने आया था।

खालिस्तानी आतंकी लखबीर सिंह रोडे पंजाब में स्लीपर सेल तैयार कर रहा था। इसने अमृतसर में बॉर्डर के रास्ते ग्रेनेड और टिफिन बम भी भिजवाए थे। रोडे की मदद पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई कर रही थी। आतंकी रिंदा भी रोडे के टच में था। कुछ दिन पहले पंजाब की एजेंसियों ने खुलासा किया था कि रोडे ने पंजाब में करीब 70 स्लीपर सेल तैयार किए हैं।

पाकिस्तानी नसरुल्ला या अरविंद, किसके साथ जाएगी अंजू

भारतीय पति के बयान से फंसा बड़ा पेच

इस्लामाबाद, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की शादीशुदा महिला अंजू अपने फेसबुक पर मिले प्रेमी के लिए पाकिस्तान चली गई थीं। पाकिस्तान में लगभग चार महीने बिताने के बाद वह एक बार फिर लौट आई हैं। अंजू का कहना है कि वह अपने बच्चों के लिए आई हैं। अंजू के ऊपर भारत में उनके पति अरविंद ने मुकदमा दर्ज कराया था। इससे पहले अरविंद कह चुके थे कि वह अंजू को स्वीकार नहीं करने वाले। लेकिन अब उनका एक नया इंटरव्यू आया है। इसमें वह अंजू को वापस स्वीकार करने के लिए तैयार दिख रहे हैं। हालांकि इसमें भी पेच है। अंजू जुलाई में पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में चली गई थीं। वहां पहुंचने के बाद अंजू कह रही थीं कि वह सिर्फ घूमने के लिए आई हैं। लेकिन एक के बाद एक उनकी हर एक बात झूठ साबित होती रहीं। दोस्त बताने वाला नसरुल्ला अंजू का प्रेमी निकला और पाकिस्तान में दोनों ने निकाह कर लिया। अंजू ने ईसाई धर्म छोड़ कर इस्लाम अपना लिया और फातिमा बन गई। अंजू ने जब नसरुल्ला से निकाह किया तब तक उन्होंने अरविंद से तलाक

नहीं लिया था। ऐसे में अरविंद ने अंजू और नसरुल्ला पर मुकदमा दर्ज करा दिया। अरविंद ने हाल ही में एक इंटरव्यू दिया है। इसमें जब उनसे पूछा गया कि क्या वह केस वापस ले सकते हैं तो उनका कहना था कि अब यह बच्चों पर निर्भर करता है। अरविंद ने कहा कि बच्चों से बातचीत के बाद फैसला लिया जाएगा। उन्होंने अंजू से मुलाकात करने पर सहमति जताई। उन्होंने कहा, 'हम बातचीत करेंगे और बच्चे जैसा कहेंगे वैसा करेंगे। बच्चे अगर कहेंगे तो एप्लीकेशन रद्द किया जा सकता है। आगे का फैसला बच्चों पर निर्भर करता है।' इसके अलावा उनसे जब पूछा गया कि क्या अगर अंजू आना चाहें तो वह अपनाने को तैयार हैं? इस पर भी उन्होंने कहा कि इसकी राय बच्चों से ली जाएंगी। बच्चे अगर कहते हैं तो अपना लेंगे। अंजू अरविंद के साथ रहेंगी या नहीं यह आने वाला वक्त बताएगा। हालांकि अभी तक अंजू नसरुल्ला के साथ अपने संबंधों को पर्सनल बताती रही हैं। अंजू का कहना है कि वह नसरुल्ला के साथ रहना चाहती हैं।

श्रीकरणपुर सीट पर 5 जनवरी को होगी वोटिंग

कांग्रेस उम्मीदवार के निधन के बाद स्थगित हुए थे चुनाव, परिवार को टिकट दे सकती है पार्टी

जयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले की श्रीकरणपुर सीट पर 5 जनवरी को चुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने करणपुर सीट पर चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी है। 12 से 19 दिसंबर तक नामांकन होंगे। 20 दिसंबर को नामांकनों की जांच होगी। 22 दिसंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 5 जनवरी को वोटिंग और 8 जनवरी को काउंटिंग होगी।

कांग्रेस उम्मीदवार गुरमीत सिंह कुन्नर के 19 नवंबर को निधन के बाद इस सीट पर चुनाव रद्द किए गए थे। इसके कारण 25 सितंबर को 199 सीटों पर ही चुनाव हुए थे। अब बची हुई एक श्रीकरणपुर सीट पर 5 जनवरी को चुनाव होंगे। श्रीकरणपुर सीट पर कांग्रेस दिवंगत विधायक गुरमीत सिंह कुन्नर के बेटे या पत्नी को टिकट दे सकती है। कांग्रेस ने पिछली बार हुए उप चुनावों में नेताओं के परिवारों से टिकट दिए थे। कांग्रेस इस बार भी सहानुभूति कार्ड खेल सकती है। इसका उप चुनावों में फायदा भी मिला था। पिछली बार जिन विधायकों का निधन हुआ, उनमें उनके बेटे या पत्नी को टिकट दिया। सुजानगढ़ में मास्टर भंवरलाल मेघवाल के निधन के बाद उनके बेटे मनोज कुमार वल्लभनगर से गजेंद्र शक्तावत की पत्नी प्रीति शक्तावत, सहाड़ा से कैलाश त्रिवेदी की पत्नी गायत्री त्रिवेदी, सरदारशहर से भंवरलाल शर्मा के बेटे अनिल शर्मा को टिकट दिया था।

तीन चुनावों से बना हुआ संयोग

बता दें कि पिछले तीन चुनावों से लगातार यह संयोग बना हुआ है कि 200 सीटों पर एक साथ वोटिंग नहीं होती। 2013 में चूरू और 2018 में रामगढ से बसपा उम्मीदवार के निधन की वजह से उन सीटों पर बाद में चुनाव हुए थे। 2013 के विधानसभा चुनाव की वोटिंग से पहले चूरू से बसपा उम्मीदवार जेपी मेघवाल का निधन हो गया था, इसलिए चूरू में नई सरकार बनने के बाद वोटिंग हुई थी, इस चुनाव में राजेंद्र राठौड़ जीते थे। वहीं, 2018 में अलवर के रामगढ़ से बसपा उम्मीदवार लक्ष्मण सिंह के निधन की वजह से चुनाव स्थगित हुआ था। रामगढ़ सीट पर गहलोत सरकार बनने के बाद चुनाव हुआ। इसमें कांग्रेस उम्मीदवार सफिया जुबैर जीतीं थी।

श्रीकरणपुर में चुनाव का शेड्यूल

चुनाव से जुड़े इवेंट	तारीख
अधिसूचना और नामांकन की शुरुआत	12 दिसंबर 2023 (मंगलवार)
नामांकन की आखिरी तारीख	19 दिसंबर 2023 (मंगलवार)
नामांकन पत्रों की स्क्रूटनी	20 दिसंबर 2023 (बुधवार)
नाम वापसी की आखिरी तारीख	22 दिसंबर 2023 (शुक्रवार)
मतदान	5 जनवरी (शुक्रवार)
मतगणना	8 जनवरी (सोमवार)

जीत के बाद अस्पताल पहुंचे विधायक, बाथरूम किया साफ

नगरपालिका ऑफिस में नहीं मिला ईओ, गेट पर लगे ताले को किया प्रणाम

बांदीकुई, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा के बांदीकुई से भाजपा पार्टी के नवनिर्वाचित विधायक भागचंद टांकडा जीत के तीसरे दिन एक्टिव दिखे। मंगलवार सुबह 9 बजे बाइक से वे बांदीकुई उप जिला अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने महिला वार्ड के बाथरूम में गंदगी देखकर नाराजगी जताई और ब्रश उठाकर सफाई करने लगे।

इसके बाद वे नगर पालिका ऑफिस पहुंचे। यहां ईओ ऑफिस में नहीं मिले। विधायक ने ईओ के ऑफिस के गेट पर लगे ताले को प्रणाम किया। इसके बाद विधायक ने सभी को व्यवस्थाओं में सुधार करने के निर्देश दिए।

अस्पताल के कर्मचारी बांह चढ़ाते हैं

विधायक भागचंद टांकडा ने कहा-जब मैं अस्पताल पहुंचा तो केवल अस्पताल प्रभारी डॉ. अशोक गुर्जर मिले। यहां 30 लोगों का स्टाफ है। डॉक्टर्स के कमरों पर ताले लटके मिले। पहले जनता यह कहती थी कि यहां का जो विधायक बनेगा वह बांह चढ़ाएगा। लेकिन यहां अस्पताल में कर्मचारी बांह चढ़ाते हैं। यदि कर्मचारी बांह चढ़ाना जानते हैं तो मैं भी जानता हूं। उन्होंने कहा- जिस कर्मचारी को यहां नौकरी करनी है वह खूब करे और जिसको नहीं करनी है वह जगह ढूंढ ले। अस्पताल में व्यवस्था में हर कीमत पर सुधार होना चाहिए। मरीज के साथ स्टाफ का व्यवहार अच्छा रहे। वह 10 दिन बाद फिर से निरीक्षण करने अस्पताल आऊंगा। कमी मिली तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उप जिला अस्पताल के प्रभारी डॉ. अशोक सिंह गुर्जर ने बताया कि आज विधायक निरीक्षण करने आए थे, कुछ कमियां मिली है। जल्दी ही इन कमियों में सुधार किया जाएगा।अस्पताल के बाद विधायक टांकड़ा नगर पालिका के निरीक्षण के लिए पहुंचे। जहां अधिशासी अधिकारी रजनीश चौधरी के कक्ष पर ताला लगा हुआ मिला। विधायक ने हाथ जोड़ कर ईओ कक्ष पर लगे ताले को प्रणाम किया। विधायक ने कहा- पालिका में 30 लोगों का स्टाफ है। इसमें से 11 कर्मचारी मौजूद मिले। विधायक ने नगर पालिका जेईएन लाखन सिंह गुर्जर से व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए।

विधायक ने कहा-शहर में सरकारी व्यवस्थाओं में हर कीमत पर सुधार करेंगे। ताकि लोगों को सरकारी सुविधाओं का फायदा मिले। यदि कोई भी अधिकारी और कर्मचारी लापरवाही करेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई होगी।नगर पालिका जेईएन लाखन सिंह गुर्जर ने कहा- अधिशासी अधिकारी जयपुर से आते हैं।

विधायक का फरमान : राज बदला, रिवाज भी बदलना होगा

दस दिन में सुधार करो या दूसरी जगह तलाश लो

दौसा, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। दौसा के बांदीकुई विधायक भागचंद टाकडा एक्शन में नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा है कि राजस्थान में राज बदल गया, लेकिन रिवाज वही नजर आ रहा है। भागचंद विधायक बनते ही बांदीकुई के सरकारी अस्पताल में पहुंच गए, जहां वह टॉयलेट गंदा देखकर सरकारी मशीनरी पर भड़क गए। विधायक फिर खुद ही टॉयलेट साफ करने लगे।

राजस्थान में राज बदल गया है और अब रिवाज बदलने की कवायद शुरू हो चुकी है, जिसके चलते भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक भागचंद टाकड़ा चुनाव जीतते ही एक्शन मोड में आ गए हैं। विधायक मंगलवार को अचानक उपजिला अस्पताल का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। यहां चिकित्सक कमरों के ताला लटका मिला तो ने नाराजगी जताई। विधायक भागचंद टाकडा ने चेतावनी देते हुए कहा दस दिन में सुधार किया जाए नहीं अपनी जगह ढूंढ लें। विधायक बनने के बाद आज भागचंद टाकडा पहली बार अपने शहर के निरीक्षण पर निकले। विधायक महिला अस्पताल पहुंचे तो टॉयलेट में गंदगी देख सरकारी मशीनरी पर भड़क गए। विधायक टाकडा ने अस्पताल के तमाम अधिकारी एवं कर्मचारियों को लताड़ लगाते हुए कहा कि इस तरह की गंदगी दोबारा नहीं दिखनी चाहिए।

बाबा बालमुकुंद बोले-मीट की दुकान बंद कराना हिंदू-मुस्लिम मुद्दा नहीं

प्रदेश की छवि को बचाना जरूरी

जयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। सरकार बनने से पहले ही एक्शन में आए भाजपा विधायक भगवाधारी बाबा बालमुकुंद आचार्य ने सोमवार को अपनी विधानसभा में अवैध बूचड़खानों को बंद करवा दिया। बाबा के एक्शन को देखकर बाजार में भगदड़ मची रही। बाबा के समर्थक जोश में जय श्री राम के नारे लगाने लगे। कुछ देर बाद ही बाबा के इस एक्शन का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल होने लगा। जिस पर तरह तरह की प्रतिक्रियाएं भी आने लगीं। कांग्रेस ने इस वीडियो पर तंज करते हुए लिखा था, बदलता हुआ राजस्थान। पधारो म्हारे देश! इस प्रतिक्रिया के बाद अब बाबा ने अपने इस एक्शन पर सफाई दी है। उन्होंने इस एक्शन के पीछे हिंदू-मुस्लिम की बात नहीं है। प्रदेश की छवि खराब न हो इस वजह से ये एक्शन लिया है। बालमुकुंद आचार्य ने कहा कि हम वहां मांस की दुकानें बंद कराने नहीं गए थे। हमने उन अवैध बूचड़खानों पर एक्शन लिया है, जो रोड पर चल रहे हैं। इसमें से ज्यादातर लोग बांग्लादेशी हैं। इन लोगों के पास मांस बेचने का लाइसेंस नहीं है। उन्होंने कहा कि लगातार शिकायत मिल रही थी कि ये लोग सफेद मांस बेच रहे हैं, मतलब ये गाय का मांस है। इन लोगों ने 40 से 50 फीट तक रोड पर कब्जा कर रखा है। इनके कारण यहां का माहौल खराब हो रहा है। यहां विदेशी पर्यटक आते हैं और यहां की तस्वीर खींच कर ले जाते हैं, जिससे विदेश में छवि खराब हो रही है। बता दें भगवाधारी बाबा बालमुकुंद आचार्य ने राजस्थान की हवा महल विधानसभा सीट से चुनाव जीता है। इस जीत के बाद बाबा बालमुकुंद आचार्य क्षेत्र काफी सक्रिय नजर आ रहे हैं। सोमवार को बाबा अपनी विधानसभा में पैदल घूम-घूम कर अवैध बूचड़खानों को बंद करते नजर आए। बाबा के वीडियो सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल भी हो गए। बाबा को देखते ही बाजार में भगदड़ मच गई। लोग मीट की दुकानें बंद कर भागते नजर आए।

राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष पर चार बदमाशों ने की ताबड़तोड़ फायरिंग; अस्पताल में मौत

जयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर में राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को जयपुर में गोली मार दी गई है। सुखदेव सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। लेकिन इलाज के दौरान ही उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं, फायरिंग और हत्या की इस घटना के बाद अब शहर भर के पुलिस अधिकारी आरोपियों की तलाश में जुट गए हैं। गोलीबारी की जगह पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज और अन्य माध्यमों के जरिए आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। बताया जा रहा है कि अभी कुछ देर पहले जयपुर के श्याम नगर इलाके में गोगामेड़ी के घर के नजदीक ही उन पर हमला हुआ है। फायरिंग की इस घटना की जानकारी जैसे ही सोशल मीडिया पर पहुंची तो वैसे ही उनके समर्थक और समाज से जुड़े लोग अस्पताल पहुंचने लगे। लेकिन उनको अस्पताल में जाने नहीं दिया गया। वहां पर भी पुलिस का बंदोबस्त किया गया है। इस घटना के बाद अब शहर में माहौल खराब नहीं हो इसके लिए भी पुलिस अफसरों ने कार्रवाई शुरू कर दी है। इस घटना के बाद पूरे शहर में हंगामा मचा हुआ है। सोशल मीडिया के जरिए खबर तेजी से वायरल हो रही है। गोगामेड़ी सबसे पहले आनंदपाल एनकाउंटर केस के बाद चर्चा में आए थे।

खालिस्तानी कनेक्शन को लेकर राजस्थान और हरियाणा में सर्च

दोनों राज्यों में 30 जगह पर ईडी और अन्य एजेंसियों ने की कार्रवाई

जयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के कई जिलों में मंगलवार को ईडी और अन्य जांच एजेंसियों ने खालिस्तानी के कनेक्शन को लेकर सर्च शुरू किया। राजस्थान और हरियाणा के बॉर्डर पर स्थित कुछ जगहों पर सबसे अधिक सर्च किया जा रहा।

दोनों राज्यों में 30 से ज्यादा जगह पर सर्च चल रहा है। हालही में कुछ जगहों से एजेंसियों को मिले इनपुट के बाद यह सर्च की जा रहा हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर एक नक्शा वायरल हुआ था। इस नक्शे को खालिस्तान का भविष्य का नक्शा बताया गया था। इस नक्शे में राजस्थान के अलवर, भरतपुर, श्रीगंगानगर, अनूपगढ़, बीकानेर, फलोदी, जोधपुर, बूंदी व कोटा को दिखाया गया था। दो साल पहले भी यह नक्शा सामने आया था। लंबे समय तक इस पर चर्चा चली थी। केंद्रीय एजेंसियों ने उस दौरान अपनी खूफिया विंग को एक्टिव कर बिना लोकल पुलिस के सपोर्ट पर सर्च किया था।

अब सत्ता संघर्ष शुरु : सीएम की कमान के लिए वसुंधराराजे ने किया शक्ति प्रदर्शन

जयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। तीन राज्यों में स्पष्ट बहुमत मिलने के बाद भाजपा में अब सत्ता संघर्ष शुरू हो गया है। राजस्थान का सीएम बनने के लिए तमाम दावेदारों की दिल्ली और जयपुर तक भागदौड़ शुरू हो गई है। मुख्यमंत्री की दावेदारी में राजस्थान से करीब 10 लोगों के नाम हैं। लेकिन, सीएम कौन बनेगा, इस पर अभी धुंध छाई हुई है। तस्वीर साफ नहीं हो पा रही है।

इस बीच, डिनर और बधाई के बहाने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधराराजे के शक्ति प्रदर्शन ने इस खेल को और भी रोचक बना दिया है। दावा किया जा रहा है कि वसुंधराराजे के कैंप में पहुंचे विधायकों की संख्या 47 तक है। इनमें निर्दलीय जीते 7 विधायकों की अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। वसुंधराराजे खेमे के लोग जहां इन 7 निर्दलीयों को इस संख्या से अलग बता रहे हैं. वहीं भाजपा के लोग 7 निर्दलीयों को जोड़कर वसुंधराराजे खेमे के 47 विधायक मान रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक राजस्थान का सीएम तय करने को दिल्ली में भी कवायद चल रही है। लेकिन, संसद सत्र के कारण इसमें अभी 2-3 दिन का समय लगने की संभावना जताई जा रही है। इसकी वजह यह है कि जो नाम सीएम के दावेदारी के रूप में सामने आ रहे हैं। उनकी मैरिट-डी-मैरिट को लेकर भी मंथन चल रहा है। इस बीच, भाजपा के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह मंगलवार को जयपुर पहुंच गए। उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष सी. पी जोशी से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि यहां चल रहे शक्ति प्रदर्शन और संभावित दावेदारों के बारे में अपनी गोपनीय रिपोर्ट केंद्रीय नेतृत्व को सौंपेंगे।

बुधवार को हो सकती है विधायक दल की मीटिंग

भाजपा सूत्रों की मानें तो भाजपा विधायक दल की मीटिंग बुधवार को बुलाए जाने की संभावना है। इसके लिए मंगलवार शाम तक पर्यवेक्षक नियुक्त किए जा सकते हैं। जीते हुए सभी विधायकों को जयपुर पहुंचने के लिए बोल दिया गया है।

आजादी के बाद दूसरी महिला विधायक बनी

बड़े नेताओं की 'छोटी' जीत

मदन कौर के बाद डॉ. प्रियंका चौधरी बनी निर्दलीय एमएलए, बाड़मेर सीट से पहली महिला

बाड़मेर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर जिले की सात विधानसभा सीटे में से एक मात्र महिला डॉ. प्रियंका चौधरी निर्दलीय जीती है। जिले में महिला को विधायक के तौर पर दूसरी बार प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है। इससे पहले एक मात्र महिला मदन कौर पचपदरा सीट से 3 बार गुड़ामालानी सीट से 1 विधायक बने है। इसके बाद बाड़मेर जिले की एक मात्र सीट बाड़मेर से दो महिलाओं ने चुनाव लड़ा लेकिन जीत नहीं पाई। लेकिन इस चुनाव में बाड़मेर से प्रियंका चौधरी बीजेपी से टिकट मांग रही थी लेकिन टिकट नहीं मिला और निर्दलीय चुनाव लड़ा। डॉ. प्रियंका चौधरी जीत गई। बाड़मेर इतिहास में दूसरी महिला विधायक बनी है।

दरअसल, राजनीतिक पार्टियों चुनावों में महिलाओं को आरक्षण देने की बात करती है लेकिन धरातल पर आरक्षण मिलता नजर नहीं आ रहा है। बाड़मेर जिले में आजादी से लेकर अब तक हुए विधानसभा और लोकसभा चुनावों में आधा दर्जन से कम महिलाओं को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा लेकिन दल से महिलाएं अभी एक महिला जीत विधायक बन पाई है। लोकतंत्र के पर्व महिलाएं पुरुषों से ज्यादा भागीदारी निभा रही है। लेकिन राजनीतिक दल महिलाओं को नेतृत्व देने में आगे नहीं आ रहा रहा है। जिले में सात विधानसभा क्षेत्र है

लेकिन महिला को प्रतिनिधित्व आबादी और सीटों के अनुसार नहीं मिल रहा है।

बीजेपी पार्टी ने साल 2013 में बाड़मेर सीट से एक बार प्रियंका चौधरी, साल 2008 में एक बार मृदुरेखा चौधरी को टिकट दी है। लेकिन दोनों हार गई। इससे पहले कांग्रेस ने पचपदरा सीट से मदन कौर को 1962, 1967, 1972, 1977, 1980, 1998, 2003 चुनाव में उतारा था। पचपदरा में सात बार मदन कौर को टिकट दी। लेकिन तीन चुनाव (1962, 1967,1977 चुनाव) लगातार जीत 15 साल तक विधायक रहे। जनता दल ने साल 1990 विधानसभा चुनाव में गुड़ामालानी सीट पर मदन कौर को टिकट दी थी, वहां से जीत कर विधायक बनी थी। वहीं विधानसभा चुनाव में बाड़मेर सीट पर 1957 में रुकमणी देवी को चुनाव लड़ा लेकिन हार गए।

बाड़मेर के इतिहास में प्रियंका चौधरी दूसरी महिला विधायक बनी

यहां सातों सीट पर इस चुनाव में भी प्रमुख दलों ने किसी भी महिला को उम्मीदवार हीं बनाया था। हालांकि, बाड़मेर सीट से निर्दलीय तौर पर डॉ. प्रियंका चौधरी ने चुनाव लड़ा और जीतकर दूसरी महिला विधायक बनी। इससे पहले बाड़मेर के इतिहास में एक ही महिला मदन कौर विधायक बन पाई हैं, जिसने आठ बार चुनाव लड़ा था, जो तीन बार विधायक का चुनाव जीते और भैरों सिंह शेखावत की सरकार में वन एवं पर्यावरण मंत्री भी रहीं। इसके अलावा कोई महिला प्रतिनिधित्व बाड़मेर को नहीं मिला है। इसके बावजूद हर चुनाव में महिलाओं को वोट प्रतिशत पुरुषों से ज्यादा रहता है।

पचपदरा 3 और गुड़ामालानी 1 बार जीती मदन कौर

पहली महिला विधायक मदन कौर ने पचपदरा विधानसभा क्षेत्र से 7 बार चुनाव लड़ा था। इसमें 1962-1977 तक लगातार तीन बार विधायक चुनी गई। इसके बाद 1990 में गुड़ामालानी से कांग्रेस पार्टी ने चुनाव लड़ाया। वहां पर मदन कौर जीत गई।

पुरुषों से ज्यादा महिलाओं ने की वोटिंग

बाड़मेर जिले की सात विधानसभा सीटों पर 19.25 लाख मतदाताओं में से 14.90 लाख वोटर्स ने वोट डाले। यह वोटर्स ही प्रत्याशियों के भाग्य फैसला करेंगे। महिला वोटर्स प्रतिशत 78.94 और पुरुष मतदान प्रतिशत 76.07 रहा है। महिलाओं ने पुरुषों की अपेक्षा 2.87 प्रतिशत वोटिंग ज्यादा की। 2018 के विधानसभा चुनावों में महिलाओं का वोट प्रतिशत 76.98 प्रतिशत रहा था, जबकि पुरुषों का 74.94 प्रतिशत था। वहीं इस बार 2023 के चुनावों में महिलाओं का वोट प्रतिशत बढ़कर 78.74 पहुंच गया। वहीं पुरुषों को 76.07 प्रतिशत रहा है।

4 चुनाव में पहली बार गहलोत-डोटासरा की जीत का अंतर घटा, पायलट की जीत का अंतर आधा रह गया

जयपुर, 5 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा चुनावों के परिणामों से साफ है कि जनता ने मोदी मैजिक और मोदी की गारंटी पर भरोसा जताया। अशोक गहलोत के 25 में से 17 मंत्री हार गए। हालांकि गहलोत, पायलट, डोटासरा और धारीवाल जैसे कुछ नेता अपनी सीट बचाने में कामयाब हो गए, लेकिन जीत 2018 के मुकाबले आधी ही रह गई। 2008 के बाद से पहली बार हुआ, जब गहलोत-डोटासरा की जीत का अंतर घटा। वहीं 2018 की तुलना में पायलट की जीत का अंतर आधा रह गया।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत को मारवाड़ का गांधी और राजनीति का जादूगर कहा जाता है। लेकिन मारवाड़ में ही गहलोत का जादू नहीं चला। अपनी खुद की सीट सरदारपुरा पर ही वो अपना प्रदर्शन नहीं दोहरा पाए, जबकि वो कांग्रेस के सीएम पद का चेहरा थे। 2018 में वे सरदारपुरा सीट से 45 हजार 597 वोटों से जीते। जबकि इस बार उन्हें 26 हजार 396 वोट ही मिले। गहलोत सरदारपुरा सीट से लगातार 5 बार जीते हैं। वे 1998 से इस सीट से विधायक हैं। बावजूद इसके वे पहली बार चुनाव लड़े बीजेपी के प्रो. महेंद्र राठौड़ के सामने वो अपनी जीत का अंतर बरकरार नहीं रख सके। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष रहे सचिन पायलट ने टोंक विधानसभा सीट से भले ही अपना किला बचा लिया हो लेकिन उनकी जीत का अंतर कम हो गया। सचिन 2018 में टोंक से पहली बार विधायक बने। सचिन को कांग्रेस पार्टी में बड़ा गुर्जर नेता माना जाता है। 2018 में उन्होंने बीजेपी की वसुंधरा सरकार में मंत्री रहे यूनुस खान को 54,179 के बड़े अंतर से हराया था। इस बार उनकी जीत का मार्जिन घटकर 29,475 पर रह गया।

लक्ष्मणगढ़ विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को कुल 1,13,304 वोट मिले। उन्होंने बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुभाष महरिया को 18,970 वोटों से हराया।

राष्ट्रीय स्तर की बाल विज्ञान कांग्रेस में 13 सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं का चयन

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (टीएससीओएसटी) द्वारा आयोजित 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (एनसीएससी) - 2023 का राज्य स्तरीय कार्यक्रम 5-12-2023 को सेंटर फॉर इकोनॉमिक एंड सोशल स्टडीज (सीईएसएस) और इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स, बेगमपेट में संपन्न हुआ। राज्य स्तरीय समारोह की अध्यक्षता कर रहे टीएससीओएसटी के सदस्य सचिव और एनसीएससी के राज्य समन्वयक मरुपका नागेश ने बताया कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बाल वैज्ञानिकों द्वारा कुल 126 परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं, 14 परियोजनाएं (नियमित 13 परियोजनाएं + अतिरिक्त एक) 01) पीएच श्रेणी के तहत) को 31वें एनसीएससी - 2023 के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन के लिए (अनुलग्नक-ए में संलग्न सूची) चुना गया था।

भारत सरकार और राज्य सरकार ने जन्मजात को बाहर लाने के लिए एनसीएससी के रूप में एक पहल की है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक सोच और दृष्टिकोण विकसित करने के लिए छात्रों के कौशल और प्रतिभा को विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कार्यक्रम के सुचारू और सफल संचालन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग और एससीईआरटी, तेलंगाना सरकार को उनके समर्थन और सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया। उन्होंने सर्वोत्तम परियोजनाओं के चयन के कठिन कार्य को पूरा करने के लिए अकादमिक और अनुसंधान समुदाय के मूल्यांकनकर्ताओं की टीम को भी धन्यवाद दिया। डॉ. अहमद कमाल, सलाहकार, टीएससीओएसटी और पूर्व निदेशक, आईआईसीटी और एनआईपीईआर ने अनुसंधान दृष्टिकोण विकसित करने के लिए पृथ्वी और ब्रह्मांड में होने वाले भौतिक, रासायनिक, जैविक परिवर्तनों के करीबी अवलोकन के महत्व के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि इससे उन्हें अपने नवोन्मेषी और आविष्कारी कौशल को बेहतर बनाने के जन्मजात कौशल से सशक्त बनाया जा सकेगा जिससे विज्ञान के बारे में नया ज्ञान पैदा होगा। स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक और एनसीएससी के राज्य शैक्षणिक समन्वयक श्री पी. मदन मोहन ने कहा कि मनोरंजन और प्रतिबद्धता के साथ विज्ञान सीखने के लिए एनसीएससी जैसे कार्यक्रम आवश्यक हैं। उन्होंने छात्रों को इस ग्लोब पर जीवन की बेहतरी के लिए विज्ञान का पता लगाने की सलाह दी।

प्रोफेसर ई. रेवती, निदेशक, सीईएसएस और डॉ. विजया लक्ष्मी, निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ जेनेटिक्स, ओयू ने सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लेते हुए बाल वैज्ञानिकों और शिक्षकों को वैज्ञानिक सोच और दृष्टिकोण की आवश्यकता पर प्रेरित किया। टीएससीओएसटी के परियोजना अधिकारी डॉ. सी. वी. राम कृष्ण ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम की कार्यवाही की रूपरेखा प्रस्तुत की। डॉ. वी. राधिका और डॉ. एल. शांति कुमारी, टीएससीओएसटी, हैदराबाद ने गणमान्य व्यक्तियों और कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का स्वागत किया।

श्री एम. संबासिवा रेड्डी, परियोजना अधिकारी, टीएससीओएसटी ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया। इस कार्यक्रम में टीएससीओएसटी अधिकारियों, जिला समन्वयकों, जिला शैक्षणिक समन्वयकों, बाल वैज्ञानिकों और मार्गदर्शक शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया।

श्री चैतन्य गौडीय मठ का वार्षिक धर्म-सम्मेलन

रथयात्रा का भव्य आयोजन 6 से 9 दिसंबर तक

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री चैतन्य गौडीय मठ का वार्षिक धर्म-सम्मेलन, रथयात्रा का आयोजन 6 से 9 दिसंबर तक हो रहा है। इस संदर्भ में, ग्रेटर हैदराबाद स्थित श्री चैतन्य गौडीय मठ व्दारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अखिल भारतीय श्रीचैतन्य गौडीय मठ समूह के प्रतिष्ठाता नित्यलीलाप्रविष्ट ओम विष्णुपाद 108 श्रीमद् भक्तिदधित माधव गोस्वामी महाराज तथा ओम विष्णुपाद 108 श्री श्रीमद् भक्ति वल्लभतीर्थ गोस्वामी महाराज की अनुकम्पा से एवं वर्तमान आचार्य अध्यक्ष त्रिदण्डीस्वामी 108 श्री श्रीमद् भक्ति विचार महाराज की अध्यक्षता में श्रीमठ का वार्षिक धर्म-सम्मेलन तथा श्रीविग्रहों की रथयात्रा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस धर्म सम्मेलन के धर्मानुष्ठान का आयोजन बुधवार 6 दिसंबर से शनिवार 9 दिसंबर तक प्रतिदिन सायं 7 से रात्रि 9 बजे तक होगा। तत्संबंधित 4 दिनों तक जारी वार्षिकोत्सव के अंतर्गत, मठ के संकीर्तन भवन में निम्न कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें श्रीमद् भगवत गीता, श्रीमद् भागवत एवं श्री चैतन्य चरितामृत पर आधारित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर स्वामीजीयों के प्रवचन एवं श्री हरिनाम संकीर्तन शामिल हैं। इस बारे में हैदराबाद के दीवान देवडी स्थित श्री चैतन्य गौडीय मठ के आधिकारिक सूत्रों ने विस्तार से बताया कि, उक्त रथयात्रा जो (नगर संकीर्तन फेरी) रविवार 10 दिसंबर के सुबह 9 बजे, मठ दीवान-देवडी से आरंभ होकर पत्थरगट्टी, गुलजार हौज, चारकमान, मिट्टी का शेर, चेलापुरा, घांसी बाजार, रिकाबगंज, मामा जुमला फाटक, अग्रवाल कालेज, पत्थरगट्टी होती हुई दीवान-देवडी स्थित मठ पहुंच कर संपन्न होगी। इसके चलते सभी भक्तजनों से निवेदन है कि, इस धार्मिक कार्यक्रम में भाग लेकर पुण्य के भागी बनें।

शिक्षा प्रोत्साहन हेतु सीरवी समाज शमशाबाद ने विशेष बैठक की

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय सीरवी महासभा तेलंगाना के तत्वावधान में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये विशेष मीटिंग का आयोजन रखा गया जिसमें मुख्य अतिथि कानाराम चोयल, आईएएस राजस्थान माध्यमिक शिक्षा के निदेशक एवं विनोद कुमार काग, आईआरएस, डिप्टी डायरेक्टर इन्वेस्टीगेशन, उदयपुर तथा हरीसिंह राठौड़, वैज्ञानिक डी.आर.डी.ओ., हैदराबाद ने अपने विचारों से समाज मे शिक्षा के क्षेत्र में नई ताकत डाली उसको समाज बंधुओं ने अपने फोनो को साइलेंट मोड़ में रखकर दिल व दिमाग से सुना व समझा। इसके परिणाम स्वरूप सीरवी समाज शमशाबाद बडेर के भामाशाहों ने सबसे पहले पहल करते हुए पाली में प्रस्तावित छात्रावास के लिए एक कमरे की घोषणा की तथा राजस्थान की राजधानी जयपुर में समाज के प्रतिभाशाली छात्र एवं छात्राओं के लिए चलाए जा रही आईएएस एवं आईआरएस कोचिंग सेंटर एवं उनके रहने के लिए छात्रावास जो अभी तक किराए पर चल रहा है उनकी व्यवस्था के लिए 1 साल के खर्च का वहन (छात्रो के लिए) की घोषणा अखिल भारतीय सीरवी युवा संगठन हैदराबाद के भामाशाहों केसाराम सोलंकी, भंवरलाल गेहलोत, गोविंद पंवार, मोहनलाल सेणचा, प्रकाश चोयल, जगदीश पंवार, रताराम सोलंकी ने की तथा छात्राओ के लिए एक वर्ष कोचिंग के खर्च जुम्मा मानिकोंडा बडेर के अध्यक्ष एवं भामाशाह बाबूलाल भायल ने की। साथ ही सीरवी समाज शमशाबाद के महिला मंडल के भामाशाहों ने 2,11,000 देने की घोषणा की। इस मिटिंग का सफल आयोजन सीरवी समाज बडेर शमसाबाद द्वारा रखा गया। जिसमें समाज अध्यक्ष आशाराम गेहलोत, उपाध्यक्ष चेलाराम काग, सचिव भोलाराम पंवार, सहसचिव नरेश परिहार, कोषाध्यक्ष राजूराम परिहार, सहकोषाध्यक्ष सोहनलाल मुलेवा, शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष भैराराम परिहारिया, मांगीलाल सोलंकी, सचिव भीकाराम काग, कोषाध्यक्ष रमेश पंवार, खेल मंत्री पुखराज पंवार, मीडिया प्रभारी हेमंत काग समाज के सलाहकार भूराराम परिहार, हरीराम परिहारिया, रतनलाल बर्फा, जगदीश काग, चम्पालाल सैणचा कार्यकारिणी समिति के सदस्य रमेश चोयल, रमेश हाम्बड, शिक्षा समिति सदस्य टुवाराम हाम्बड, महिला मंडल के उपाध्यक्ष संतोष देवी परिहार, गंगा देवी काग, सचिव भारती परिहारिया, कमलादेवी पंवार, उषादेवी लचेटा व अन्य महिलाओं व कार्यकारणी समिति, शिक्षा समिति एवं महिला मंडल समिति के सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

मीटिंग में अखिल भारतीय महासभा तेलंगाना के अध्यक्ष हरजीराम काग, सचिव सोहनलाल हाम्बड़, सह सचिव गिरधारीलाल काग एवं हैदराबाद में स्थित विभिन्न बडेरो के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिसमें पारसीगुट्टा बडेर से शिक्षा समिति के अध्यक्ष परशराम बर्फा, सचिव सज्जन राज सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष भूराराम चोयल, जसराज सोलंकी जिड़ीमेटला बडेर से अध्यक्ष मांगीलाल काग, सचिव नारायण लाल बर्फा, संगारेड्डी बडेर से सुरेश परिहारिया व किशनलाल काग, कोरूमला बडेर से सचिव डायाराम लचेटा, अलमासगुड़ा बडेर से मगाराम परिहार एवं नेमाराम काग, मल्लापुर बडेर से ओंकार लाल हाम्बड़, दुर्गाराम परिहार एवं सचिव तुलसाराम सिन्दडा, गजवेल बडेर से अध्यक्ष माणकलाल काग व नेतीराम, सैणचा जनगांव बडेर से अध्यक्ष किशनलाल हाम्बड़ व लादूराम काग, बालाजी नगर बडेर से मांगीलाल काग एवं गौतम पंवार मनीकोंडा से अध्यक्ष बाबूलाल भायल, भीकाराम परिहारिया शादनगर से अध्यक्ष कैलाश जी बर्फा सचिव शिवलाल सोलंकी ने भाग लिया। समाज के सभी स्वजातीय बन्धुओं एवं गणमान्य अतिथियों ने भावपूर्वक भोजन प्रसाद का आनंद उठाया। इस कार्यक्रम का मंच संचालन सीरवी समाज शमशाबाद के शिक्षा समिति के सचिव भीकाराम काग ने अपनी ओजस्वी वाणी में किया। उपरोक्त जानकारी सीरवी समाज शमशाबाद के मीडिया प्रभारी हेमंत काग ने दी।

अज्ञात व्यक्ति ने एआईएमआईएम कार्यालय में आग लगा दी

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर में एक अज्ञात व्यक्ति ने ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) पार्टी कार्यालय में आग लगा दी। यह घटना न्यू इंदिरानगर के हाशमाबाद एमआईएम पार्टी कार्यालय में हुई। अज्ञात व्यक्ति एक बोतल में पेट्रोल लेकर आया और कार्यालय के दरवाजे पर डाल दिया। इधर-उधर देखने के बाद उसने माचिस से आग जलाई। कार्यालय का सामने का दरवाजा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया। एमआईएम कार्यकर्ताओं ने पुलिस को सूचित किया, जिसने कार्यालय में आकर सीसीटीवी फुटेज की जांच की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना की जांच कर रही है।

सीपीआई के साथ गठबंधन कांग्रेस के लिए अच्छा संकेत : नारायण

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के साथ गठबंधन को कांग्रेस के लिए अच्छा संकेत बताते हुए पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के नारायण ने कहा कि कोत्तागुडेम से पार्टी विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव की जीत सभी वाम दलों की जीत है। लोगों ने कांग्रेस पार्टी पर विश्वास किया। उन्होंने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तेलंगाना जागृति समिति और तेलुगु देशम पार्टी सहित अन्य दलों ने भी कांग्रेस का समर्थन किया था।

सीपीआई के राज्य सचिव और निर्वाचित विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने कांग्रेस सरकार को पूरा समर्थन देते हुए भी लोगों की ओर से लड़ने का आश्वासन दिया। मूल उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों को बहाल करने के अलावा राज्य में लोकतांत्रिक शासन सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने कहा, उस मोर्चे पर कोई समझौता नहीं होगा और सीपीआई निश्चित रूप से अपनी आवाज उठाएगी।

मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर उन्होंने कहा कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिव कुमार ने उन्हें फोन कर सुझाव मांगा था। संबाशिव राव ने कहा कि मैंने उन्हें स्पष्ट रूप से सूचित किया कि एक सहयोगी पार्टी के रूप में, मुख्यमंत्री उम्मीदवार के चयन में कांग्रेस को पूरा समर्थन दिया जाएगा।

कैबिनेट बर्थ और एमएलसी नामांकन के संबंध में कांग्रेस द्वारा सीपीआई को दिए गए चुनाव पूर्व आश्वासन पर उन्होंने कहा कि यह एक सच्चाई है लेकिन पार्टी इन पहलुओं को लेकर उत्सुक नहीं है। संबाशिव राव ने कहा कि अगर कांग्रेस कोई पेशकश करती है, तो हम सोचेंगे और कैबिनेट बर्थ पर फैसला लेंगे।

केंद्र ने एपी, टीएस अधिकारियों के साथ बैठक स्थगित की

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात मिचौंग के मद्देनजर, जल शक्ति मंत्रालय ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के बीच नागार्जुन सागर परियोजना से कृष्णा जल बंटवारे पर विवाद पर एक बैठक स्थगित करने का फैसला किया। नागार्जुन सागर और श्रीशैलम परियोजनाओं के प्रबंधन पर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के मुख्य सचिवों और कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बुधवार को केंद्रीय जल शक्ति सचिव देबाश्री मुखर्जी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में बैठक होने वाली है। हालाँकि, चक्रवात मिचौंग ने तेलुगु राज्यों को तबाह कर दिया था, पूरा प्रशासन राहत प्रयासों में शामिल है। मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने बैठक स्थगित करने का फैसला किया है।

भाग्यनगर में पहली बार देवी भागवत कथा का भूमि पूजन संपन्न

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य गुरु श्री आशुतोष महाराज जी की असीम अनुकंपा से दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा 10 से 16 दिसंबर 2023 तक आयोजित होने जा रही सात दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा के आयोजन हेतु आज गोशामहल पुलिस ग्राउंड में विधिवत भूमि पूजन किया गया। पूजन में श्री आशुतोष महाराज जी के शिष्य स्वामी प्रदीपानन्द जी, कथा के प्रमुख यजमान प्रमोद बंग, अमित अग्रवाल, भगवानदास सारडा, सनतदास, रुपेश सोनी एवं समाज सेवी कैलाशनारायण भांगड़िया, लक्ष्मीनारायण राठी, कैलाश मंत्री, अमित लड्ढा एवं महाराज जी के अनन्य शिष्यों की उपस्थिति रही।

इस कथा का आयोजन प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक रहेगा। कथा का शुभारम्भ 10 दिसंबर को माहेश्वरी भवन से कथा स्थल तक एक मंगल कलश यात्रा द्वारा किया जायेगा।

व्यास पीठ पर विश्व विख्यात भागवत मर्मज्ञा साध्वी सुश्री अदिति भारती जी सुशोभित होंगी। यह कथा संस्थान के गो संरक्षण व संवर्धन प्रकल्प "कामधेनु' को समर्पित है।

कथास्थल पर 11 दिसंबर से 16 दिसंबर तक प्रतिदिन दोपहर 2 से 4 बजे तक आयुर्वेदिक जाँच शिविर भी रखा गया है जिसमें अनुभवी नाड़ी विशेषज्ञ वैद्य द्वारा जाँच की जाएगी। 11 दिसंबर से प्रतिदिन प्रातः 6 से 7 बजे तक कथास्थल पर योग शिविर भी रखा गया है। कथा में सभी सादर आमंत्रित हैं।

बजरंग सेना तेलंगाना ने फ़िरोज़ गांधी पार्क, बैंक स्ट्रीट में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। 150 से अधिक व्यक्तियों ने कई सेवाओं का लाभ उठाया। उपस्थित हैं एनआर लक्ष्मण राव, हनुमंत राव, विजय, रमेश, भास्कर रेड्डी व अन्य।

वाकोला में रक्तदान शिविर में 125 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया

मुंबई, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सांताक्रूज़ पूर्व वाकोला स्थित पाठक टेक्निकल इंस्टीट्यूट में साहस चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर 125 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। शिविर का आयोजन अशोक नवार एवं एड प्रफुल्ल नवार द्वारा किया गया। इस अवसर पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, लाइफब्लड काउंसिल विनय शेट्टी, रुग्ण मित्र जयप्रकाश नाईक, प्रशांत म्हात्रे, विनोद साडविलकर, रमेश चव्हाण, श्रीविद्या सरवणकर, अमित मोरे, सचिन सालवे, हेमंत नवार, सचिन मयेकर, राकेश पारसेकर, सचिन सगदरे, चंद्रकांत निलय , अमित राऊत, वर्षा वेद उपस्थित थे। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति की ओर से डॉ. नारायण व्यास ने जयपुर फुट का वितरण किया। वीएन देसाई ब्लड बैंक की निशिगंधा साली, पल्लवी ब्लड बैंक के भीमराव काले, डॉ. अन्वीक्षा ब्लड बैंक के देवांग शाह, दीपक फाउंडेशन द्वारा योगदान दिया गया।

इंपीरियल गार्डन, सिकंदराबाद में आयोजित गुजराती एकता महोत्सव जेईएम-24 के उद्घाटन समारोह में भाग लेते हुए प्रेमल पारख, चंदुभाई पटेल, चेतन बोघानी, मीनल वखारिया व अन्य।

कृष्णा जल विवाद : केंद्र ने एपी, टीएस अधिकारियों के साथ बैठक स्थगित की

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात मिचौंग के मद्देनजर, जल शक्ति मंत्रालय ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के बीच नागार्जुन सागर परियोजना से कृष्णा जल बंटवारे पर विवाद पर एक बैठक स्थगित करने का फैसला किया। नागार्जुन सागर और श्रीशैलम परियोजनाओं के प्रबंधन पर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश राज्यों के मुख्य सचिवों और कृष्णा नदी प्रबंधन बोर्ड के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बुधवार को केंद्रीय जल शक्ति सचिव देबाश्री मुखर्जी की अध्यक्षता में नई दिल्ली में बैठक होने वाली है।

हालाँकि, चक्रवात मिचौंग ने तेलुगु राज्यों को तबाह कर दिया था, पूरा प्रशासन राहत प्रयासों में शामिल था। मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने बैठक स्थगित करने का फैसला किया है।

बोइनपल्ली स्थित श्री गणेश मंदिर में कार्तिक मास के अवसर पर श्री गणेश मंदिर सेवा समिति द्वारा अयोजित दीपोत्सव में भाग लेते हुए विनयसिंह जैन, राजीव, संतोष, राखी लोढा, आसू, वनिता, लीना, पुजारी सुधीर, त्रिनाथ उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव का सनतनगर निर्वाचन क्षेत्र से भारी बहुमत से तीसरी बार जीतकर हैट्रिक बनाने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए बीआरएस नेता उत्तम सिंह राजपुरोहित, करमसी भाई पटेल, चैनसिंह राजपुरोहित, ईश्वर बंसल, सज्जन कोठारी, मोहन पटेल, नीरज माथुर, देवेंद्र सिंह राजपुरोहित, रजनी अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनोहरसिंह भाटी, धर्मेंद्र जैन, रसिकलाल पटेल, जितेंद्र कच्छवा, गजेंद्र कच्छवा, अश्विन राजपुरोहित, हनुमंत राव, अशोक कुमार, सरदार केवल सिंह, जी. श्रीनिवास यादव, सरदार जगत सिंह व अन्य।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

तेलंगाना में भारी...

भारी बारिश के कारण सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड की कुछ खुली खदानों में खनन कार्य प्रभावित हुआ।

इस बीच, आपदा प्रबंधन सचिव राहुल बोज्जा ने जिला कलेक्टरों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस की और भद्राद्री कोठागुडेम, मुलुगु, हनमकोंडा, वारंगल, जनगांव, महबूबाबाद और सूर्यापेट के जिला कलेक्टरों के साथ स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने मंगलवार और बुधवार को भारी बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए अलर्ट रहने को कहा है। अधिकारी ने जिला कलेक्टरों से भारी बारिश और बाढ़ के लिए प्रोटोकॉल के अनुसार कार्रवाई करने को भी कहा।

जिला कलेक्टरों को उन पानी की टंकियों को टूटने से बचाने के लिए कदम उठाने के लिए कहा गया जो पहले से ही पूरी तरह भरी हुई हैं। सिंचाई, आपदा प्रबंधन, सड़क एवं भवन, पंचायत राज और राजस्व विभाग को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है।

गोमूत्र राज्यों में ...

बीजेपी सांसद जगन्नाथ सरकार ने भी सेंथिलकुमार की टिप्पणी पर उन पर निशाना साधा और कहा, बीजेपी को पूरे देश में स्वीकार किया जाता है, जो भी यह कह रहा है, उसे कोई ज्ञान नहीं है। सरकार ने यह भी कहा कि सेंथिलकुमार भारत की संस्कृति से अनभिज्ञ हैं। सरकार ने कहा, उन्हें भारत की संस्कृति के बारे में जानकारी नहीं है, लेकिन हम सभी जानते हैं कि लोगों को बीजेपी पर भरोसा है और पीएम मोदी सिर्फ एक भारतीय नेता नहीं हैं, बल्कि विश्व नेता बन गए हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

19 जनवरी से शुरू होगा आईएलटी-20 सीजन-2

डेविड वॉर्नर, अंबाती रायडू जैसे सितारे हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल लीग टी-20 का दूसरा सीजन 19 जनवरी से 17 फरवरी तक यूएई में खेला जाएगा। इस बार डेविड वॉर्नर, कायरन पोलार्ड और अंबाती रायडू जैसे सितारे भी खेलते नजर आएंगे। लीग से जुड़े पूर्व भारतीय क्रिकेट सबा करीम ने यह जानकारी सोमवार को भोपाल में दी। सबा इस समय आईएलटी 20 की ट्रॉफी के साथ भारत के अलग-अलग शहरों के विजिट पर हैं।

क्या है आईएलटी 20?

सबा ने बताया कि आईएलटी 20 एक फ्रेंचाइजी बेस टी-20 लीग है, जिसे अमीरात क्रिकेट बोर्ड करवाता है। लीग में 6 फ्रेंचाइजी की टीमें हिस्सा लेती हैं। 19 जनवरी 2024 से लीग का दूसरा सीजन शुरू होगा। पहले सीजन का खिताब गल्फ जाइंट्स ने जीता था। टीम ने 12 फरवरी 2023 को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में डेजर्ट वाइपर्स को 7 विकेट से हराया था।

लीग की ट्रॉफी भी खास है

सबा ने कहा- 'इंटरनेशनल लीग की ट्रॉफी यूनिक है। इसमें यूएई की खूबसूरती को दर्शाने का

प्रयास किया गया है। दुनिया की सबसे ऊंची इमारत बुर्ज खलीफा की हाईट से मिलती-जुलती इसकी भी हाइट रखी गई है। बुर्ज खलीफा की ऊंचाई 830 मीटर है, इसे मिलीमीटर में कन्वर्ट कर ट्रॉफी की ऊंचाई 830 मिलीमीटर रखी गई। इस पर बना 7-पॉइंट क्राउन UAE के 7 राज्यों की यूनिटी को दर्शाता है। जबकि 12.2 किलोग्राम का वजन यूएई के गौरव का प्रतीक है, क्योंकि 2 दिसंबर (12वें महीने का दूसरा दिन) को यूएई का नेशनल-डे मनाया जाता है। इसी दिन इस साल का ट्रॉफी टूर भी शुरू किया गया।'

ट्रॉफी के अंदर एक बेहद खूबसूरत पेंडेंट रखा गया है, इसे ट्रॉफी जीतने वाली टीम ही देख सकती है। ट्रॉफी को इंग्लैंड के थॉमस लुइट ने डिजाइन किया है।

इंटरनेशनल लीग टी-20 का फॉर्मेट

इंटरनेशनल लीग टी-20 लीग इंडियन प्रीमियर लीग जैसे फॉर्मेट में खेली जाती है। मुकाबले 3 मैदानों पर होने हैं। सभी टीमों को आपस में लीग मैच खेलने होते हैं। लीग राउंड में पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें के बीच क्वालिफायर-1 होता है, जबकि तीसरे और चौथे नंबर की टीम के बीच एलिमिनेटर होता है।

क्वालिफायर-1 जीतने वाली टीम फाइनल में पहुंचती है, जबकि हारने वाली टीम एलिमिनेटर के विजेता से क्वालिफायर-2 खेलती है। क्वालिफायर-2 और क्वालिफायर-1 की विनर के बीच फाइनल होता है।

करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों को जोड़ने के लिए ट्रॉफी टूर

जी एंटरटेनमेंट के प्रेसिडेंट राहुल जोहरी ने कहा- 'आईएलटी-20 लीग के ट्रॉफी टूर की शुरुआत कर हमें खुशी हो रही है। प्लेयर्स की एक्सीलेंस और अचीवमेंट को प्रतीक मानकर ही स्पेशल ट्रॉफी को बनाया गया है। देश को टॉप क्वालिटी क्रिकेट से रूबरू कराने के लिए जी एंटरटेनमेंट कमिटेड है। सीजन-1 की बेहतरीन सक्सेस के बाद क्रिकेट एंटरटेनमेंट में नए रिकॉर्ड बनाने के उद्देश्य से दूसरे सीजन की शुरुआत होगी।

भारत के करोड़ों क्रिकेट प्रेमी फैंस को आईएलटी-20 से जोड़ने के लिए देश में ट्रॉफी टूर कराया जा रहा है।

सीजन-1 में भी इंडियन फैंस के सपोर्ट ने टूर्नामेंट को सफल बनाया। हमें पूरा यकीन है कि ट्रॉफी टूर से देशभर के फैंस एक नया कनेक्शन बना सकेंगे।'

नीरज ने बुमराह को दी रफ्तार बढ़ाने की सलाह

तरीका भी बताया; विश्व कप फाइनल को लेकर कही यह बात

नई दिल्ली

नीरज की बात करें तो 2023 उनके लिए शानदार रहा था। वह विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। नीरज भारत के महान एथलीट्स में से एक हैं। एशियाई खेलों में उन्होंने लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नीरज का अगला बड़ा असाइनमेंट 2024 पेरिस ओलंपिक है।

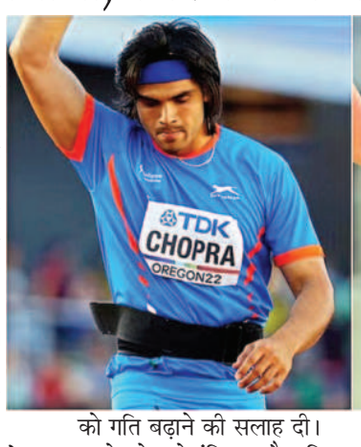

भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा को क्रिकेट में भी काफी रुचि है। वह हाल ही में हुए विश्व कप फाइनल को देखने के लिए अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद थे। हालांकि, उस मैच में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। उस मैच के दो हफ्ते बाद नीरज चोपड़ा ने क्रिकेट के कई पहलुओं को लेकर बयान दिया है। उन्होंने अपने पसंदीदा पेसर का नाम लिया है। नीरज ने उस पेसर को अपनी स्पीड और बढ़ाने के लिए सलाह भी दी है। उन्होंने जेवलिन थ्रो के अनुभव को बताते हुए उस पेसर को गति बढ़ाने की सलाह दी।

टोक्यो ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने जसप्रीत बुमराह को अपना पसंदीदा तेज गेंदबाज बताया है। नीरज ने कहा- मुझे बुमराह पसंद हैं। उनकी बॉलिंग एक्शन यूनिक है। मुझे लगता कि बुमराह अपना रन अप लंबा करना चाहिए ताकि उनकी गति बढ़े। यह मैं अपने जेवलिन थ्रो के अनुभव से बता रहा हूं। हम अक्सर बात करते हैं कि गेंदबाजों को किस प्रकार गति बढ़ानी चाहिए। अगर वह थोड़ा पीछे से अपना रन अप लें तो यह संभव है। मुझे बुमराह का स्टाइल पसंद है।

बुमराह भारत के सबसे बेहतरीन पेसर्स में से एक हैं। वह फिलहाल तीनों प्रारूप में टीम इंडिया के स्ट्राइक बॉलर हैं। 29 साल के बुमराह ने अब तक 30 टेस्ट में 128 विकेट, 89 वनडे में 149 विकेट और 62 टी20 में 74 विकेट लिए हैं। नीरज की बात करें तो 2023 उनके लिए शानदार रहा था। वह विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। नीरज भारत के महान एथलीट्स में से एक हैं। एशियाई खेलों में उन्होंने लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक अपने नाम किया। नीरज का अगला बड़ा असाइनमेंट 2024 पेरिस ओलंपिक है।

नीरज चोपड़ा क्रिकेट विश्व कप 2023 के दौरान अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में उपस्थित थे। जब नीरज से पूछा गया कि टीवी पर प्रसारण के दौरान उन्हें विशाल टीवी स्क्रीन या टेलीविजन पर नहीं दिखाया है, जबकि कई मशहूर हस्तियों को कैमरे पर दिखाया गया तो जवाब में नीरज ने कहा कि वह कैमरे द्वारा उन्हें दिखाए जाने के बारे में नहीं सोच रहे थे और उन्होंने प्रसारकों से डायमंड लीग जैसे आयोजनों को सही तरीके से दिखाने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा, 'मैं चाहता हूं कि जब मैं परफॉर्म करूं तो वे मुझे ठीक तरीके से दिखाएं। जब मैं डायमंड लीग में हिस्सा लेता हूं तो वे इसे ठीक से प्रसारित नहीं करते हैं। वो चीज है असली। उस समय प्रसारक केवल हाइलाइट्स दिखाते हैं। मैं सिर्फ मैच देखने के लिए अहमदाबाद गया था और मैंने इसका पूरा लुत्फ उठाया। अगर भारत जीतता तो निश्चित तौर पर मुझे अधिक मजा आता, लेकिन मैंने स्टैंड में अच्छा समय बिताया। मैं कभी नहीं चाहता था कि कैमरा मेरी तरफ आए, यह विचार मेरे दिमाग में भी नहीं आया।

आईपीएल से तय होगी टी-20 वर्ल्डकप की टीम- सबा करीम

कोहली-राहुल को डब्ल्यूसी फाइनल में तेज खेलना था; 30-40 रन कम बने, इसीलिए भारत हारा

मुंबई, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व क्रिकेट सबा करीम ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप की टीम इंडिया आईपीएल फॉर्म के आधार पर चुनी जाएगी। टी-20 फॉर्मेट का आईसीसी टूर्नामेंट हर 2 साल में होता है, इसलिए टीमें इसे लेकर ज्यादा टेंशन नहीं लेतीं।

वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में टीम इंडिया की हार पर सबा ने कहा, भारत ने 30-40 रन कम बनाए। कोहली और राहुल अगर थोड़ा और तेज खेलते तो नतीजा बदल सकता था। सबा करीम यूएई में होने वाली आईएलटी-20 के ट्रॉफी टूर के लिए भोपाल आए थे। उन्होंने लीग और क्रिकेट से जुड़े कई बातें कहा...

कई टॉप प्लेयर्स लीग में खेलेंगे। बड़ी टीमों की नजरें टूर्नामेंट पर रहती हैं क्योंकि यहां बेस्ट के खिलाफ बेस्ट प्लेयर्स उतरते हैं। खिलाड़ी भी इन लीग्स में अच्छा परफॉर्म करने पर फोकस करते हैं ताकि वे अपनी नेशनल टीम में सिलेक्ट हो सके। यहां क्वालिटी कॉम्पिटिशन नजर आता है, इसलिए वर्ल्ड कप में प्लेयर्स के खिलाफ स्ट्रैटजी बनाने के लिए भी लीग इम्पॉर्टेंट है।

आईपीएल टीमें मिनी और मेगा ऑक्शन को ध्यान में रखते हुए टैलेंट स्काउट करती है। ऑक्शन से पहले टीम में खाली स्लॉट के हिसाब से ही स्ट्रैटजी बनती हैं। टैलेंट स्काउट हर लीग पर नजर रखता है, ताकि बेस्ट प्लेयर्स को शामिल कर अपनी टीम को स्ट्रॉन्ग बना सके। फ्रेंचाइजी सभी घरेलू प्लेयर्स पर भी नजर रखती हैं। बेस्ट प्लेयर्स को अपने यहां ट्रायल्स के लिए बुलाती हैं और उन्हें टीम में शामिल करती है। फिर भी इंटरनेशनल प्लेयर्स ज्यादा अहम रहते हैं, इसलिए ज्यादातर टीमें बड़े प्लेयर्स को शामिल करने पर फोकस करती हैं।

टीमों में 2 लोकल प्लेयर्स यूएई के भी खेलते हैं और 5 से 6 घरेलू प्लेयर्स स्क्वॉड का हिस्सा रहते हैं। प्लेइंग-11 में खेलने वाले 2 खिलाड़ी बहुत क्वालिटी वाले होते हैं, अगर इनकी लिमिट बढ़ाएंगे तो लीग की क्रिकेट क्वालिटी पर असर हो सकता है। एक टीम में 9 विदेशी यानी एक मैच में 18 बेस्ट विदेशी प्लेयर्स खेलते हैं। इससे कॉम्पिटिशन बढ़ता है और बेहतर क्रिकेट देखने को मिलता है। फ्रेंचाइजी टीम में

रहने से ही घरेलू प्लेयर्स का गेम सुधरता है। वे इंटरनेशनल प्लेयर्स के साथ प्रैक्टिस करते हैं, इससे उनका कॉन्फिडेंस बढ़ता है और वे नेशनल-इंटरनेशनल लेवल पर बेहतर परफॉर्म कर पाते हैं। अभी शुरुआती सीजन है, मुझे यकीन है आने वाले टाइम में यूएई के ज्यादा प्लेयर्स टीमों में शामिल किए जाएंगे।

आईएलटी-20 प्लेयर्स को ऑप्शन देता है, खिलाड़ी अगर बाकी लीग में नहीं खेलना चाहें तो वह यहां आकर खेल सकते हैं। बाकी जगह 3-4 विदेशी ही खेल सकते हैं लेकिन आईएलटी-20 में 9 ओवरसीज प्लेयर्स को मौका मिल सकता है। एक एथलीट का करियर ज्यादा लम्बा होता भी नहीं है और इस तरह की फ्रेंचाइजी लीग में पैसा कमाकर वह अपना करियर सेटल कर सकते हैं।

भारत के प्लेयर्स भी इंग्लैंड और बाकी देशों में क्रिकेट खेलने जाते हैं, बस उन्हें फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने की परमिशन नहीं है। 20 साल पहले भी क्रिकेटर काउंटी खेलने इंग्लैंड जाते थे। प्लेयर्स को टी-20 की परमिशन नहीं देने के पीछे बीसीसीआई की अपनी वजहें हैं। भारत में आईपीएल और घरेलू क्रिकेट भी 12 में से 8 महीने तक चलता है, इस बीच 4 महीने खिलाड़ी काउंटी खेलने चले जाते हैं। फिर भी खिलाड़ियों को विदेशी लीग खेलना है तो वे रिटायरमेंट के बाद खेल सकते हैं।

रॉबिन उथप्पा, अंबाती रायडु और युसुफ पठान जैसे प्लेयर्स विदेशी लीग में इस तरह खेल ही चुके हैं। मुझे भी लगता है कि टीम पूरे टूर्नामेंट में लगातार अच्छा परफॉर्म करने के बाद नॉकआउट में बिखर जाती है। ऐसा बार-बार हो रहा है तो इसके पीछे कोई क्रिकेटिंग रीजन नहीं है। कुछ को समस्या है जिसे हम आइडेंटिफाई नहीं कर पा रहे। 2019 और 2015 में भी हम शुरुआत में बहुत अच्छा खेले लेकिन सेमीफाइनल में हार गए। हमारे पास खिलाड़ी इतने अच्छे हैं कि हमें अगले 10 साल तक डॉमिनेट करना चाहिए, लेकिन दबाव या हार का डर या पता नहीं क्या रीजन है जिस कारण हम आईसीसी टूर्नामेंट नहीं जीत पा रहे।

पिच को हम समझ नहीं सके। स्ट्रैटजी में ऑस्ट्रेलिया ने हमसे बेहतर परफॉर्म किया और तीसरा कारण हमारी बैटिंग।

ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने धीमी पिच होने के बावजूद अच्छी गेंदबाजी की। हमारी टीम ने 30-40 रन कम बनाए। दूसरी पारी में बैटिंग आसान हो गई और हमारे गेंदबाजों को विकेट निकालने के ज्यादा मौके नहीं मिले।अगर मैं कप्तान होता तो विराट-राहुल की पार्टनरशिप में 3-4 ओवर के बाद थोड़ी और तेज रन की उम्मीद करता। उनकी साझेदारी थोड़ी और तेज होनी चाहिए थी। हमारे बल्लेबाज उस मैच में एग्रेसिव नहीं खेल पाए और हम हार गए।

प्रीमियर लीग: टॉटैनहेम हॉटस्पर ने मैनचेस्टर सिटी को जीत से रोका

3-3 से ड्रॉ रहा मैच; रेफरी पर भड़के हालैंड

खेल डेस्क , 4 दिसंबर (एजेंसियां)। इस ड्रॉ के साथ सिटी शीर्ष पर चल रहे आर्सनल (33) से तीन अंक पीछे है। दूसरे स्थान पर लिवरपूल (31 अंक) है जिसने फुल्हम को 4-3 से पराजित किया है। सिटी ने लगातार तीसरा ड्रॉ खेला है। इससे पहले उसे चेल्सी ने 4-4 और लिवरपूल ने 1-1 से बराबरी पर रोका था।

गत चैंपियन मैनचेस्टर सिटी का टॉटैनहेम हॉटस्पर के खिलाफ मैच एतिहाद स्टेडियम में 3-3 से बराबरी पर छूटा। सिटी के स्टार एर्लिंग हालैंड मैच के अंत में रेफरी के पेनाल्टी न दिए जाने पर काफी आग-बबूला हो गए। स्टापेज टाइम में रेफरी साइमन हूपर ने जैक ग्रीलिश को पेनाल्टी नहीं दी दी थी। इस पर रेफरी ने हालैंड को चेतावनी भी दी है।

दरअसल, हालैंड को टॉटैनहम के रक्षक खिलाड़ी रॉयल एमर्सन ने गिरा दिया था। अंतिम क्षणों में सिटी निर्णायक गोल के लिए प्रयास कर रही थी। जब लग रहा था कि अब सिटी को पेनाल्टी मिलेगी तभी रेफरी ने मैच समाप्ति की लंबी सीटी बजा दी। इस पर हालैंड ही नहीं सिटी के समर्थक भी भड़क गए थे। मैच में सिटी दो बार बढ़त बनाने के करीब आई। छठे मिनट में टॉटैनहम के सोन ह्यूंग मिन ने गोल किया लेकिन तीन मिनट बाद उनके आत्मघाती गोल से सिटी ने बराबरी कर ली।

फिल फोडेन ने 31वें मिनट में सिटी को बढ़त दिला दी। टॉटैनहम के गिवोनी ने 69वें मिनट में स्कोर 2-2 कर दिया। जैक ग्रीलिश ने 81वें मिनट में गोल किया लेकिन 90वें मिनट में डेजेन कुलुसेवस्की ने हेडर से स्कोर 3-3 कर दिया। इस ड्रॉ के साथ सिटी शीर्ष पर चल रहे आर्सनल (33) से तीन अंक पीछे है। दूसरे स्थान पर लिवरपूल (31 अंक) है जिसने फुल्हम को 4-3 से पराजित किया है। सिटी ने लगातार तीसरा ड्रॉ खेला है। इससे पहले उसे चेल्सी ने 4-4 और लिवरपूल ने 1-1 से बराबरी पर रोका था।

ब्रिस्बेन के मेयर ने ओलंपिक आयोजन समिति से दिया इस्तीफा, आयोजकों में आपसी मतभेद बनी वजह

गोल्ड कोस्ट, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। ब्रिस्बेन ने ओलंपिक के आयोजन के लिए लीडर्स फोरम का गठन किया था जिसमें सरकार के तीनों स्तर और अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हैं। ब्रिस्बेन के लॉर्ड मेयर एड्रियन श्राइनर ने 2032 में यहां होने वाले ओलंपिक खेलों की आयोजन समिति से त्यागपत्र दे दिया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने 2021 में ब्रिस्बेन को 2032 के खेलों की मेजबानी सौंपी

थी लेकिन श्राइनर के इस्तीफे से आयोजकों में आपसी मतभेद का पता चलता है।

ब्रिस्बेन ने ओलंपिक के आयोजन के लिए लीडर्स फोरम का गठन किया था जिसमें सरकार के तीनों स्तर और अन्य एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हैं। लेकिन श्राइनर ने कहा कि इस समूह का उपयोग केवल हितधारकों को खुश करने के लिए किया जा रहा है जबकि सभी अहम फैसले राज्य सरकार कर रही है। श्राइनर ने कहा, 'असलियत यह है कि हम हमेशा टीम के खिलाड़ी बनना चाहते हैं लेकिन राज्य सरकार राजनीति करना चाहती है। हमें महंगे स्टेडियमों की जरूरत नहीं है, हमें बेहतर परिवहन सुविधा की जरूरत है।'

पिस्टल का सिलेंडर फटा, शूटर ने अंगूठा गंवाया

राष्ट्रीय चैंपियनशिप की तैयारी कर रहा था निशानेबाज

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। पिस्टल का सिलेंडर छोटे एलपीजी सिलेंडर जैसी ताकत रखता है। निशाना लगाने के दौरान ट्रिगर दबाने पर सिलेंडर में भरी हवा केदबाव से गोली पिस्टल से निकलती है। कुछ निशाने लगाने के बाद सिलेंडर में हवा भरानी पड़ती है।

राष्ट्रीय चैंपियनशिप की तैयारी कर रहे निशानेबाज की पिस्टल का सिलेंडर हवा भरने के दौरान फट गया। इस दर्दनाक हादसे में निशानेबाज को अपने बाएं हाथ के अंगूठे का ऊपरी हिस्सा गंवाना पड़ा। एयरफोर्स के निशानेबाज पुष्पेंद्र कुमार को सेना के आरएंडआर अस्पताल में दाखिल कराया गया है, जहां उनकी सर्जरी कर दी गई है, लेकिन भोपाल में चल रही राष्ट्रीय चैंपियनशिप में वह नहीं खेल पाएंगे। उनका मंगलवार को मुकाबला निर्धारित है।

पुष्पेंद्र चैंपियनशिप के लिए फरीदाबाद की एक निजी शूटिंग रेंज में तैयारी कर रहे थे। बीते शनिवार को उनके पिस्टल के सिलेंडर में हवा खत्म हो गई। उन्होंने पिस्टल के सिलेंडर में

हवा भरने के लिए बड़े सिलेंडर में लगाया। इसके बाद पिस्टल का सिलेंडर फट गया। उनके भारतीय शूटिंग टीम के एक कोच का कहना है कि उन्होंने आज तक पिस्टल सिलेंडर फटने की घटना नहीं सुनी। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। निशानेबाज की जान भी जा सकती थी। पिस्टल का सिलेंडर छोटे एलपीजी सिलेंडर जैसी ताकत रखता है। निशाना लगाने के दौरान ट्रिगर दबाने पर सिलेंडर में भरी हवा केदबाव से गोली पिस्टल से निकलती है। कुछ निशाने लगाने के बाद सिलेंडर में हवा भरानी पड़ती है।

28 वर्षीय पुष्पेंद्र के पिता का निधन दो वर्ष पूर्व हो गया था। तकरीबन एक माह पूर्व उनकी मां का भी निधन हो गया। अब उनके साथ यह घटना घट गई। सूत्र बताते हैं कि घटना की सूचना पिस्टल निर्माता कंपनी के डीलर को दी गई है। उसने पिस्टल के निर्माण वर्ष में बेची गई सभी पिस्टलों के सिलेंडरों को वापस लेने की बात भी कही है। एक सिलेंडर की मियाद 10 वर्ष की होती है।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के 5 खिलाड़ियों ने दावा ठोका: टॉप ऑर्डर बल्लेबाजी और स्पिन के विकल्प मिले

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को खत्म हुई टी-20 सीरीज में रोहित, कोहली, बुमराह, स्टार्क, वॉर्नर, स्मिथ जैसे कई अनुभवी खिलाड़ी नहीं थे। इनकी गैरमौजूदगी में दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर टी-20 वर्ल्ड कप के लिए ऑडिशन दिया। जानते हैं दोनों टीमों के ऐसे 5 खिलाड़ियों के बारे में, जिन्होंने विंडीज-अमेरिका में अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप में खेलने के लिए दावा ठोका...

रवि बिश्नोई 23 साल

5 मैच में 9 विकेट झटके व प्लेयर ऑफ द मैच रहे। इकोनॉमी रेट 8.20 की रही। वे अक्षर, कुलदीप, जडेजा, अश्विन को चुनौती दे सकते हैं। 21 टी20 में 17.38 की औसत व 7.14 की इकोनॉमी से 34 विकेट लिए हैं।

बेहरेनडोर्फ 33 साल

जेसन को कमिंस, हेजलवुड, स्टार्क के कारण स्थाई जगह नहीं मिल पाती थी। इस सीरीज से खुद को साबित किया। 4 मैच में 6 विकेट झटके। इकोनॉमी महज 6.68 की रही, जो सभी ऑस्ट्रेलियन बॉलर्स में बेस्ट रही।

रिंकू सिंह 26 साल भारतीय बल्लेबाज

मैच की सीरीज में स्ट्राइक रेट 175 रही, किसी अन्य बैटर से ज्यादा। आखिरी कुछ ओवर्स में जो चौके-छक्के जमाए, उसने स्कोर में 15-20 रन ज्यादा जोड़े। वे सलेक्टर्स की फिनिशर की तलाश खत्म करेंगे।

ऋतुराज गायकवाड 26 साल

दाएं हाथ के बैटर ने तीसरे मैच में 123* रन बनाकर खुद को टी20 के भारतीय शतकवीर की सूची में शामिल कराया। सीरीज में 223 रन बनाए और अब वे टी20 वर्ल्ड कप में ओपनिंग के अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

तनवीर संघा 22 साल

5 मैच में 5 विकेट लिए। सीरीज के दौरान उन्होंने काफी किफायती इकोनॉमी से गेंदबाजी की। वे टी20 वर्ल्ड कप में जाने वाले ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से बैकअप स्पिनर के सबसे उपयुक्त विकल्प नजर आ रहे हैं।

भद्राद्री, कोत्तागुडेम और मुलुगु में एनडीआरएफ की टीमें तैनात

मुख्य सचिव का कलेक्टरों को सतर्क रहने का निर्देश

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मौसम विभाग की चेतावनी के मद्देनजर कि गंभीर चक्रवात मिचौंग के प्रभाव में उत्तर और दक्षिण तेलंगाना जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है। मुख्य सचिव शांति कुमार ने जिला कलेक्टरों का सतर्क रहने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव ने राज्य सरकार आपदा प्रबंधन संबंधित जिलों के कलेक्टरों और विभाग के सचिव राहुल बोज्जा के साथ भद्राद्री कोत्तागुडेम, खम्मम, मुलुगु, हनमकोंडा, वारंगल, जनागम, महबूबाबाद, सूर्यापेट और अन्य जिलों के कलेक्टरों के साथ टेली कॉन्फ्रेंसिंग की। इस अवसर पर सी.एस. शांति कुमारी ने कहा कि कलेक्टरों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया है क्योंकि आज और कल राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति में अपनाए जाने वाले प्रोटोकॉल के अनुसार उचित उपाय किए जाने चाहिए। भद्राद्री ने उल्लेख किया कि वे कोत्तागुडेम और मुलुगु जिलों में एनडीआरएफ टीमें भेज रहे हैं। उन्होंने पहले से ही पूरी तरह भरे हुए तालाबों में प्रवेश करने से पहले एहतियाती कदम उठाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि बाढ़ की आशंका को देखते हुए सिंचाई विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग, सड़क एवं भवन, पंचायत राज एवं राजस्व विभाग विशेषकर कॉज-वे एवं निचले इलाकों में सतर्क रहें। सीएस शांति कुमारी ने सुझाव दिया कि पुनर्वास केंद्रों की पहचान पहले से कर ली जाये ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

चक्रवात मिचौंग के प्रभाव के कारण आरजीआईए में उड़ान रद्दीकरण में वृद्धि

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (आरजीआईए) को मंगलवार को भी व्यवधान और रद्दीकरण का सामना करना पड़ा, क्योंकि चक्रवात मिचौंग का असर हवाईअड्डे से प्रस्थान करने वाली और पहुंचने वाली उड़ानों पर पड़ा। चक्रवात के कारण प्रतिकूल मौसम की स्थिति पैदा हो गई, जिसके कारण बड़ी संख्या में यात्राएं रद्द करनी पड़ीं, विशेष रूप से तिरूपति, आंध्र प्रदेश के विभिन्न हिस्सों और चेन्नई के बीच के मार्ग प्रभावित हुए। जीएमआर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर तक रद्द की गई घरेलू उड़ानों की संख्या 25 प्रस्थान और 34 आगमन तक पहुंच गई है। रद्दीकरण में इस अवांछित वृद्धि से कई यात्रियों को असुविधा हुई है। इन रद्दीकरणों का खामियाजा चेन्नई मार्ग को भुगतना पड़ा, जहां 20 उड़ानें रद्द की गईं, इसके बाद 14 उड़ानें रद्द की गईं, जिससे तिरूपति मार्ग प्रभावित हुआ। इसके अतिरिक्त, विशाखापत्तनम और राजमुंदरी के मार्गों पर नौ-नौ रद्दीकरण देखे गए।

चक्रवात मिचौंग : हैदराबाद में एलो अलर्ट

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मंगलवार सुबह बूंदाबांदी हुई और बादल छाए रहे, सुबह 9:00 बजे तापमान 22 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। चूंकि गंभीर चक्रवाती तूफान मिचौंग के आंध्र प्रदेश के दक्षिणी तट पर पहुंचने की आशंका है, इसलिए हैदराबाद के लिए एलो अलर्ट जारी है, जो हल्की से मध्यम बारिश का संकेत देता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को तेलंगाना के पूर्व, उत्तर-पूर्व और आसपास के जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जिसमें भारी से अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

टीपीसीसी एनआरआई यूके ने तेलंगाना में कांग्रेस की जीत का जश्न मनाया

लंदन, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी एनआरआई यूके सेल ने तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी की सफलता का जश्न मनाया। टीपीसीसी एनआरआई यूके के सदस्यों ने एक बैठक बुलाई और सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें अगले सीएलपी नेता के रूप में टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी का समर्थन किया गया। बैठक के दौरान, आईओसी सदस्य मंत्री सुभाष बाबू ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी द्वारा किए गए वादों को दोहराया, "सामाजिक तेलंगाना" लाने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। यह प्रस्ताव यूके कांग्रेस परिवार के 200 सदस्यों के साथ-साथ श्रीधर नीला, मंगलरापु श्रीधर राकेश और मंथरी सुभाष सहित प्रमुख सदस्यों की सक्रिय भागीदारी के साथ पारित किया गया था।

यह उत्सव सामाजिक रूप से न्यायसंगत तेलंगाना के लिए कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों और दृष्टिकोण का समर्थन करने के लिए टीपीसीसी एनआरआई यूके सेल के उत्साह और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

तिरुमला में अन्नप्रसादम की बेहतर गुणवत्ता

तिरुमाला, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष भुमना करुणाकर रेड्डी ने कहा कि टीटीडी उन धार्मिक संस्थानों में शीर्ष पर है, जो दुनिया भर से हर दिन पहाड़ी मंदिर में आने वाले लाखों भक्तों को उच्च गुणवत्ता वाले अन्नप्रसादम प्रदान करते हैं। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए टीटीडी अध्यक्ष ने अफसोस जताया कि सोशल मीडिया के एक वर्ग ने यह अभियान चलाया था कि कुछ भक्तों ने हाल ही में मातृश्री तारिगोंडा वेंगमाम्बा अन्नप्रसादम कॉम्प्लेक्स में विरोध प्रदर्शन किया था। उन्होंने कहा कि भोजन कक्ष में 700 अन्य तीर्थयात्रियों के बीच लगभग 15 लोगों ने अन्नप्रसाद भवन में भोजन की गुणवत्ता के बारे में बताया था। उन्होंने कहा कि टीटीडी गुणवत्ता से कभी समझौता नहीं करेगा। लेकिन भोजन की गुणवत्ता के बारे में शिकायत करने वाले इन लोगों ने दूसरों को डराने-धमकाने की कोशिश की, जो एक तीर्थस्थल में बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि खान-पान की आदतें व्यक्तिगत तौर पर अलग-अलग होती हैं लेकिन तीर्थस्थलों पर श्रद्धालुओं को धैर्य रखना पड़ता है। टीटीडी किसी भी चूक, यदि कोई हो, को ठीक करने के लिए सदैव तैयार है।

तेलंगाना के नए डीजीपी रवि गुप्ता ने कार्यभार संभालने के बाद मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल डॉ. तामिलसाई सौंदरराजन से शिष्टाचार मुलाकात की।

कोत्तागुडेम, खम्मम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश

कोठागुडेम, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को जिले के कई मंडलों में हल्की से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। दिन में सुबह 8.30 बजे से शाम 5 बजे तक असवाराओपेट मंडल में 13.1 सेमी की भारी वर्षा दर्ज की गई, जबकि दम्मापेट मंडल में %.35 सेमी की भारी वर्षा दर्ज की गई। जिले के चंद्रुगोंडा, कोठागुडेम, चुंचुपल्ली, भद्राचलम, डुम्मुगुडेम, मनुगुर, पलोंचा और अन्य मंडलों में मध्यम वर्षा दर्ज की गई। खम्मम जिले में, सतुपल्ली, वेमसूर, मधिरा, चिंताकानी, बोनाकल, पेनुबली, वायरा और कोनिजेरला मंडलों में मध्यम वर्षा दर्ज की गई, जबकि अन्य मंडलों में हल्की वर्षा हुई। चक्रवाती बारिश के कारण कोठागुडेम, येलांडु, मनुगुर और सथुपल्ली क्षेत्रों में एससीसीएल की खुली खदानों में कोयला उत्पादन प्रभावित हुआ। बारिश के कारण कोठागुडेम और खम्मम जिलों में दिन के तापमान में गिरावट आई है। येल्लांदु मंडल में न्यूनतम तापमान 21.3 सेल्सियस डिग्री दर्ज किया गया. कोठागुडेम जिले में दिन के दौरान तापमान 21 से 24 सेल्सियस डिग्री के बीच रहा. खम्मम में तिरुमलयपालेम मंडल में न्यूनतम तापमान 21.2 सेल्सियस डिग्री दर्ज किया गया। इस बीच, अगले दो दिनों में भारी बारिश के पूर्वानुमान के बाद खम्मम और कोठागुडेम जिलों में जिला प्रशासन हाई अलर्ट पर हैं।

आदेशों का उल्लंघन : एआईएमआईएम के नये विधायक के खिलाफ मामला

हैदराबाद, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भवानी नगर पुलिस ने रविवार रात याकूतपुरा विधानसभा चुनाव में अपनी जीत के बाद कथित रूप से निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के लिए एआईएमआईएमएलए-निर्वाचित जफर हुसैन मेराज और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रात्रि गश्त में लगी पुलिस टीम ने सलाम चौक के पास एक सभा देखी, जिसे कथित तौर पर जाफर हुसैन मेराज, यासर अराफात और अन्य एआईएमआईएम सदस्यों द्वारा आयोजित किया गया था। भीड़ पहले एक रैली के रूप में निकली और बाद में पुलिस के आदेशों का उल्लंघन करते हुए बिना अनुमति के पटाखे फोड़े और अशांति पैदा की। एक कांस्टेबल ए. सुधाकर की शिकायत के आधार पर आईपीसी और सिटी पुलिस अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच की जा रही है।

कैबिनेट में जगह पाने की दौड़ में प्रेमसागर राव व विवेक सबसे आग

मंचेरियल, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल के विधायक कोक्किरला प्रेमसागर राव और चेन्नूर से उनके समकक्ष डॉ. जी विवेक वेंकटस्वामी दोनों को जल्द ही गठित होने वाले मंत्रियों के मंत्रिमंडल में जगह मिलने की संभावना है।

पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले में कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवित करने के उनके प्रयासों को देखते हुए, राव मंत्रियों के मंत्रिमंडल में जगह पाने की दौड़ में सबसे आगे हैं। राव ने बीआरएस के मजबूत गढ़ रहे इस क्षेत्र में पार्टी में जान फूंकने में अहम भूमिका निभाई। राव के तत्वावधान में, कांग्रेस विधायक दल के नेता मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने मार्च से अप्रैल तक 200 किमी की दूरी तय करते हुए तत्कालीन आदिलाबाद जिले में हाथ से हाथ जोड़ो नामक एक वॉकथॉन का आयोजन किया। टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी द्वारा संबोधित की गई सार्वजनिक बैठक और विक्रमार्क के दौरे दोनों ने पार्टी को क्षेत्र में वापसी करने में मदद की।

इस बीच, विवेक वेंकटस्वामी ने चुनाव से कुछ दिन पहले भारतीय जनता पार्टी से कांग्रेस में अपनी वफादारी बदल ली, जिससे कई लोग आश्चर्यचकित हो गए। हालाँकि, कांग्रेस में वापस आने का उनका निर्णय मंचेरियल जिले में कांग्रेस द्वारा तीन क्षेत्रों को जीतने में महत्वपूर्ण था। विवेक, उनके भाई विनोद और राव ने मिलकर काम किया और पार्टी की जीत सुनिश्चित की। विवेक के समर्थक उन्हें राज्य कैबिनेट में जगह मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। उन्होंने तर्क दिया कि विवेक कैबिनेट में अहम पद का आश्वासन मिलने के बाद पार्टी में शामिल हुए हैं।

केटीआर ने जनगांव जिला परिषद अध्यक्ष को श्रद्धांजलि दी

जनगांव, 5 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मंगलवार को जनगांव जिला परिषद के अध्यक्ष पगला संपत रेड्डी को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिनकी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई थी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी और उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.